

राहुल गांधी की रैली एकमात्र..

02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



सैफ स्टारर की अगली फिल्म...

11

वर्ष - 02, अंक - 215 | गाजियाबाद / शुक्रवार 06 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए



धनतेरस का त्योहार आज... बाजार सज-धज कर तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली और धनतेरस के महापर्व को लेकर बाजार पूरी तरह सज-धज कर तैयार हो चुके हैं। त्योहारों के इस मुहूर्त में खरीदारी को बेहद शुभ और मंगलकारी माना जाता है, यही वजह है कि बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। ऑटोमोबाइल से लेकर ज्वेलरी शोरूम, बर्तन, फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में लोगों की चहल पहल शुरू हो चुकी है। धनतेरस का पर्व कल पूरे देश में मनाया जाएगा और दीपावली 8 नवंबर को मनाई जायेगी। इसके पहले लोग धनतेरस में अपने घर बाइक, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान एवं फर्नीचर लाने की तैयारी कर रखी है। इसी के तहत लोग दो दिन पहले से ही अपने मनपसंद के सामान को देखने और एडवांस में बुकिंग कराने पहुंच रहे हैं।

शोरूमों में ग्राहकों की भीड़ और एडवांस बुकिंग

साथ ही एलईडी, फ्रीज, वाशिंग मशीन आदि समानों के भी एक से बढ़कर एक कलेक्शन देखने को मिला। इंटेरियर शो रूम के संचालक रोहित दफ्तरी की मानें तो इस बार अच्छा व्यापार होने की उम्मीद जताई और एडवांस बुकिंग होने की बात सामने आयी। आगे बढ़ने पर होंडा शो रूम में भी अच्छी खासी भीड़ दिखी लोग बाइक के नये मॉडल को लेकर चर्चा करते दिखे और बुकिंग भी करा रहे थे। कई फाइनेंस कंपनी भी शो रूम में बैठी हुई थी। संचालक विनीत दफ्तरी ने बताया कि धनतेरस और दीपावली को लेकर अब तक 70 बाइको की बुकिंग हो चुकी है और धनतेरस के दिन यहां आंकड़ा बढ़कर 200 से ऊपर जा सकता है। इसी तरह हीरो शो रूम भी ग्राहकों की भीड़ देखी गई लोग यहां भी बाइक से जुडी जानकारी ले रहे थे।

बाइक और चार पहिया वाहनों की बंपर बुकिंग

ऑटोमोबाइल बाजार में इस बार जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। दोपहिया और चार पहिया वाहनों के शोरूम को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। धनतेरस के पहले डिलीवरी लेने के लिए ग्राहकों ने हफ्तों पहले से ही अपनी मनपसंद गाड़ियों की बुकिंग करा रखी है।ऑटोमोबाइल कंपनियों और स्थानीय डीलरों द्वारा जीरो डाउन पेमेंट, कम ब्याज दर, मुफ्त एक्सेसरीज और पक्के उपहार जैसे आकर्षक ऑफर्स दिए जा रहे हैं, जो ग्राहकों को खूब लुभा रहे हैं।

ज्वेलरी शोरूम में सोने-चांदी की मांग

धनतेरस पर सोने या चांदी की वस्तु खरीदना सबसे शुभ माना जाता है। यही कारण है कि ज्वेलरी शोरूम्स राजेंद्र ज्वेलर्स, कल्याण, तनिष्क आदि में सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच ग्राहकों का तांता लगा हुआ है।डिजाइनर गहनों का क्रेज पारंपरिक गहनों के साथ-साथ इस बार हल्के वजन वाले मॉडर्न और फैंसी आभूषणों की भारी डिमांड है।

सिक्कों की बिक्री तेज

निवेश के लिहाज से लोग सोने और चांदी के हॉलमार्क वाले सिक्कों और लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। शोरूम मालिकों ने मेकिंग चार्ज (गढ़ाई शुल्क) पर भारी छूट दे रखी है। दादा साहेब मोरे ने बताया कि ज्वेलरी के बाजारों में अच्छी रौनक है, लोग पहुंचने लगे हैं गहनों के साथ साथ चांदी और सोने की सिक्कों की अधिक डिमांड रहती है।

संक्षिप्त समाचार

कभी सिलेबस तो कभी स्याही का करते हैं बहाना

- गाजियाबाद में राहुल गांधी पर सीएम योगी का हमला

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए गुरुवार को कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। इस बीच योगी ने अयोध्या राम मंदिर निर्माण के लिए किए गए संघर्ष को याद करते हुए समाजवादी पार्टी को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी की एक ऐसे स्कूली छात्र हैं से की जो बार-बार परीक्षा में फेल होता है और हर बार नए बहाने बनाता है। कभी सिलेबस न जानने का, कभी कॉपी बदले जाने का, तो कभी पेन की स्याही खत्म होने का।'सीएम योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक अराजकता से देश के लोकतंत्र को कमजोर कर रही है और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक लोकतंत्र के प्रति जागरुक है, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अपनी हार स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। इस दौरान क्षेत्रीय विकास पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद में उत्तराखण्ड भवन के निर्माण की घोषणा की और क्षेत्र के चौमुखी विकास का संकल्प दोहराया।

ईरान जंग में फंसाया टैरिफ ने भी किया खेल

- ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी में भारी बगावत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। मिडटर्म चुनाव में हार के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी में अंदरूनी नाराजगी सामने आने लगी है। टेक्सास के रिपब्लिकन नेता चैड विलबैंक्स ने ईरान युद्ध, टैरिफ और रूस के



राष्ट्रपति पुतिन का पक्ष लेने वाले ट्रम्प के फैसलों को हार की वजह बताया। ट्रम्प के करीबी नेताओं ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर आरोप लगाया कि उन्होंने राष्ट्रपति को ईरान युद्ध में उलझा दिया, लेकिन इससे निकलने की कोई स्पष्ट योजना नहीं बनाई। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी माना कि ईरान युद्ध के कारण ट्रम्प के कई पुराने समर्थकों ने इस बार रिपब्लिकन पार्टी से दूरी बनाई।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स- हाउस में कुल 435 सीटें हैं। सभी सीटों पर चुनाव हुए। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 242 और ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 151 सीटें जीती हैं। 42 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। डेमोक्रेट्स को जरूरी बहुमत मिल चुका है।

करनाल की पदयात्रा में गरजे गृहमंत्री

शाह बोले-राहुल मुद्दों पर चर्चा नहीं करते, अराजकता फैला रहे

- कहा-हम एसआईआर पर विशेष सत्र बुलाने को तैयार

करनाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने करनाल में पदयात्रा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुना है। वर्ष 2024 के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है।

शाह ने कहा, 'कहते हैं न कि बिल्ली को जब कोई रास्ता नहीं सूझता तो वह झपटकर खंभे को नोचने लगती है। राहुल जी, आप संसद चलने नहीं देते। मुद्दों पर चर्चा नहीं करते। संसद में शोर-शराबे को कांग्रेस ने अपना कल्चर बना दिया है। सड़क पर भीड़ इकट्ठा करके अनार्किस्ट (अराजकतावादी) की तरह अराजकता फैलानी है। ' उन्होंने कहा, 'देश की जनता को तय करना है कि देश की समस्याओं और जनता की भलाई के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं पर चर्चा सड़क पर होनी चाहिए या संसद में।

राहुल गांधी को सड़क पर चर्चा करने का इतना ही शौक है तो कोई बात नहीं। हरियाणा के किसी चौराहे की जगह तय कर लें। हमारी युवा मोर्चा के अध्यक्ष चर्चा करने के लिए वहां पहुंच जाएंगे।



जब राहुल आए हैं, तब से कांग्रेस के विधायक घट रहेः शाह

शाह ने कहा कि कोई काम लेने जाता है तो पूछा जाता है कि पहले क्या काम करते थे। अब राहुल से भी पूछते हैं कि उनका रिकॉर्ड क्या है। राहुल जब कांग्रेस के महासचिव बने तो कांग्रेस के 1200 विधायक थे। उपाध्यक्ष बने तो 900 रह गए। अध्यक्ष बने तो 700 रह गए। 2022 में भारत जोड़ो यात्रा निकाली, तो 600 रह गए। राहुल जब से आए हैं कांग्रेस के विधायक लगातार कम हो रहे हैं। जब से मोदी जी आए हैं, भाजपा के विधायक-सांसद लगातार बढ़ रहे हैं।



आसमान पर शेयर बाजार, भारी उछाल

धनतेरस से पहले बाजार में 'धनवर्षा'

- सेंसेक्स 2009, निफ्टी 576 अंक उछला

मुंबई (एजेंसी)। धनतेरस से एक दिन पहले 5 नवंबर को सेंसेक्स 2008 अंक या 2.60 फीसदी चढ़कर 79,310 पर बंद हुआ। इसे तेजी से निवेशकों की दौलत 8 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई। निफ्टी में भी 576 अंक या 2.40 फीसदी की तेजी रही, ये 24,537 के स्तर पर बंद हुआ है। निफ्टी ने 4 सितंबर के बाद पहली बार 24 हजार का आंकड़ा पार किया। ये इस साल की सेंसेक्स की दूसरी बड़ी बढ़त है। 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था। यानी करीब सेंसेक्स में 7 महीने बाद इतनी बड़ी तेजी आई है। शेयर बाजार में इस बड़ी तेजी में निवेशकों को बड़ा फायदा हुआ है।

भारतीय शेयर बाजार में तेजी की बड़ी वजहें

भारतीय शेयर बाजार में इस तेजी की प्रमुख बड़ी वजहों में ये शामिल हैं-अमेरिका में ट्रंप के मिडटर्म चुनाव में करारी हार के बाद पश्चिम एशिया में तनाव के समाधान की बढ़ी उम्मीदें, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट, भारतीय रुपया 2 हफ्ते के सबसे हाई स्तर पर, विदेशी निवेशकों की तगड़ी खरीदारी। हाल ही में अमेरिका में मिडटर्म चुनाव हुए थे। इसके नतीजों ने प्रेसीडेंट ट्रंप की पार्टी को तगड़ा झटका दिया है। चुनाव में ट्रंप की करारी हार हुई है।

दिल्ली में दर्दनाक हादसा... निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरी 2 की मौत, 4 घायल, कई लोगों के दबे होने की आशंका



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में गुरुवार सुबह तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के मुताबिक, घटना सुबह 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सत्तारा में हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दिल्ली पुलिस और अन्य टीमें भी रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं। मामले में दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इनमें असिस्टेंट इंजीनियर (बिल्डिंग) मोहम्मद नईम और जूनियर इंजीनियर (बिल्डिंग) अमन दलाल शामिल हैं। दिल्ली में इस साल इमारत गिरने का यह छठा बड़ा मामला है। इससे पहले 5 हादसों में 21 लोगों की मौत हो चुकी है।

नागौर में बारूद बनाते समय ब्लास्ट... 2 भाइयों की मौत, शवों के टुकड़े बिखरे, लोगों ने किया पथराव



नागौर (एजेंसी)। राजस्थान के नागौर में बारूद के गोदाम में गुरुवार सुबह ब्लास्ट हो गया। हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई। धमाके के कारण भाइयों की बॉडी के कई टुकड़े हो गए। घटना के करीब डेढ़ घंटे बाद गोदाम के बाहर जमा लोगों ने हंगामा कर दिया। पुलिस ने उन्हें गोदाम के बाहर से हटाने की कोशिश की तो भीड़ ने पथराव कर दिया। इसके बाद लाठीचार्ज कर लोगों को वहां से खदेड़ा गया है। जानकारी के अनुसार जिस गोदाम में धमाका हुआ है वहां अवैध तरीके से पोटेशियम नाइट्रेट मिलाकर बारूद बनाया जाता था। हालांकि, धमाका कैसे हुआ अभी यह पता नहीं चल पाया है।हादसा नागौर के बड़ली इलाके में सुबह 9:40 बजे हुआ। जान गंवाने वालों में 28 साल के मोहम्मद आमिर सौरगर और 32 साल के उनके चचेरे भाई मुजिद सौरगर हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, गोदाम मालिक का नाम मोहम्मद अमीन (50) है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-देरी होने पर व्यक्ति को रिहा करना होगा

हिरासत के बाद 24 घंटे में पेशी जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हिरासत के बाद कोर्ट में पेश करने की 24 घंटे की समय सीमा को साफ किया। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समयसीमा उसे हिरासत में लेते ही शुरू हो जाएगी। यह समय औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज होने के समय से नहीं गिना जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कह कि जांच एजेंसियां किसी व्यक्ति को पहले हिरासत में लेकर बाद में उसकी गिरफ्तारी दर्ज करने का रास्ता नहीं अपना सकतीं। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला गिरफ्तार त्रिपुरा के चार लोगों की याचिका से जुड़ा है। इनका आरोप है कि हिरासत में लेने और गिरफ्तारी दर्ज करने के बीच करीब 21 घंटे का अंतर था। मामले की सुनवाई जस्टिस उज्जवल भुइयां और जस्टिस अतुल एस. चंद्रकुर की बेंच में हुई।

त्रिपुरा हाईकोर्ट ने आरोपियों की याचिका खारिज की थी



मामला त्रिपुरा में 11.03 किलो याबा टैबलेट की जब्ती से जुड़ा था। 29 सितंबर 2025 को दोपहर 2 बजे तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान चारों लोगों को हिरासत में लिया गया, लेकिन पुलिस ने उनकी औपचारिक गिरफ्तारी अगले दिन यानी 30 सितंबर को सुबह 11 बजे दर्ज की। मतलब हिरासत में लेने और गिरफ्तारी दर्ज करने के बीच करीब 21 घंटे का अंतर था। आरोपियों का कहना था कि उन्हें हिरासत में लेने के 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना चाहिए था। मामला त्रिपुरा हाईकोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इसके बाद आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

बिहार में बड़े उलटफेर की सुनाई दे रही आहट!

- निशांत कुमार बनेंगे उपमुख्यमंत्री तो विजय चौधरी जेडीयू कार्यकारी अध्यक्ष



पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में अब मिशन निशांत शुरू हो गया है। जनता दल (यू) की बैठक में माना जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री के पद पर निशांत कुमार की ताजपोशी संभावित है। मिशन निशांत की पहली कड़ी कल से शुरू हो जाएगी। यहां से शुरू होगा निशांत के भविष्य की प्लानिंग। कुल मिलाकर बिहार की सियासत में बड़े बदलाव की चर्चा शुरू हो चुकी है। नीतिश कुमार के बेटे निशांत डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं। इसके साथ ही जदयू में भी बड़े उलटफेर की संभावना है। फिलहाल, जेडीयू के कोटे से विजय चौधरी और विजेंद्र यादव उपमुख्यमंत्री हैं। दोनों ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इन दोनों की जगह इकलौते निशांत कुमार डिप्टी सीएम बनेंगे।

मोटा भाई नहीं संभल रहा केंद्रीय गृहमंत्रालय... इस्तीफा क्यों नहीं दे देते

● कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का तंज



नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के हालात का हवाला देकर केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व पर सवाल उठाए और कहा कि यदि गृह मंत्रालय नहीं संभल रहा है, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपने बयान में तंज कसते हुए कहा कि सात वर्षों में घुसपैठ का मुद्दा हल नहीं हुआ और तीन साल से मणिपुर में स्थिति सामान्य नहीं हुई है। अब अरुणाचल प्रदेश से जुड़े घटनाक्रम भी मोदी सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों के अलावा दिल्ली में लाल किले के पास धमाके की घटना तथा दिल्ली के नजदीक 300 किलोग्राम आरडीएक्स मिलने जैसे मामलों पर भी केंद्र सरकार को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस राज्य सभा सांसद खेड़ा ने शाह को निशाने पर लेकर कहा कि उन्हें गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी छोड़कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें भी स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका मिलना चाहिए। कांग्रेस नेता का बयान तब आया है, जब भाजपा और कांग्रेस के बीच कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर टकराव बढ़ा हुआ है। कांग्रेस चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार हमले कर रही है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने हाल ही में रामलीला मैदान में रैली कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठाई थी। दूसरी ओर, भाजपा ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता विभिन्न राज्यों में जनसभाएं और पदयात्राएं कर रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की खारिज

प्रयागराज, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी को सिख समुदाय पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए उनके कथित बयान के मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया। राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर नागेश्वर मिश्रा और अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने सिख समुदाय के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी। इससे पहले वाराणसी की ट्रायल कोर्ट ने भी इस संबंध में दाखिल अर्जी खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले को याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने याचिका खारिज करते हुए राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि भारत में सिखों को कड़ा पहनने, पगड़ी बांधने और गुरुद्वारे जाने की आजादी को लेकर स्थिति चिंताजनक है।

राहुल गांधी की रैली का एकमात्र मकसद... मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना

करनाल में रैली कर राहुल के विदेश दौरों का शाह ने मांगा ब्यौरा

करनाल , एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में हंगामा करने को कांग्रेस की कार्यशैली बना दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन कांग्रेस चर्चा से बचने के लिए हंगामा कर रही है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने करनाल में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर केंद्र सरकार संसद में खुली चर्चा के लिए तैयार है। भाजपा का संकल्प है कि घुसपैठियों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाएं।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधकर कहा कि उसकी रैली



का उद्देश्य मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना है। उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर भी सवाल उठाए। शाह ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और देश की जनता को उनकी विदेश यात्राओं का ब्यौरा जानने का अधिकार है। इसके पहले केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व में भाजपा की पदयात्रा निकाली गई। सेक्टर-12 से शुरू हुई यह यात्रा दयानंद चौक पर संपन्न हुई। इसमें सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर केंद्र सरकार के समर्थन में नारे लगाते नजर आए।

पदयात्रा में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री एवं करनाल के सांसद मनोहर लाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, पार्टी की हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी और प्रदेश के कई मंत्री शामिल हुए।

गौरतलब है कि एक नवंबर को विपक्षी गठबंधन इंडिया ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली आयोजित की थी। इसमें विपक्षी नेताओं ने चुनावी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। इसके पहले अमित शाह हैदराबाद में भी इसी अभियान के तहत पदयात्रा का नेतृत्व कर चुके हैं।

अग्निवीरों का सेवा विस्तार अच्छा कदम, हर युवा को मिले 3-4 साल की सैन्य ट्रेनिंग: सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने केंद्र सरकार के अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक युवा को तीन से चार साल की सैन्य ट्रेनिंग मिलनी चाहिए, ताकि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होने के साथ देश की सुरक्षा के लिए तैयार रहें। उन्होंने रूस सहित कई देशों की सैन्य प्रशिक्षण व्यवस्था का उदाहरण देकर कहा कि भारत में भी ऐसी व्यवस्था लागू करने पर विचार होना चाहिए। केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की है कि चार साल का कार्यकाल पूरा कर रहे अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार मिलेगा। इसके बाद निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने और व्यक्तिगत सहमति देने वाले अग्निवीरों को स्थायी भर्ती का मौका मिलेगा। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देकर बृजभूषण ने कहा कि अग्निवीर योजना के पीछे संभवत: यह सोच रही होगी कि देश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ और सैनिक के रूप में प्रशिक्षित हो। उन्होंने कहा कि कई देशों में युवाओं को तीन से चार साल की सैन्य ट्रेनिंग देने के बाद उन्हें सामान्य जीवन और पढ़ाई में लौटने का मौका दिया जाता है। उनके अनुसार, सेना में नौकरी देने की व्यवस्था जुड़ने के कारण योजना को लेकर कुछ अंतर्विरोध पैदा हुए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सेना की जरूरतों, युद्ध की परिस्थितियों और युवाओं की भूमिका को देखते हुए मोदी सरकार का सेवा विस्तार का निर्णय सराहनीय है। इससे अधिक युवा अग्निवीर बनने के लिए प्रेरित होंगे। बृजभूषण ने जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार दो या तीन बच्चों की सीमा निर्धारित करती है, तब इसका उल्लंघन करने वालों के संबंध में गंभीरता से विचार होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने इसके साथ जातीय और सामाजिक संतुलन बनाए रखने की जरूरत बता दी। उन्होंने कहा कि देश में जाति आधारित सामाजिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राजनीतिक दल भी टिकट वितरण और मंत्री पद तय करते समय संख्या बल को महत्व देते हैं।

ट्रंप के बाद अब पीएम मोदी की बारी, मिडटर्म चुनावों के नतीजों पर प्रशांत भूषण का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगे झटके के बाद भारत में भी राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने चुनावी नतीजों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर कहा कि अमेरिकी मतदाताओं ने नफरत, डर और दुष्प्रचार की राजनीति को खारिज कर दिया है। अब भारत में भी बदलाव की बारी है। प्रशांत भूषण ने पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनाव भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक लेकर आए हैं। उनके मुताबिक, ट्रंप भी प्रधानमंत्री मोदी की तरह मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने और प्रवासियों के मुद्दे पर लोगों में डर पैदा करने की राजनीति कर रहे थे, लेकिन अमेरिकी मतदाताओं ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने ट्रंप के इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करीबी संबंधों का जिक्र किया। वरिष्ठ वकील भूषण ने आरोप लगाया कि ट्रंप की राजनीति झूठ और दुष्प्रचार पर आधारित थी, जो कि जनता ने नकार दिया। उन्होंने अपने संदेश के अंत में कहा कि ट्रंप के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी की बारी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनावों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संतुलन और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने की ताकत को प्रदर्शित किया है। कांग्रेस नेता रमेश के अनुसार, इन चुनावों ने राष्ट्रपति ट्रंप को निर्णायक रूप से खारिज किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में वर्ष 2014 के बाद से लोकतांत्रिक संस्थाओं का संतुलन लगातार कमजोर हुआ है। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की एक राष्ट्र, एक चुनाव की पहल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लोकतंत्र में सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले मध्यावधि चुनावों की प्रभावशीलता को कम कर सकती है। अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर विपक्षी नेताओं के इन बयानों से भारत में भी लोकतंत्र, चुनावी जवाबदेही और राजनीतिक विमर्श को लेकर बहस तेज हो गई है।

उत्तराखंड स्थापना दिवस पर हरिद्वार में होंगे भव्य आयोजन, उत्कृष्ट कार्य करने वाले और मेधावी विद्यार्थी होंगे सम्मानित

हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तराखंड राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ जनपद हरिद्वार में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर ऋषिकुल सभागार में मुख्य समारोह आयोजित होगा, जबकि जनपद के सभी विकासखंडों में भी विभिन्न कार्यक्रम होंगे। समारोह को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें विभिन्न विकासखंडों के अधिकारी भी आभासी माध्यम से जुड़े।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस उत्तराखंड की गौरवशाली विकास यात्रा, उपलब्धियों और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्य समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा



जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

शिक्षा विभाग को विकसित उत्तराखंड और विकसित भारत विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कराने के निर्देश दिए गए हैं। समारोह स्थल पर सभी संबंधित विभाग अपनी योजनाओं और उपलब्धियों से जुड़े प्रदर्शनी कक्ष लगाएंगे। इनके माध्यम से आमजन को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और लाभ प्राप्त करने की जानकारी दी जाएगी। पात्र व्यक्तियों को चिह्नित कर योजनाओं का लाभ दिलाने पर भी जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और अन्य गतिविधियां भी आयोजित होंगी। नगर निगम, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी सरकारी कार्यालयों, भवनों और प्रमुख चौराहों को आकर्षक एलईडी रोशनी से सजाया जाएगा। समारोह स्थल पर मंच, बैठक, सफाई, बिजली, यातायात, पार्किंग और सुरक्षा की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी।

बैठक में जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार पंत, जिला प्रोबेशन अधिकारी अविनाश भदौरिया, महाप्रबंधक उद्योग उत्तम कुमार तिवारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी नलिनी ध्यानी, मुख्य कृषि अधिकारी गोपाल भंडारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सतीश जोशी, मुख्य उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, मुख्य जिला क्रीड़ा अधिकारी रविन्द्र सिंह और जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रमोद चन्द्र पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विपक्षी के झूठ और अफवाहों का जमीन और सोशल मीडिया से जबाव देगी बीजेपी

नई दिल्ली , एजेंसी। विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देने और अपना राजनीतिक विमर्श मजबूत करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने डिजिटल और जमीनी अभियानों को एक साथ जोड़ने की रणनीति बनाई है। सोशल मीडिया पर वीडियो, राजनीतिक गीतों और तीखे संदेशों के जरिए विपक्षी नेताओं को घेरने के साथ ही पार्टी विभिन्न राज्यों में पदयात्राओं, रैलियों और जनसभाओं के माध्यम से जनता तक पहुंचने की तैयारी में है। भाजपा का 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान इसी रणनीति का प्रमुख उदाहरण है।

यह अभियान एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली के बाद शुरु हुआ। इस रैली में विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाए थे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने विपक्ष पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री विभिन्न राज्यों में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अभियान को गति दे रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पदयात्राओं से लेकर डिजिटल कार्यक्रमों तक सभी गतिविधियां राज्य इकाइयों के समन्वय से संचालित हो रही हैं। इसका उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर जनता के सामने अपना पक्ष रखना और राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देना है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन संगठनात्मक स्तर पर अभियान की अगुवाई कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा और शिवराज सिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ नेता भी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। पार्टी का दावा है कि अभियान भाजपा शासित राज्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में भी चलाया जा रहा है।

वहीं डिजिटल मोर्चे पर भाजपा वीडियो, ग्राफिक्स, राजनीतिक गीतों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए विपक्ष को टारगेट कर रही है। वहीं, पदयात्राओं और जनसभाओं के माध्यम से इन संदेशों को सीधे जनता तक पहुंचाने की कोशिश हो रही है।

इस अभियान में छात्र संगठनों को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में रैलियों और विरोध प्रदर्शनों का आयोजन किया है। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि छात्र लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं। राजनीतिक संचार सलाहकार अनूप शर्मा के अनुसार, भाजपा ने शुरुआत से ही सोशल मीडिया की ताकत पहचानी और व्हाट्सएप सहित डिजिटल माध्यमों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया। हालांकि, नई पीढ़ी के विरोध प्रदर्शनों ने पार्टी को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए प्रेरित किया है। उनके मुताबिक, भाजपा अब डिजिटल प्रचार को स्थानीय संपर्क, रैलियों और संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ रही है, क्योंकि केवल सोशल मीडिया के सहारे चुनावी सफलता हासिल करना संभव नहीं है।

दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 81 नमूनों की जांच में 11 अधोमानक मिले

हरिद्वार (शिखर समाचार)। दीपावली पर्व पर मिलावटी और अधोमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने हरिद्वार में विशेष जांच अभियान चलाया। 5 नवंबर को सचल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न मिठाई विक्रेताओं, बेकरियों, डेयरियों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर खाद्य पदार्थों की मौके पर ही जांच की गई। अभियान के दौरान कुल 81 नमूने जांच के लिए लिए गए, जिनमें 11 नमूने अधोमानक पाए गए। संबंधित प्रतिष्ठानों से अधोमानक खाद्य सामग्री तत्काल हटवा दी गई।

यह अभियान खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त विनय शंकर पांडे और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों पर चलाया गया। सहायक आयुक्त महिमानंद जोशी तथा उपायुक्त प्रयोगशाला बीरेंद्र सिंह



बिष्ट के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने ऋषिकुल, गोविंदपुरी, रानीपुर मोड़ और प्रेमनगर आश्रम क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच अभियान में मिठाई, पनीर, दूध, दही, केक, पेस्ट्री, सॉस, मसाले, तेल, बेसन, दालों और अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। सचल प्रयोगशाला के माध्यम से इनकी गुणवत्ता की तत्काल जांच की गई। अधोमानक पाए गए खाद्य पदार्थों को उपभोक्ताओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संबंधित दुकानों से हटवाया गया।

अभियान के दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र टम्टा ने मिठाई और बेकरी प्रतिष्ठानों में उत्पादों पर निर्माण तथा अवसान की तिथि अंकित होने संबंधी नियमों की भी जांच की। अधिकारियों के अनुसार अधिकांश प्रतिष्ठानों पर मिठाइयों और बेकरी उत्पादों पर दोनों तिथियां नियमानुसार अंकित मिलीं।

संयुक्त टीम में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी रुड़की नगर निगम योगेंद्र पांडे, कनिष्ठ खाद्य विश्लेषक अनुराग मियां और प्रयोगशाला सहायक गौरव कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। खाद्य सुरक्षा विभाग ने पर्व के दौरान उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जांच अभियान जारी रखने की बात कही है।

चार मूर्ति चौक अंडरपास का ट्रायल शुरू, पांच घंटे में गुजरे 14 हजार वाहन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति चौक पर नवनिर्मित अंडरपास का ट्रायल बृहस्पतिवार 5 नवंबर की सुबह छह बजे से शुरू हो गया। यह ट्रायल 8 नवंबर की रात 10 बजे तक चलेगा। ट्रायल सफल रहने पर अंडरपास को वाहनों की आवाजाही के लिए जल्द ही औपचारिक रूप से खोल दिया जाएगा। ट्रायल के पहले दिन सुबह छह से 11 बजे तक पांच घंटे में लगभग 14 हजार वाहन अंडरपास से गुजरे। इसके शुरू होने से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों और रोजाना इस चौराहे से गुजरने वाले वाहन चालकों को बड़ी राहत मिली है।

अंडरपास शुरू होने से पहले चार मूर्ति चौक पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती थी। बृहस्पतिवार को ट्रायल के लिए अंडरपास खुलते ही यातायात का नजारा बदला हुआ दिखाई दिया और वाहन बिना रुके गुजरते नजर आए। इससे न केवल



जाम की समस्या कम होगी, बल्कि वाहनों के ईंधन की खपत और प्रदूषण में भी कमी आएगी। 130 मीटर और 60 मीटर सड़क से गौड़ सिटी तथा तिगड़ी गोलचक्कर होते हुए गाजियाबाद जाने वाले वाहन चालकों को अब हिंडन पार कर यू-टर्न लेकर वापस नहीं आना पड़ेगा। इससे उनकी लगभग डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी बचेगी। अनुमान है कि इस चौराहे से प्रतिदिन करीब 50 हजार वाहन गुजरते हैं और ईंधन की बचत से सालाना लगभग 35 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार ने अंडरपास निर्माण में सहयोग देने के लिए ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों का आभार जताया और निर्माण कार्य में लगी प्राधिकरण की टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट और ग्रेटर नोएडा में जहां भी यातायात संबंधी समस्याएं हैं, उन्हें दूर करने के लिए लगातार काम कराया जाएगा।

प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने उप महाप्रबंधक विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर और अन्य अधिकारियों के साथ अंडरपास तथा आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने यातायात को और व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि ट्रायल के दौरान किसी तरह की समस्या सामने आने पर उसे तत्काल दुरुस्त कराया जाएगा। अंडरपास का निर्माण 15 फरवरी 2025 को शुरू हुआ था और 30 अक्टूबर 2026 को पूरा कर लिया गया। लगभग 99 करोड़ रुपये की लागत से बने इस अंडरपास की लंबाई करीब 720 मीटर है। यह 60 मीटर सड़क के समानांतर बनाया गया है और दिसंबर 2026 की निर्धारित समय सीमा से पहले ही तैयार हो गया है।

गाजियाबाद में ₹152 करोड़ का बुनकर मार्ट अब बनेगा 'विश्वकर्मा एक्सपो सेंटर', सीएम योगी ने दिए निर्देश

मधुबन-बापूधाम में 38,340 वर्गमीटर में बनकर तैयार हुआ भव्य परिसर, अगले माह लोकार्पण की तैयारी



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा

"इस केंद्र का स्वरूप केवल बुनकरों तक सीमित न रखकर इसे पूरे प्रदेश के शिल्पकारों और पारंपरिक हुनरमंदों के लिए एक साझा मंच बनाया जाए। प्रदेश के हर जिले के विशिष्ट उत्पादों, खासकर ओडीओपी से जुड़े कारीगरों को यहां प्रदर्शन, बिक्री और ब्रांडिंग का समुचित अवसर मिलना चाहिए। इससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी, कारीगरों की आय बढ़ेगी और 'लोकल टू ग्लोबल' की संकल्पना को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी।"



जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने कहा

"मधुबन-बापूधाम में करीब ₹152 करोड़ की लागत से तैयार इस विश्वस्तरीय परिसर का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री के निदेर्शों के अनुरूप अब इसे 'विश्वकर्मा एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर' के बहुउद्देशीय स्वरूप में ढाला जा रहा है। यहां लकड़ी, धातु, टेराकोटा, चिकनकारी और कालीन जैसे पारंपरिक शिल्पों के लिए अलग-अलग ब्लॉक निर्धारित किए जाएंगे। आगामी माह में मुख्यमंत्री द्वारा इसके भव्य लोकार्पण की पूरी तैयारी है।"



आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मधुबन-बापूधाम योजना में लगभग ₹152 करोड़ की लागत से तैयार अत्याधुनिक बुनकर मार्ट अब प्रदेशभर के शिल्पकारों और कारीगरों के लिए एक बड़ा हब बनेगा। गाजियाबाद दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परियोजना की समीक्षा के बाद इसका दायरा बढ़ाते हुए इसे 'विश्वकर्मा एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर' के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं। अब यह परिसर केवल बुनकरों तक सीमित न रहकर प्रदेश के सभी जनपदों की हस्तकला, पारंपरिक शिल्प और 'एक जनपद-एक उत्पाद' (ओडीओपी) से जुड़े कारीगरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का मंच उपलब्ध कराएगा।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा 38,340 वर्गमीटर क्षेत्र में निर्मित इस परियोजना का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। यह केंद्र ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से करीब 6 किलोमीटर और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे दिल्ली-एनसीआर सहित अन्य राज्यों से आने वाले खरीदारों और व्यापारियों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।

परिसर में उपलब्ध आधुनिक सुविधाएं

- **560 सीटों की क्षमता वाला आधुनिक ऑडिटोरियम**
- **बड़े एक्सपो व कन्वेंशन हॉल, कॉन्फ्रेंस रूम और प्रदर्शनी गैलरी**
- **ओपन बुनकर मार्ट दुकानें एवं फूड कोर्ट**
- **सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए ओपन थिएटर**
- **कारीगरों के ठहरने के लिए 10 रेजिडेंस यूनिट्स**
- **लगभग 1,000 वाहनों के लिए विशाल पार्किंग व्यवस्था**

विदुर कुटी में पांच दिन गूंजेगा गंगा मैया का जयकारा, 20 नवंबर से शुरू होगा कार्तिक पूर्णिमा मेला



बिजनौर (शिखर समाचार)। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए उमड़ने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस वर्ष 20 नवंबर से 24 नवंबर तक दारानगर गंज स्थित ऐतिहासिक विदुर कुटी घाट पर पांच दिवसीय कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही जनपद के बालावाली, नांगल, जलालपुर घाट, गंगा बैराज, भूतपुरी और खो बैराज सहित अन्य प्रमुख गंगा घाटों पर भी मेले आयोजित होंगे। पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने व्यवस्थाओं को समय से पूरा कराने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

जिलाधिकारी ने जनपद के सभी गंगा स्नान मेलों की व्यवस्था और निगरानी के लिए अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित को वरिष्ठ मेला प्रभारी नियुक्त किया है। उनके निर्देशन में संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ मेला स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएंगे। प्रशासन का उद्देश्य है कि गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रका की असुविधा का सामना न करना पड़े और सभी आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हों।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी मेला स्थलों पर पर्याप्त प्रशासनिक और पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर विभागीय स्तर पर समन्वय बनाकर समय रहते तैयारियां पूरी की जाएं। प्रमुख घाटों पर व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों को अपनी तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर विदुर कुटी घाट सहित जनपद के विभिन्न गंगा घाटों पर श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी मेलों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे।

बजाज चीनी मिल के नए पेराई सत्र का शुभारंभ, किसानों के हितों और बेहतर तालमेल पर दिया जोर



बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बजाज चीनी मिल भैंसाना के पेराई सत्र 2026-27 का गुरुवार को हवन-पूजन के साथ विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गन्ना समिति के चेयरमैन निर्भय सहरावत और राष्ट्रीय लोकदल के नेता राजेंद्र राठी ने संयुक्त रूप से गन्ना यार्ड में नारियल फोड़कर तथा गन्ना यार्ड में गन्ना डालकर पेराई कार्य की शुरूआत की। नए पेराई सत्र के शुभारंभ को लेकर किसानों और मिल कर्मचारियों में उत्साह दिखाई दिया।

कार्यक्रम में गन्ना समिति चेयरमैन निर्भय सहरावत ने कहा कि किसानों की मेहनत और चीनी मिल प्रबंधन के आपसी तालमेल से ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव है। किसानों और मिल के बीच बेहतर समन्वय रहने से गन्ना उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि गन्ना समिति किसानों के हितों की रक्षा करने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है।

चीनी मिल के इकाई प्रमुख चंदरवीर सिंह ने कहा कि नए पेराई सत्र में मिल प्रबंधन का उद्देश्य किसानों और कर्मचारियों के सहयोग से उत्कृष्ट उत्पादन सुनिश्चित करना है। इसके लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने किसानों से साफ-सुथरा और गुणवत्तापूर्ण गन्ना मिल में लाने की अपील की, ताकि पेराई कार्य सुचारु रूप से चलता रहे। शुभारंभ के अवसर पर पहली गन्ने की बुग्गी लेकर मिल पहुंचने वाले किसान को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एससीडीआई संजय सिंह, अधिवक्ता अनुज बच्चस, पूर्व प्रधान विकास त्यागी और सुशील सैनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

योगी की हुंकार से गूंजा राजनगर एक्सटेंशन, हजारों की भीड़ के साथ निकली लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा, विपक्ष पर साधा तीखा निशाना





गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राजनगर एक्सटेंशन गुरुवार को उत्तर प्रदेश की सियासत का बड़ा केंद्र बन गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक उमड़ पड़े। हाथों में तिरंगा और भाजपा के झंडे लिए लोगों के हुजूम ने पूरे क्षेत्र को राजनीतिक उत्साह से सराबोर कर दिया। भगवा वस्त्रों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं पदयात्रा की अगुवाई करते नजर आए। इस दौरान उनके साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कदमताल करते दिखाई दिए। राजनगर एक्सटेंशन स्थित केडब्ल्यू दिल्ली-6 मॉल के निकट आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने कार्यकताओं और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इसके बाद सृष्टि गोलचक्कर से शुरू हुई पदयात्रा करीब 1400 मीटर का सफर तय करते हुए गोल्डन व्यू रिसॉर्ट तक पहुंची। पदयात्रा के दौरान तिरंगे और भाजपा के झंडों से पूरा मार्ग पट गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे कार्यकताओं की भागीदारी ने कार्यक्रम को व्यापक स्वरूप प्रदान किया। भाजपा की ओर से इस आयोजन में करीब 50 हजार लोगों की भागीदारी का अनुमान जताया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में आपातकाल लगाने वाले लोग आज लोकतंत्र पर ज्ञान दे रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी की राजनीति पर भी निशाना साधा। मुख्यमंत्री के संबोधन में विपक्ष की राजनीति और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर भाजपा का पक्ष प्रमुखता से सामने आया। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे। दो हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती, बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा और मार्गों पर यातायात प्रतिबंध लागू किए गए। पदयात्रा के जरिए भाजपा ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक ताकत और संगठनात्मक एकजुटता का प्रदर्शन किया। राजनगर एक्सटेंशन का यह आयोजन गाजियाबाद में दिनभर राजनीतिक चर्चा का केंद्र बना रहा।

रोशनी से जगमगाए शहर के प्रमुख चौराहे, नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने किया स्ट्रीट लाइटों का लोकार्पण



बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर के विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में नगर पालिका परिषद की ओर से एक और पहल की गई है। शहर के स्टेशन रोड चौक, नजीबाबाद मार्ग बस स्टैंड और मारे चौराहे पर नई स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। गुरुवार को नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने आयोजित कार्यक्रम में विधि-विधान के साथ इन लाइटों का लोकार्पण किया। नई लाइटें चालू होने से संबंधित क्षेत्र रोशनी से जगमगा उठे और स्थानीय लोगों ने इस पहल पर खुशी जताई। यह कार्य वार्ड सभासद परिणीता सिंह और ठाकुर अमित के वार्डों में कराया गया है। लंबे समय से इन क्षेत्रों में रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण राहगीरों और स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। लोकार्पण समारोह का संचालन सेवानिवृत्त लिपिक कृपाल सिंह ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने कहा कि नगर का सर्वांगीण विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। नजीबाबाद मार्ग के संबंधित हिस्से में अंधेरा रहने से आवागमन करने वाले लोगों को असुविधा होती थी। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए आधुनिक स्ट्रीट लाइटें लगवाई गई हैं। इससे रात के समय आवागमन आसान होने के साथ क्षेत्र में सुरक्षा की भावना भी मजबूत होगी। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के पश्चिम उत्तर प्रदेश के नेता डॉ. बीरबल सिंह, अभिषेक सिंह, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह, अवर अभियंता गौरव शर्मा, कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह, कर निरीक्षक सुंदर लाल और सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी मौजूद रहे। इसके अलावा पालिका के अन्य अधिकारी-कर्मचारी तथा वार्डों के गणमान्य नागरिक और स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे।

नमक की बोरियों की आड़ में चल रही थी शराब तस्करी, 327 पेटियां बरामद कर पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा



बिजनौर (शिखर समाचार)। अवैध शराब की तस्करी करने वालों ने पुलिस से बचने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। ट्रक में ऊपर से नमक की बोरियां लाद दी गईं, जबकि उनके नीचे चंडीगढ़ निर्मित अंग्रेजी शराब की सैकड़ों पेटियां छिपाकर रखी गई थीं। चांदपुर पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान तस्करी के इस खेल का पदार्फाश करते हुए 327 पेटियां अवैध शराब बरामद की हैं। पुलिस ने ट्रक चालक और परिचालक को गिरफ्तार कर वाहन भी कब्जे में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार, चार नवंबर को बवनपुरा पुलिस चौकी पर बैरियर लगाकर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान ट्रक संख्या यूपी 53 ईटी 8866 को रोककर तलाशी ली गई। शुरूआत में ट्रक में नमक की बोरियां लदी दिखाई दीं, लेकिन गहन तलाशी लेने पर इनके नीचे शराब की पेटियां छिपाकर रखे जाने का खुलासा हुआ। टीम ने नमक के 650 कट्टों को हटाकर जांच की तो चंडीगढ़ निर्मित अंग्रेजी शराब की 327 पेटियां बरामद हुईं।

संयुक्त टीम ने मौके से ट्रक चालक अनिल कुमार पांडेय निवासी गोपालगंज, बिहार और परिचालक शीशपाल कुशवाहा निवासी कुशीनगर, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, शराब की खेप बिहार ले जाई जा रही थी, जहां इसे बेचने की योजना थी। आरोपियों ने नमक की बोरियों की आड़ में शराब को छिपाकर पुलिस की निगाहों से बचाने का प्रयास किया था। पुलिस अब इस तस्करी के पीछे सक्रिय नेटवर्क और शराब की खेप के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस अवैध कारोबार में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। चांदपुर क्षेत्र में संयुक्त टीम की इस कार्रवाई को अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा प्रशासन, मतदान केंद्रों की सुविधाओं का होगा सत्यापन



शामली (शिखर समाचार)। आगामी विधानसभा चुनाव-2027 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेटों की बैठक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी जिम्मेदारियों, मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी आलोक यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के मतदान केंद्रों का भ्रमण कर वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का भौतिक सत्यापन करें। मतदान केंद्रों पर पेयजल, बिजली, शौचालय और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए रैंप की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिन केंद्रों पर व्यवस्थाओं में कमी मिले, उन्हें समय रहते दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

जिलाधिकारी ने बताया कि 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान के दौरान सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के साथ ही सूची को त्रुटिरहित बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से अभियान को गंभीरता से संचालित करने और पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल कराने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. अमित मलिक ने अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, वीएम-2 प्रपत्र के उपयोग तथा निर्वाचन से संबंधित विभिन्न जिम्मेदारियों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में अपर जिलाधिकारी सत्येंद्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रमोद कुमार सहित सभी संबंधित सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

अवैध आतिशबाजी के खिलाफ पुलिस का शिकंजा, पटाखों के साथ एक आरोपी गिरफ्तार



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दीपावली एवं त्योहारों के मद्देनजर अवैध आतिशबाजी के भंडारण और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए गाजियाबाद पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध आतिशबाजी पटाखों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध आतिशबाजी पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध रूप से पटाखों के भंडारण और कारोबार पर रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी पटाखे कहां से लेकर आया था और इनके भंडारण एवं बिक्री में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं।

गणित प्रतियोगिता में अनुषा चौधरी ने लहराया परचम, बनीं शामली की जिला चैंपियन



शामली (शिखर समाचार)। सिप जिला गणित प्रतियोगिता में शहर के स्कॉटिश स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा तीन की छात्रा अनुषा चौधरी ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर जिला गणित चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है। विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। अनुषा चौधरी को जिला स्तर पर शानदार प्रदर्शन के लिए 36 इंच की विशेष ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा विद्यालय के छह अन्य विद्यार्थियों ने भी जिले के शीर्ष दस स्थानों में जगह बनाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इनमें कक्षा छह की हर्षिता सिंह, कक्षा पांच की माही, कक्षा चार के आर्यवेदांत, आराध्या, आद्या संगल और वान्या गुप्ता तथा कक्षा तीन के यजुर शामिल रहे। इस अवसर पर सिप एबेकस इंटरनेशनल की निदेशक डॉ. मृदुला जैन ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि गणित बच्चों में एकाग्रता, तार्किक क्षमता, आत्मविश्वास और त्वरित निर्णय लेने की योग्यता विकसित करता है। विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने सभी बच्चों को भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य ने भी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियां अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं।

निष्काम भवन में 43वीं देह आरोग्यता अरदास का आयोजन, बच्चों के साथ मनाई गई दीपावली



मोदीनगर (शिखर समाचार)। निष्काम सेवक जत्था समिति द्वारा गोविंदपुरी स्थित निष्काम भवन में प्रत्येक माह होने वाली 43वीं मासिक देह आरोग्यता अरदास का आयोजन श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया। दीपावली सप्ताह को समर्पित इस विशेष आयोजन में सैकड़ों बच्चों को आमंत्रित कर अरदास में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की गई, ताकि उन्हें इसके आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराया जा सके। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को देह आरोग्यता अरदास के उद्देश्य से परिचित कराते हुए बताया गया कि इसमें मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की जाती है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों में सेवा, संवेदना और मानवता के प्रति जिम्मेदारी की भावना जागृत करना था। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मोदीनगर कोमल पंवार ने भी निष्काम भवन पहुंचकर बच्चों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और समिति के इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में एहसास महिला समिति की सदस्यों ने विशेष रूप से भाग लेते हुए बच्चों के बीच दीप सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया। बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए सुंदर दीप सजाए और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों को उनके उत्साहवर्धन के लिए प्रशस्ति पत्र और दीपावली के उपहार भेंट किए गए। समितियों के पदाधिकारियों ने बताया कि ये बच्चे एहसास महिला समिति के समर कैंप का हिस्सा रहे हैं, जिन्हें रचनात्मक गतिविधियों और सकारात्मक जीवन मूल्यों से जोड़ा जाता है। निष्काम सेवक जत्था समिति और एहसास महिला समिति का यह संयुक्त प्रयास बच्चों में प्रेम, सद्भाव और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की एक सार्थक पहल साबित हुआ।

दुर्घटनाओं का सबब बना शहरी पुल चौराहे का कट बंद, लोगों ने ली राहत की सांस

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। दिल्ली-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर नगर के शहरी पुल स्थित चौराहे के डिवाइडर में बने कट को बंद किए जाने से स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से यह कट सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बना हुआ था। यहां से गुजरने वाले वाहनों के आमने-सामने आने और अचानक मुड़ने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती थीं। इस समस्या को लेकर नगरवासियों और आसपास के ग्रामीणों ने कई बार कट बंद कराने की मांग उठाई थी। बताया जाता है कि शुरूआत में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से इस चौराहे पर डिवाइडर में कोई कट नहीं बनाया गया था। बाद में नगर और देहात क्षेत्र के लोगों की मांग पर क्षेत्रीय भाजपा विधायक देवेंद्र निम ने जिलाधिकारी सहारनपुर से संपर्क कर यहां कट खुलवाया था। हालांकि, समय बीतने के साथ यह कट दुर्घटनाओं की वजह बनने लगा। लगातार हादसों के चलते स्थानीय लोगों ने इसे बंद कराने के लिए आवाज बुलंद की। इस मामले में स्थानीय नागरिकों की मांग पर विधायक देवेंद्र निम ने भी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से संपर्क कर कट बंद कराने के लिए पहल की। इसके बाद अब चौराहे के डिवाइडर में बने कट को बंद कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इस स्थान पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं का मामला देश और प्रदेश के समाचार पत्रों में भी प्रमुखता से प्रकाशित होता रहा है। कट बंद होने के बाद नागरिकों को उम्मीद है कि इस चौराहे पर दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आएगी और हाईवे पर आवागमन अधिक सुरक्षित होगा। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को जनहित में उठाया गया जरूरी कदम बताते हुए संतोष जताया है।

गाजियाबाद नगर निगम
(I.S.O. 14001, 18001 एवं 19001 प्रमाणित संस्था)

पत्रांक 142/निर्माण/2026-27 दिनांक: 05.11.2026

ई-टेण्डर निविदा सूचना

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विभिन्न निर्माण कार्य हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रिक्योरमेन्ट की वेबसाइट **http://etender.up.nic.in** से प्राप्त किया जा सकता है, उक्त निविदा हेतु 03 प्रतिशत की धरोहर धनराशि एवं निविदा शुल्क (नॉन रिफन्डेबिल) बेबसाईट **https://etender.up.nic.in** पर जमा करना अनिवार्य होगा।

ऐसे निविदादाता/फर्म जो नगर निगम गाजियाबाद में पंजीकृत नही है, के लिए शासनादेश संख्या-3890/नौ-5-19-149सा/2019 दिनांक 20.09.2019 के आलोक में निविदादाता को चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, समान कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र तथा जी.एस.टी. नम्बर वेबसाइट पर आपलोड करना आवश्यक होगा।

विस्तृत निविदा सूचना/नियम व शर्ते **http://etender.up.nic.in** पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियन्ता, गाजियाबाद नगर निगम

संक्षिप्त समाचार

पानी से बाल्टी खाली अन देखी से ग्रामीणों में गुस्सा भरा



आगरा , एजेंसी। रायभा गांव की नगला बघेल बस्ती पेयजल समस्या का समाधान नहीं होने से बुधवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। खाली बाल्टियां लेकर गांववाले किरावली तहसील मुख्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए। किसान मजदूर नेता चौधरी दिलीप सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे लोगों को एसडीएम ने आश्वासन देकर शांत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि उनकी ग्रामसभा रायभा में टंकी बनी हुई है। इसके बाद भी उनकी बस्ती को तीन किलोमीटर दूर गोपऊ से पानी की आपूर्ति के लिए जोड़ दिया गया है। दूर होने के कारण गोपऊ की टंकी में प्रेशर कम रहता है। इसके कारण कभी-कभी ही पानी मिल पाता है। लोगों को घर से दूर लगे दूसरों के सबमर्सिबल पंप से पानी भरकर लाने की मजबूरी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों के धरने पर एसडीएम किरावली अभिनव पाठक और तहसीलदार दीपांकर पहुंचे। एसडीएम ने जल्द पानी की समस्या दूर कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद लोग मानें। धरना समाप्त करने से पहले ग्रामीणों ने तीन सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। इसमें पानी की समस्या दूर किए जाने के अलावा सिंगारपुर-जाजऊ मोड़ स्थित गूंगाशाह वाले बाबा की मजार के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन को शिफ्ट करने और किरावली-अछनेरा मार्ग के चौड़ीकरण के दौरान बागकलां की पुलिया को भी चौड़ा किए जाने की मांग रखी। इस मौके पर सभासद गुलाब देवी, सत्यवीर सिंह चाहर, मुकेश सविता, गंगाराम माहौर, नेत्रपाल बघेल, केशव बघेल, अतर सिंह, कलावती, माया देवी, सुमन सिकरवार, भूदेवी और सूपो देवी आदि मौजूद रहीं। बृहस्पतिवार को तहसील में जल निगम और नमामि गंगे के अभियंताओं को बुलाया गया है। उनके साथ ग्रामीणों की बैठक कराई जाएगी, जिससे रायभा के नगला बघेल बस्ती की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके। - अभिनव पाठक, एसडीएम किरावली

ऊर्जा संकट, जातीय जनगणना और राजनीति के अपराधी करण पर युवाओं नेकी बहस

वाराणसी , एजेंसी। सेंट्रल हिंदू बॉयज स्कूल कमच्छा में बुधवार को दो दिवसीय इंटर स्कूल यूथ पार्लियामेंट प्रतिध्वनि 2026 का शुभारंभ हुआ। इसमें वाराणसी के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी ऊर्जा संकट, जातीय जनगणना और राजनीति के अपराधीकरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। प्राचार्या डॉ. स्वाति अग्रवाल के मार्गदर्शन और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सीमा सिंह ने किया। मुख्य अतिथि आर्य महिला पीजी कॉलेज की सहायक प्रोफेसर अनीता सिंह ने विद्यार्थियों को निडर होकर अपनी बात रखने को प्रेरित किया। यूथ पार्लियामेंट में चार अलग-अलग समितियों के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखेंगे। एआईपीपीएम समिति ने सामाजिक न्याय के लिए जाति जनगणना, सकारात्मक कार्रवाई और आरक्षण नीति पर मंथन किया। यूपीएलए समिति राजनीति के अपराधीकरण पर केंद्रित है। इंडियन प्रेस समिति पत्रकारिता और फोटोग्राफी से जुड़े मुद्दों पर विचार कर रही है। दो दिवसीय आयोजन का समापन बृहस्पतिवार को दोपहर 3:30 बजे पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। सिविल जज राजीव समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

अस्वच्छ माहौल में बन रही थी सोनपापड़ी, 1.04 लाख की 1302 किलो जब्त

वाराणसी , एजेंसी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बुधवार को मिलावट के खिलाफ कार्रवाई की। विभाग ने सात खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान 1302 किलो सोनपापड़ी जब्त की गई। यह कार्रवाई आगामी दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के मद्देनजर की गई। इसका उद्देश्य आम जनता को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय कौशलेंद्र शर्मा के निर्देश पर अभियान चलाया गया।

कभी भी प्रवेश कर रही बड़े वाहन, पुलिस की पूरी-पूरी शह! इसलिए नहीं लग पा रही रोक

आगरा , एजेंसी। हाईवे पर ही नहीं शहर के अंदर भी भारी वाहनों से हादसे हो रहे हैं। नो एंट्री के समय पुलिस की शह पर वाहन अंदर प्रवेश करते हैं। थाने और चौकियों के सामने से गुजरने के बावजूद इन पर कोई रोक-टोक नहीं है। समाजसेवी शक्ति सिंह का कहना है कि शहर का कोई ऐसा इलाका नहीं जहां पर भारी वाहन दिन में भी प्रवेश न कर रहे हों। आवास विकास कॉलोनी में दिनभर ईंट, मिट्टी, रेत से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली, ट्रक चलते रहते हैं। सुबह से लेकर शाम तक इन वाहनों को कोई पुलिसकर्मी रोकता नहीं है। कई बार



हादसों के बाद भी अफसर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। बोदला रोड पर ईंट मंडी खुलेआम चल रही है। सेक्टर-7 और 11 में बालू बिक्री की दुकान है। इनसे ट्रैक्टर ट्रॉली और ट्रक दिन में ही निकलने लगते हैं। कोठी मीना बाजार तक जाते हैं। इन पर पुलिस भी कोई रोक नहीं लग पा रही है। इसी तरह मेट्रो और सीएम ग्रिड के कार्य में लगे ट्रैक्टर ट्रॉली, ट्रक और डंपर भी शहर में कई जगह प्रवेश कर रहे हैं। इस पर संबंधित विभाग के साथ ही पुलिस का भी ध्यान नहीं है। स्कूलों के खुलने और छुट्टी के समय भी इनके निकलने से जान का खतरा बढ़ गया है।

लोक निर्माण विभाग के डंपर ने सदर क्षेत्र में प्रवेश किया, जिससे बुधवार को हादसा हुआ। सवाल उठ रहा है कि क्या विभाग ने कोई अनुमति ली थी या नहीं। रात 11 बजे के बाद ही शहर में भारी वाहन प्रवेश कर सकते हैं। सुबह 5 बजे तक नो एंट्री खुली रहती है। इसके बाद शहर में वाहनों का प्रवेश नहीं होना चाहिए। इसके बावजूद नियम का पालन नहीं हो रहा है।

हादसों के बाद लोग कर चुके हैं हंगामा–कई साल पहले आवास विकास कॉलोनी में ईंट से लदे एक ट्रक की चपेट में आकर स्कूली छात्रा का पैर कट गया था। इस घटना के बाद लोगों ने हंगामा किया। आबादी वाले क्षेत्र में भारी वाहनों के निकलने पर सवाल खड़े किए थे। एक महीने पहले आरबीएस कॉलेज के पास नगर निगम के वाहन की चपेट में आने से दो छात्र घायल हो गए थे। इस घटना के बाद छात्रों ने हंगामा किया।

एडीसीपी ट्रैफिक अलका सिंह ने बताया कि डंपर लोक निर्माण विभाग का बताया गया है। इसके पास अनुमति थी या नहीं, इसकी जानकारी की जा रही है। संबंधित विभाग से जवाब-तलब किया जाएगा। नो एंट्री में कहीं भारी वाहनों का प्रवेश हो रहा है तो कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं के हुनर को मिला बाजार कमिश्नरी में सजा सरस मेला

आगरा , एजेंसी। ग्रामीण महिलाओं के हुनर को बाजार मिला। उनके बनाए उत्पादों की बिक्री के लिए बुधवार को कमिश्नरी परिसर में जिलास्तरीय सरस मेले का शुभारंभ हुआ। मंडलायुक्त ओपी आर्य ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया।उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आयोजित मेले में विभिन्न विकास खंडों के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए हैं।मेले में दीपावली की सजावट के सामान से लेकर मसाले, अचार, कपड़े और पूजा सामग्री तक उपलब्ध हैं। महिलाओं ने घरेलू जरूरतों से जुड़े कई हस्तनिर्मित उत्पाद भी बिक्री के लिए रखे हैं। मंडलायुक्त ने मेले में लगे स्टॉलों का निरीक्षण किया और महिलाओं के हुनर की सराहना की।उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर मंच मिलता है। इससे उनकी आमदनी बढ़ती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि दीपावली पर स्वदेशी और स्थानीय उत्पाद खरीदें। वोकल फॉर लोकल को अपनाकर ग्रामीण महिलाओं का उत्साह बढ़ाएं।मेले में विकास स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने दीपावली की सजावट से लेकर घरेलू उपयोग की वस्तुओं तक के स्टॉल लगाए हैं। सरस मेले के माध्यम से महिलाओं को अपने उत्पादों की पहचान बनाने और सीधे ग्राहकों तक पहुंचने का अवसर मिल रहा है।इस दौरान जेडीसी मंशाराम यादव, जेडी कृषि, डीडी दिव्यांगजन, उपायुक्त एनआरएलएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं मौजूद रहीं।

दिवाली से पहले अलीगढ़ की हवा ने तोड़े प्रदूषण के रिकॉर्ड, एक्यूआई 648 पर पहुंचा

आगरा , एजेंसी। दिवाली की रौनक के बीच अलीगढ़ की हवा में जहर घुलने लगा है। शहर की आबोहवा लगातार बिगड़ रही है। बुधवार सुबह प्रदूषण ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया कि अलीगढ़, दिल्ली के बाद देश में दूसरे सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हो गया।

सुबह 10 बजे शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 648 तक पहुंच गया। यह स्तर हवा की बेहद गंभीर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि शाम होते-होते एक्यूआई में कुछ गिरावट आई और यह 348 पर आ गया।



वायु प्रदूषण की इस खतरनाक स्थिति का असर सड़कों पर भी नजर आने लगा है। शहर में जहां निर्माण कार्य चल रहे हैं और धूल का गुबार उड़ रहा है, वहां से गुजरना लोगों के लिए मुश्किल हो रहा है। हवा में मौजूद धूल और प्रदूषित कणों के चलते लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिवाली से पहले ही हालात चिंताजनक हो गए हैं।

नवंबर का महीना इस साल अब तक सबसे प्रदूषित साबित हो रहा है। एक्यूआई के आंकड़े उपलब्ध कराने वाली वेबसाइट एक्यूआई डॉट इन के मुताबिक नवंबर की शुरुआत में ही महीने का औसत एक्यूआई 348 दर्ज किया गया है। इससे पहले के महीनों की तुलना में यह स्थिति ज्यादा खराब है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी विश्वकर्मा शर्मा का कहना है कि इस मौसम में वातावरण में नमी कम होने लगती है। इसके चलते धूल का प्रभाव बढ़ जाता है और हवा की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

उन्होंने बताया कि अलीगढ़ में वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए एएमयू के मापन आंकड़ों पर निर्भर रहना पड़ता है। शहर में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अपना वायु गुणवत्ता मापन स्टेशन नहीं है।

कार्यकर्ताओं की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं, जन प्रतिनिधियों पर पार्टी की मजबूत निगरानी

गोरखपुर , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को एनेक्सी में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग संवाद में पार्टी और सरकार की कार्यप्रणाली से जुड़े कई सवालों का सामना करना पड़ा। कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, टिकट वितरण का आधार और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही से लेकर सूक्ष्म उद्योगों को बैंक से कर्ज नहीं मिलने तक के मुद्दे उठे। प्रबुद्धजनों ने आयुष्मान कार्ड में परिवार के सदस्यों की संख्या की बाध्यता खत्म करने, अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग भी की। नितिन नवीन ने सवालों के जवाब में पार्टी की प्राथमिकताएं और सरकार के प्रयास गिनाए। डॉ. अमित सिंह ने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का मुद्दा उठाते हुए उनकी समस्याओं पर ध्यान देने की बात कही। इस पर नितिन नवीन ने स्पष्ट कहा कि कार्यकर्ताओं की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा। वहीं, डॉ. जितेंद्र मिश्र ने चुनाव में टिकट वितरण का आधार और जनप्रतिनिधियों के कामकाज की निगरानी का तरीका पूछा। जवाब में नितिन नवीन ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के कामकाज पर पार्टी की नजर रहती है। इसके लिए पार्टी का वॉच टॉवर काफी मजबूत है।चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े डॉ. वाई. सिंह ने अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा का सवाल उठाया। उन्होंने मरीजों के परिजन की ओर से होने वाली घटनाओं पर चिंता जताते हुए अस्पतालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की। फिल्मों के जरिये चिकित्सकों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का मुद्दा भी उठाया। इस पर नितिन नवीन ने कहा कि काम के दबाव के बावजूद डॉक्टरों में संवेदनशीलता और नैतिक कार्य संस्कृति जरूरी है।चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष एसके अग्रवाल ने सूक्ष्म उद्योगों को बैंकों से ऋण मिलने में आ रही दिक्कतों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक रोजगार देने वाले इस क्षेत्र को बैंकिंग व्यवस्था में सहूलियत मिलनी चाहिए। जवाब में नितिन नवीन ने कहा कि छोटे उद्योगों की समस्याएं दूर की जाएंगी। एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 20 हजार करोड़ रुपये का सहयोग दिया गया है।डॉ. एके चतुर्वेदी ने आयुष्मान कार्ड के लिए परिवार के सदस्यों की संख्या को बाध्यता नहीं बनाने का सुझाव दिया, ताकि छोटे परिवार भी योजना के लाभ से वंचित न रहें। नितिन नवीन ने कहा कि आयुष्मान योजना का लाभ छोटे परिवारों तक पहुंचाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, डॉ. कौस्तुभ नारायण मिश्र ने जेन-जी को संस्कारित करने की जरूरत बताई। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हमारे लिए सभी युवा हैं। शांभवी नंदन पांडेय ने अधिवक्ताओं की ओर से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग उठाई। इस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अधिवक्ताओं को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की तैयारी की बात कही। नितिन नवीन ने गोरखपुर में बुनियादी ढांचे के विकास और बेहतर सड़क व रेल संपर्क की सराहना करते हुए कहा कि पार्टी ने गोरखपुर को मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष दिया है। अब उन्हें यहां की जनता का स्नेह और आशीर्वाद चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने की। संचालन क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं संवाद संयोजक राजेश गुप्ता ने किया। अंत में प्रदेश महामंत्री एवं गोरखपुर क्षेत्र प्रभारी अभिजात मिश्रा ने आभार जताया। इस दौरान महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केआरसी रेड्डी, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह, क्षेत्रीय मंत्री बृजेश राम त्रिपाठी सहित चिकित्सा, अधिवक्ता, व्यवसाय और उद्योग जगत से जुड़े लोग मौजूद रहे।

धनतेरस-दीपावली पर मेरठ परिक्षेत्र में 5000 पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा की कमान

मेरठ (शिखर समाचार)। धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैयादूज के त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र पुलिस ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। परिक्षेत्र के सभी जनपदों में कुल 5000 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा दो कंपनी पीएसी भी सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगी। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने बताया कि बाजारों, सराफा प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों, प्रमुख चौराहों, मेलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी।

सुरक्षा के दृष्टिगत परिक्षेत्र में 128 संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थान चिह्नित किए गए हैं। इनकी निगरानी के लिए 24 जोन, 81 सेक्टर और 64 त्वरित कार्रवाई दल गठित किए गए हैं। पुलिस बल में सात अपर पुलिस अधीक्षक, 26 क्षेत्राधिकारी, 98 निरीक्षक, 902 उपनिरीक्षक, 1335 मुख्य आरक्षी, 1705 आरक्षी तथा 883 होमगार्ड और प्रांतीय रक्षक दल के जवान शामिल हैं।



त्योहारों के दौरान परिक्षेत्र में नौ मेले भी आयोजित होंगे। इनमें मेरठ में एक, बुलंदशहर में पांच और बागपत में तीन मेले प्रस्तावित हैं। पुलिस ने आयोजकों, संचालकों, शांति समितियों, धर्मगुरुओं और संभ्रांत नागरिकों के साथ 123 बैठकें तथा नगर निगम, स्वास्थ्य, विद्युत सहित अन्य विभागों के साथ 105 समन्वय बैठकें आयोजित की हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक ने अधिकारियों को प्रमुख बाजारों और सराफा प्रतिष्ठानों में पैदल गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच करने तथा चोरी, झपटमारी और टप्पेबाजी जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए आवश्यकतानुसार मार्ग परिवर्तन और पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। महिला सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ मिशन शक्ति और एंटी रोमियो दलों को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त यूपी-112 के वाहन, थाना मोबाइल और राजमार्ग मोबाइल संवेदनशील स्थानों पर तैनात रहेंगे। पटाखों की दुकानों पर सुरक्षा मानकों का पालन कराने के साथ अग्निशमन, स्वास्थ्य, विद्युत और नगर निगम विभागों को भी सतर्क रहने को कहा गया है। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों और धार्मिक स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। पुलिस अधिकारियों को अफवाह फैलाने वाली और भड़काऊ सामग्री पर सामाजिक माध्यमों के जरिए नजर रखने तथा दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी निभाने तथा आमजन के साथ सहयोगात्मक व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि सभी त्योहार शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हो सकें।

चीन पर दुनिया की निर्भरता घटने से भारत के लिए खुलेंगे निवेश के नए रास्ते

गोरखपुर , एजेंसी। वैश्विक कंपनियां अब चीन पर अपनी निर्भरता कम कर रही हैं। चीन के विकल्प के रूप में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता से निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। सस्ती श्रमशक्ति, कुशल तकनीकी विशेषज्ञ और विशाल उपभोक्ता बाजार भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। बुधवार को दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन पर विशेषज्ञों ने यह बात कही।भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए), नई दिल्ली और कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से %%%%ग्लोबल सप्लाई चेन्स एंड इंडियन फॉरेन पॉलिसी%%%% विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रो. रिपुसूदन सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद चाइना प्लस वन रणनीति के तहत कंपनियों ने चीन के अलावा भारत, वियतनाम, मलयेशिया और इंडोनेशिया में भी उत्पादन इकाइयां स्थापित करना शुरू किया। भारत के पास बड़ा बाजार है।उन्होंने कहा कि भारत को भी ऊर्जा और जरूरी कच्चे माल के आयात के स्रोतों में विविधता लानी होगी। उन्होंने कहा कि भारत ने गुटनिरपेक्षता से आगे बढ़कर मल्टी-अलाइनमेंट और स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी की नीति अपनाई है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. तेज प्रताप सिंह ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में किसी एक देश में पूरा उत्पाद तैयार नहीं होता। उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता का अर्थ हर वस्तु का देश में ही उत्पादन करना नहीं है। उन्होंने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के हथियारीकरण पर चिंता जताते हुए कहा कि अब व्यापारिक निर्भरता का इस्तेमाल देशों के बीच दबाव बनाने के लिए भी किया जा रहा है।

नेहरू परिवार का नहीं, बल्कि देश का लोकतंत्र चलेगा: नितिन नवीन

गोरखपुर , एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गोरक्षनगरी में अपनी पहली जनसभा में विधानसभा चुनाव-2027 का शंखनाद किया। नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कांग्रेस के प्रदर्शन और एसआईआर का मुद्दा उठाकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

कहा कि नेहरू परिवार का लोकतंत्र नहीं, बल्कि देश का लोकतंत्र चलेगा। राहुल गांधी के रूप में कांग्रेस का रॉकेट ही नहीं लॉन्चिंग पैड भी खराब है। सपा पर तंज कसते हुए कहा कि पंचर साइकिल यूपी के एक्सप्रेस-वे पर दौड़ नहीं पाएगी। आगामी चुनाव में सपा का सफाया हो जाएगा और भाजपा की सरकार बननी तय है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष, बुधवार को गोरखपुर में 'लोकतंत्र बचाओ - अराजकता हटाओ' अभियान के तहत महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज से निकाली गई पदयात्रा की अगुवाई करने से पहले जनसभा को संबोधित कर रहे थे। नितिन नवीन ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी की सफलतापूर्वक लॉन्चिंग इसलिए भी संभव नहीं है कि रॉकेट के रूप में वे ही नहीं, जहां से लॉन्च किए जा रहे हैं, वह लॉन्चिंग पैड (पार्टी) भी खराब है। उन्होंने कहा कि देशभर में एनडीए द्वारा निकाली जा रही पदयात्राओं से जनता सीधे जुड़ रही है, जिससे विपक्ष पूरी तरह हताश हो चुका है। विपक्ष रामलीला मैदान में अपने दावे का 10 प्रतिशत जनसमर्थन भी नहीं जुटा सका, जबकि एनडीए आज हर जनपद और कस्बे में ऐतिहासिक पदयात्राएं निकाल रहा है। अब तक निकाली गई 100 से अधिक पदयात्राओं ने स्पष्ट कर दिया है कि जनता संसद से लेकर सड़क तक केवल भाजपा-एनडीए के साथ मजबूती से खड़ी है।

विपक्ष के वोटर लिस्ट से 13 करोड़ नाम कटने के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि इनमें ढाई करोड़ से अधिक मृतक, छह करोड़ से अधिक स्थानांतरित (शिफ्टेड) और तीन करोड़ से अधिक वे लोग शामिल हैं जिनका कोई वैध सत्यापन नहीं मिला। तीन करोड़ घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशियों के सहारे कांग्रेस चुनाव लड़ना चाहती है, उसे देश की 140 करोड़ जनता पर भरोसा नहीं है। राहुल गांधी जितना भी झूठ की खेती कर लें पर अब नई सोच वाला भारत है। हर बार चुनाव हारने के बाद सबक नहीं लेते बल्कि घड़ियाली आंसू बहाते हैं। देशवासी प्रधानमंत्री को प्रधान सेवक और चौकीदार मानते हैं, जो 25 वर्ष के तप और तपस्या से जनता का भरोसा जीते हैं। जनसभा और पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित कई मंत्री, पदाधिकारी और एनडीए के सहयोगी दलों के प्रमुख नेता भी मौजूद रहे।

चुनाव आयोग ने ईवीएम पर दी खुली चुनौती तो भाग गए राहुल

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस मृत, गायब और घुसपैठियों के सहारे चुनाव लड़ना चाहती है? उन्होंने याद दिलाया कि जब चुनाव आयोग ने ईवीएम पर खुली चुनौती दी थी, तब राहुल गांधी मैदान छोड़कर भाग गए थे। उन्होंने कहा कि जिस किसी चुनाव में विपक्षी दल की जीत होती है तो वहां वह लोकतंत्र के जीतने का गुणगान करते हैं और जहां हारते हैं वहां लोकतंत्र को खतरे में बताने लगते हैं।

-कांग्रेस ने सदैव संविधान के पन्नों को तार-तार किया

संविधान की प्रति लेकर घूमने वाले नेताओं पर प्रहार करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने सदैव संविधान के पन्नों को तार-तार किया है। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित किए जाने के बाद किस प्रकार संस्थाओं का दुरुपयोग किया गया और कैसे बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को अपमानित व चुनाव हराने का षड्यंत्र रचा गया, यह देश भूला नहीं है।

सीएम योगी के नेतृत्व को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुक्तकंठ से सराहा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकलकर उत्तम और विकसित प्रदेश बन चुका है। तीन दशकों से बंद खाद कारखाना शुरू हुआ, गोरखपुर इंडस्ट्रियल हब के रूप में उभरा, एम्स और नए शिक्षण संस्थान स्थापित हुए। युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करते हुए राज्य में लाखों सरकारी नौकरियां पारदर्शी तरीके से दी गईं।

दिल्ली भेजा जा रहा 1200 किलो बदबूदार पनीर पकड़ा, छिजारसी टोल पर खाद्य विभाग का बड़ा एक्शन

हापुड़ (शिखर समाचार)। त्योहारों के मद्देनजर मिलावटखोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। राष्ट्रीय राजमार्ग-9 स्थित छिजारसी टोल प्लाजा के पास विभागीय टीम ने अमरोहा से दिल्ली ले जाया जा रहा लगभग 1200 किलोग्राम दूषित और बदबूदार पनीर पकड़ा। मानव उपभोग के लिए असुरक्षित पाए जाने पर टीम ने मौके पर ही पूरे पनीर को गड्ढे में दबवाकर नष्ट करा दिया।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त के आदेश व जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक आयुक्त खाद्य (द्वितीय) चन्द्र शेखर मिश्र के नेतृत्व में विशेष टीम ने एनएच-9 पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध अवस्था में आ रही एक पिकअप गाड़ी को रोककर तलाशी ली गई। गाड़ी में 13 प्लास्टिक के ड्रमों में लगभग 1100 किलोग्राम और फर्श पर खुला रखा करीब 100 किलोग्राम



पनीर बरामद हुआ, जिसे अमरोहा से दिल्ली की मंडियों में सप्लाई के लिए ले जाया जा रहा था।

जांच के दौरान पनीर से तेज बदबू और खट्टापन आ रहा था, जिससे उसके अखाद्य और दूषित होने की पुष्टि हुई। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नियमानुसार प्रयोगशाला जांच के लिए पनीर के दो नमूने संगृहीत किए। इसके पश्चात लगभग 4,18,950 रुपये अनुमानित मूल्य के शेष 1197 किलोग्राम पनीर को जेसीबी की मदद से गहरा गड्ढा खुदवाकर मिट्टी में दबाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया गया।

इस कार्रवाई के दौरान मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार सहित खाद्य सुरक्षा अधिकारी सोवेन्द्र सिंह, आर.पी. गंगवार, विपिन कुमार सिंह, मोहित अहलावत एवं सहरिश सादात उपस्थित रहे। विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि त्योहारी सीजन में आमजन को शुद्ध व सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जनपद में मिलावटखोरों के विरुद्ध यह सघन चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

पुलिस मुठभेड़ में हत्या का आरोपी गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर थाना पुलिस ने बुधवार की देर रात कस्बा जहांगीरपुर में हुई हत्या के एक वांछित आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने मौके से आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त एक अवैध तमंचा, एक खोखा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस टीम बुधवार की रात कस्बा जहांगीरपुर से गांव हसनपुर जाने वाली सड़क के मोड़ पर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया, जिसे रुकने का इशारा करने पर वह



पुलिस को देखकर मुड़कर भागने का प्रयास करने लगा। शक होने पर जब पुलिस ने उसका पीछा किया, तो खुद को घिरता देख उसने पुलिस बल पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से आरोपी घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा, जिसे पुलिस ने तुरंत दबोच लिया और उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी की पहचान सालू, निवासी मोहल्ला पठानटोला, कस्बा पहासु के रूप में हुई है। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा संतोष कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर 7 अक्टूबर को कस्बा जहांगीरपुर निवासी इमरान की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस सनसनीखेज मामले में अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज चुकी है।

प्रेम जाल में फंसाकर रुपए ऐंठने के मामले में युवती समेत दो नामजद व चार अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र के नगर स्थित ब्रह्मपुरी मोहल्ले में एक युवक को प्रेम जाल में फंसाकर करीब चार लाख रुपये ऐंठने और अधिक पैसे की मांग पूरी न होने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर पीड़ित युवक ने जहर भी खा लिया था, जिससे उसकी जान बाल-बाल बची। इस गंभीर मामले में पीड़ित ने न्यायालय के आदेश पर एक युवती, उसकी माता और चार अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली दादरी क्षेत्र के ब्रह्मपुरी मोहल्ले निवासी तुषार गोयल ने न्यायालय के आदेश पर दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि गाजियाबाद के नंदग्राम की रहने वाली एक युवती ने उससे दोस्ती कर अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। युवती और उसकी माता सहित अन्य लोगों ने सुनियोजित तरीके से पीड़ित से मिलना-जुलना और फोन पर बातचीत शुरू की। कुछ महीनों बाद आरोपी युवती ने पीड़ित को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देकर पैसों की मांग करने लगी। भयभीत होकर पीड़ित ने आरोपियों को करीब तीन से चार लाख रुपये दे दिए, जिसमें से एक लाख से अधिक की राशि यूपीआई के माध्यम से और शेष रकम नकद दी गई। इसके बावजूद आरोपियों द्वारा लगातार और अधिक पैसों की मांग की जाती रही। तंग आकर 15 सितंबर को पीड़ित ने जहर खा लिया, जिसे परिजनों द्वारा तुरंत अस्पताल ले जाकर मुश्किल से बचाया गया। इसके बाद भी आरोपियों द्वारा झूठे मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी दी जाती रही। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना की शिकायत पहले जनसुनवाई पोर्टल और स्थानीय पुलिस से की गई थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने युवती व उसकी माता को नामजद करते हुए चार अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

निमार्णाधीन कंपनी से कॉपर वायर के दस बंडल चोरी, मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में स्थित एक निमार्णाधीन कंपनी परिसर से अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये मूल्य के बिजली के तांबे के तार चोरी कर लिए। घटना के संबंध में पीड़ित साइट इंजीनियर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस को सौंपी शिकायत में जिला कौशाम्बी निवासी संजय कुमार ने बताया कि वह यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 32 स्थित एक निमार्णाधीन कंपनी में साइट इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। कंपनी में निर्माण और बिजली से जुड़ा कार्य चल रहा था, जिसके लिए कॉपर वायर के बंडल मंगाकर रखे गए थे। बीते दिनों अज्ञात चोरों ने मौका पाकर कंपनी परिसर से कॉपर वायर के 10 बंडल पार कर दिए। घटना की जानकारी मिलते ही कंपनी प्रबंधन और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस टीम चोरों की धरपकड़ के लिए लगातार दबिश दे रही है। जल्द ही चोरी का खुलासा कर दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय ने वैश्विक शैक्षणिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए ईयूईआईसी के साथ किया समझौता

मोदीनगर (शिखर समाचार)। अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने एवं विद्यार्थियों के लिए वैश्विक स्तर पर शिक्षा के नए अवसरों का विस्तार करने के उद्देश्य से डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विश्वविद्यालय ने यूरोपियन यूनियन एंगेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन सेंटर, मोहाली (पंजाब) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस ऐतिहासिक समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. पी. एन. ह्षीकेश और ईयूईआईसी के संस्थापक जसमीत सैनी ने हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में विदेशी संस्थानों के साथ रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जाएगी। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीयकरण को प्रोत्साहित करना, यूरोपीय उच्च



शिक्षा प्रणाली के प्रति जागरूकता विकसित करना और विद्यार्थियों की भाषा दक्षता तथा रोजगारपरक कौशल में वृद्धि करना है। इसके साथ ही शैक्षणिक नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य किया जाएगा।इस साझेदारी के माध्यम से यूरोपीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु मार्गदर्शन, संकाय विकास, संस्थागत सहभागिता और विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। यह पहल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस वैश्विक समझौते के माध्यम से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अवसरों से सीधे जुड़ने का मौका मिलेगा। इससे उन्हें वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमताओं को विकसित करने और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे।

जनगणना-2027 की तैयारी तेज, 16 नवंबर से घर बैठे कर सकेंगे अपनी गणना

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलने वाले स्व-गणना अभियान में अधिकाधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा स्व-गणना के शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, इसलिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

बैठक में बताया गया कि नागरिक 16 से 30 नवंबर तक https://se.census.gov.in पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जनगणना कर सकेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आवासीय कल्याण समितियों, सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर विद्यालयों और महाविद्यालयों में निबंध लेखन,



संवाद, पोस्टर और चित्रकला प्रतियोगिताएं कराकर विद्यार्थियों को जनगणना के प्रति जागरूक किया जाए तथा उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाए।

उन्होंने प्रत्येक वार्ड, राजस्व ग्राम और आवासीय सोसाइटी में सहायता बूथ स्थापित करने के निर्देश दिए, जहां प्रगणक और पर्यवेक्षक नागरिकों को स्व-गणना की प्रक्रिया में तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएंगे। संस्थागत छात्रावासों, वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में रहने वाले लोगों की गणना सुनिश्चित करने के साथ ही विदेशी विद्यार्थियों, एलजीबीटीक्यू समुदाय तथा मंदिरों, धर्मशालाओं और आश्रमों में नियमित रूप से रहने वाले लोगों का भी विशेष अभियान चलाकर कवरेज करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्व-गणना पूरी होने के बाद परिवार को मिलने वाली एसई-आईडी सुरक्षित रखना अनिवार्य है। जब प्रगणक घर पहुंचे तो परिवार को यह पहचान संख्या उपलब्ध करानी होगी, ताकि गणना प्रक्रिया पूरी की जा सके। उन्होंने अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, मेट्रो और बस स्टेशनों, बाजारों, मॉल तथा सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार सामग्री लगाने के निर्देश भी दिए। नगर निकायों के कूड़ा संग्रहण वाहनों से जागरूकता संदेश प्रसारित कराने तथा सामाजिक माध्यमों पर भी अभियान चलाने को कहा। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं जिला जनगणना अधिकारी अजीत कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा प्राधिकरण सहित विभिन्न तहसीलों के भारसाधक अधिकारी उपस्थित रहे। जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ से उप निदेशक अभिमन्यु सिंह तथा जिला प्रभारी जनगणना प्रदीप कुमार और उत्कर्ष पाण्डेय भी मौजूद रहे।

जिले में 32,612 अपात्रों के नाम राशन कार्ड से कटे, नवंबर से नहीं मिलेगा राशन

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में राशन कार्डों के सत्यापन के दौरान अपात्र पाए गए 32,612 लाभार्थियों के नाम राशन कार्ड की सूची से हटा दिए गए हैं। शासन के कड़े निदेर्शों के बाद की गई इस बड़ी कार्रवाई के तहत चिह्नित किए गए इन अपात्रों को अब नवंबर माह से सरकारी राशन का लाभ नहीं मिल सकेगा। निरस्त की गई सूची में मुख्य रूप से मृतक, आयकरदाता, सरकारी कर्मचारी, वाहन स्वामी और निर्धारित सीमा से अधिक वार्षिक आय वाले परिवार शामिल हैं।

जनपद में वर्तमान में लगभग 9.5 लाख पात्र लोगों को हर महीने खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। शासन के निर्देश पर हाल ही में लाभार्थियों के दस्तावेजों और विभिन्न विभागों के आंकड़ों का ऑनलाइन मिलान कराया गया, जिसमें राइटफुल टारगेटिंग डैशबोर्ड के डाटा के आधार पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने आईं। इस गहन जांच और आंकड़ों के सत्यापन के बाद ही अपात्रों की पहचान कर उनका नाम सूची से पृथक करने की कार्रवाई अमल में लाई गई है।

जिला आपूर्ति अधिकारी डॉ. सीमा बालियान ने मामले का विवरण देते हुए बताया कि जांच में 5,483 मृतक लाभार्थियों के नाम सामने आए, जिनमें से 4,883 लोग पिछले महीने तक राशन ले रहे थे। इसके अलावा छह से बारह महीने तक अनाज न उठाने वाले 3,568 और एक साल से अधिक समय से राशन न लेने वाले 9,285 कार्डधारकों को भी चिह्नित कर सूची से बाहर किया गया



है। वहीं दूसरे राज्यों में बने डुप्लीकेट राशन कार्ड के भी 401 मामले प्रकाश में आए हैं।

विभागीय कार्रवाई में डाक विभाग के 25, रेलवे के 2,097 और केंद्रीय कर्मचारी श्रेणी के 83 लोगों के नाम काटे गए हैं। आयकर विभाग के आंकड़ों के मिलान में छह लाख से अधिक आय वाले 3,880, तीन लाख से अधिक आय वाले 106 और दो लाख रुपये से अधिक सालाना कमाने वाले 81 अपात्र पाए गए। जिला आपूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि विभागीय आंकड़ों के आधार पर यह पूरी कार्रवाई की गई है और भविष्य में भी अपात्रों के खिलाफ जांच जारी रहेगी।

देव हॉस्पिटल गोलीकांड में सीसीटीवी फुटेज न्यायालय में पेश न करने पर उठे सवाल, एसपी से निष्पक्ष जांच की मांग

शामली (शिखर समाचार)। शामली-मुजफ्फरनगर मार्ग स्थित देव हॉस्पिटल में छह अक्टूबर को हुई फायरिंग और मारपीट की घटना की विवेचना को लेकर सवाल उठने लगे हैं। गांव सौता रसूलपुर निवासी सुहैब अली ने भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों के साथ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर शिकायती पत्र सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराने के बावजूद उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया गया। पीड़ित ने संबंधित विवेचक की भूमिका की जांच कराने और मामले में निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय कार्रवाई की मांग की है। शिकायती पत्र में सुहैब अली ने बताया कि छह अक्टूबर की रात करीब 8:40 बजे सिसौली अड्डे के निकट स्थित देव हॉस्पिटल में उनके रिश्तेदार रिजवान की पत्नी की डिलीवरी हुई थी। इसी दौरान मरीज को देखने पहुंचे सुहैब और उनके तीन साथियों के साथ अस्पताल परिसर में अभद्रता और गाली-गलौज



की गई। आरोप है कि महिलाओं के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, इसी दौरान अस्पताल संचालक नरदेव के पुत्र आर्यन ने कथित रूप से अवैध पिस्टल से सुहैब, नाजिम, अरमान, जीशान और आरिफ पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। जान बचाने के लिए सभी को मौके से भागना पड़ा। आरोप है कि फायरिंग के दौरान एक गोली उनकी बोलेरो गाड़ी का शीशा पार करते हुए चालक के बगल वाली सीट में जा लगी।

सुहैब का दावा है कि अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई थी और उनकी मौजूदगी में डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) पुलिस को सौंपा गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी आर्यन को फॉर्च्यूनर गाड़ी और पिस्टल सहित गिरफ्तार किया था। इसके बावजूद विवेचना के दौरान सीसीटीवी फुटेज न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किए गए। उन्होंने डीवीआर की सुपुर्दगी, पुलिस अभिरक्षा से जुड़े अभिलेखों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच कराने की मांग की है। इस दौरान सांता प्रधान, कपिल खाटियान, मास्टर जाहिद, मोहित शर्मा, अमरपाल बालियान, योगेंद्र पंवार और मास्टर आरिफ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दीपावली की खुशियां जरूरतमंदों तक पहुंचाकर नोएडा लोक मंच ने पेश की सेवा और सद्भाव की मिसाल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। दीपावली के पर्व पर आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए नोएडा लोक मंच की ओर से सेक्टर-15 स्थित नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कई वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित इस पारंपरिक समारोह में संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। समारोह के माध्यम से आपसी सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।





कार्यक्रम में नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना, कोषाध्यक्ष विभा बंसल, कार्यकारी महासचिव विनीत गर्ग तथा मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा समिति की सचिव लीका सक्सेना उपस्थित रहीं। विशेष बात यह रही कि अस्वस्थ होने के बावजूद लीका सक्सेना संगठन के प्रति अपने जुड़ाव और समर्पण के चलते समारोह में शामिल हुईं। उनकी उपस्थिति ने सदस्यों को प्रोत्साहित किया। इस दौरान पुस्तकालय के कर्मचारियों के साथ आत्मीय संवाद किया गया और संगठन की गतिविधियों तथा आपसी सहयोग को लेकर विचार-विमर्श हुआ। मंच की ओर से सभी कर्मचारियों को मिठाइयां और दीपावली के उपहार भी भेंट किए गए।

दीपावली की खुशियां समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने के उद्देश्य से संगठन की टीम ने संस्कार अध्ययन केंद्र, अंतिम निवास और दवा बैंक सहित विभिन्न सामाजिक सेवा केंद्रों का दौरा किया। यहां लोगों को मिठाइयां वितरित कर त्योहार की खुशियों में सहभागी बनाया गया। इसके अतिरिक्त सेक्टर-15 स्थित ज्ञानश्री स्कूल के लगभग 200 बच्चों को मिठाइयां बांटी गईं। मिठाइयां पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह दिखाई दिया। समारोह में पदाधिकारियों और सदस्यों ने भविष्य में भी सामाजिक सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि त्योहारों की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब उनकी खुशियां समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचें और जरूरतमंद लोगों के जीवन में भी प्रसन्नता आए। नोएडा लोक मंच की इस पहल ने दीपावली के अवसर पर सेवा, सहयोग और सामाजिक सद्भाव का प्रेरक संदेश दिया।

बिजलीघर में शराब पीते कर्मचारियों का वीडियो वायरल, एक निलंबित व एक बर्खास्त



हापुड़ (शिखर समाचार)। बिजलीघर में ड्यूटी के दौरान शराब पीने और गंभीर लापरवाही बरतने का वीडियो वायरल होने के बाद ऊर्जा निगम ने दो कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में टीजी-2 कर्मचारी संजय कुमार को निलंबित कर दिया गया है, जबकि संविदाकर्मी मनीष चौहान को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। डयारपुर बिजलीघर के दो वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुए थे, जिसमें एक वीडियो में दोनों कर्मचारी शराब पीते हुए दिखाई दे रहे थे और दूसरे वीडियो में एक कर्मचारी ड्यूटी के दौरान बेसुध हालत में सोता हुआ नजर आ रहा था। इस वीडियो के सामने आने के बाद ऊर्जा निगम में हड़कंप मच गया और उच्च अधिकारियों के निर्देश पर तुरंत एक जांच समिति का गठन किया गया। जांच समिति की रिपोर्ट में कर्मचारियों की संलिप्तता और भारी लापरवाही साबित होने के बाद विभाग ने यह अनुशासनात्मक कदम उठाया। पिलखुवा डिवीजन के अधिशासी अभियंता मयंक कुमार यादव ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि संवेदनशील बिजलीघर परिसर में इस तरह की गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जा सकती हैं।

अधिशासी अभियंता ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की लापरवाही से विभाग की छवि धूमिल होती है और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होते हैं। इस सख्त कार्रवाई के जरिए विभाग ने अन्य सभी कर्मचारियों को भी यह कड़ा संदेश देने का प्रयास किया है कि भविष्य में ड्यूटी के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही या अनुशासनहीनता पर सीधा दंडात्मक एक्शन लिया जाएगा।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और संशोधन कराने का मौका, ऑनलाइन-ऑफलाइन भरें फॉर्म

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए जिला निर्वाचन प्रशासन ने नागरिकों को नाम जुड़वाने, अपात्र एवं मृतक मतदाताओं के नाम हटवाने तथा विवरणों में संशोधन कराने की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने जनपद के नागरिकों से अपील की है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। इसके लिए फॉर्म-6, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 भरने की सुविधा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र भारतीय नागरिक, जो संबंधित क्षेत्र के सामान्य निवासी हैं, मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 भर सकते हैं। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल https://voters.eci.gov.in पर जाकर पंजीकरण अथवा लॉगिन करना होगा। इसके बाद आवश्यक व्यक्तिगत जानकारी, जन्मतिथि, पता और निर्धारित प्रमाण पत्रों के साथ नवीनतम फोटो अपलोड कर आवेदन जमा किया जा सकता है। आवेदन के बाद मिलने वाले संदर्भ क्रमांक से उसकी स्थिति भी देखी



जा सकती है।

इसी प्रकार फॉर्म-7 के माध्यम से मृतक, स्थायी रूप से स्थानांतरित या एक से अधिक स्थानों पर दर्ज मतदाताओं के नाम हटाने तथा मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए आवेदन किया जा सकता है। वहीं, फॉर्म-8 के माध्यम से मतदाता अपने नाम, पते और अन्य विवरणों में संशोधन, निवास स्थान परिवर्तन, मतदाता पहचान पत्र बदलवाने तथा दिव्यांग मतदाता के रूप में चिह्नित होने के लिए आवेदन कर सकते हैं। जो नागरिक ऑनलाइन आवेदन करने में सक्षम नहीं हैं, वे अपने क्षेत्र के बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त तीनों फॉर्म निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। भरे हुए फॉर्म आवश्यक दस्तावेजों की स्वप्रमाणित छायाप्रति के साथ संबंधित कार्यालय अथवा बीएलओ के पास जमा कराए जा सकते हैं। आवेदन डाक से भेजने की सुविधा भी उपलब्ध है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने नागरिकों से कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक मतदाता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए सभी लोग स्वयं अपना नाम जांचने के साथ परिवार और आसपास के पात्र नागरिकों को भी जागरूक करें। मृतक अथवा दोहरे नामों को हटाने के लिए भी निर्धारित नियमों और प्रक्रिया का पालन किया जाए, ताकि मतदाता सूची अधिक विश्वसनीय और त्रुटिरहित बन सके।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

चावड़ी बाजार में इमारत नहीं, व्यवस्था की जवाबदेही ढही: दो मौतों ने फिर खोली निर्माण सुरक्षा की पोल

राजधानी दिल्ली के दिल में बसे पुरानी दिल्ली के चावड़ी बाजार में पांच नवंबर की सुबह हुआ इमारत हादसा एक बार फिर देश की शहरी व्यवस्था, भवन निर्माण नियमों और सरकारी निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर गया है। चांदनी चौक के व्यस्त चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सितारा और शीश महल इलाके में निमार्णाधीन तीन मंजिला इमारत का एक हिस्सा अचानक ढह गया। कुछ ही पलों में निर्माण सामग्री और मलबे का ढेर बन गई इस इमारत ने दो लोगों की जान ले ली, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दिल्ली पुलिस, नगर निगम, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमों ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। मलबे में लोगों के दबे होने की आशंका ने घटनास्थल पर चिंता और भय का माहौल पैदा कर दिया। संकरी गलियों के कारण बचाव कार्य में भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। भारी मशीनों को घटनास्थल तक पहुंचाना संभव नहीं था और बचावकर्मियों को ड्रिलर तथा कटर की मदद से मलबा हटाना पड़ा। इस हादसे ने एक बार फिर साबित कर दिया कि दिल्ली जैसे महानगर में विकास और निर्माण की रफ्तार के बीच नागरिकों की सुरक्षा कितनी असुरक्षित होती जा रही है। इस घटना के बाद दिल्ली सरकार और नगर निगम ने प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए संबंधित क्षेत्र के सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और हादसे की जांच के आदेश दिए। निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी अधिकारी या व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होगी। घायलों को बेहतर उपचार और प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। दिल्ली नगर निगम की शुरूआती जानकारी के अनुसार, जिस भूखंड पर इमारत का निर्माण हो रहा था, उसका क्षेत्रफल लगभग 50 वर्गमीटर था। भवन निर्माण की स्वीकृत योजना उपलब्ध नहीं होने की बात भी सामने आई है। निगम के अधिकारियों के मुताबिक, निर्माण कार्य करीब 15 दिन पहले रोक दिया गया था और हादसे के समय इमारत में छत के नीचे लगे सहारे हटाने का काम चल रहा था। शुरूआती जानकारी में निर्माण सामग्री और इंजीनियरिंग मानकों के पालन को लेकर भी सवाल उठे हैं। हालांकि हादसे का वास्तविक कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर किसी निमार्णाधीन इमारत की स्थिति इतनी खतरनाक कैसे हो गई कि वह अचानक भरभराकर गिर गई? क्या निर्माण कार्य शुरू करने से पहले आवश्यक तकनीकी जांच की गई थी? क्या भवन का नक्शा स्वीकृत था? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच हुई थी? क्या संबंधित विभाग के अधिकारियों ने समय समय पर मौके पर जाकर निरीक्षण किया था? यदि निर्माण कार्य में नियमों का उल्लंघन हो रहा था तो उसे समय रहते क्यों नहीं रोका गया? इन सवालों का जवाब केवल दो इंजीनियरों को निलंबित करने या ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने से नहीं मिल सकता। प्रशासनिक कार्रवाई जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है उस पूरी व्यवस्था की जांच करना जिसके रहते एक निमार्णाधीन इमारत लोगों की जिंदगी के लिए खतरा बन गई। दिल्ली की पुरानी बस्तियों की भौगोलिक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, सदर बाजार, बल्लीमारान और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में पुरानी इमारतें हैं। इनकी गलियां बेहद संकरी हैं और कई स्थानों पर मकान एक-दूसरे से सटे हुए हैं। कारोबार, गोदाम, आवास और निर्माण गतिविधियां एक ही सीमित क्षेत्र में संचालित होती हैं। बढ़ती आबादी और व्यावसायिक जरूरतों के कारण पुरानी इमारतों में मरम्मत, पुनर्निर्माण और अतिरिक्त मंजिलें बनाने का काम लगातार चलता रहता है। ऐसे क्षेत्रों में निर्माण की सामान्य प्रक्रिया भी विशेष सावधानी और तकनीकी निगरानी की मांग करती है। एक इमारत में होने वाली लापरवाही आसपास की कई इमारतों को प्रभावित कर सकती है। चावड़ी बाजार हादसे के बाद पड़ोसी भवनों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता सामने आई है।

~ मौलिक चिंतन ~

रिश्ते इंसान को मजबूत भी करते हैं और मजबूर भी।



© विनय संकोची

धनतेरसः धन की पूजा नहीं, धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व



ललित गर्ग

पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है।

धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं।

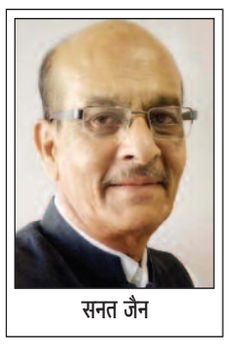
लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ।

आज आवश्यकता धन कमाने की नहीं, धन कमाने की शुद्ध पद्धति और उसके शुद्ध उपयोग की है। यदि साध्य समृद्धि है तो साधन भी शुद्ध होने चाहिए। बेईमानी, शोषण, छल और भ्रष्टाचार से अर्जित धन चाहे कितनी भी बड़ी संपत्ति क्यों न बना दे, वह जीवन में शांति और समाज में सम्मान नहीं ला सकता। इसके विपरीत परिश्रम, ईमानदारी और नैतिकता से अर्जित सीमित धन भी जीवन को गरिमा प्रदान करता है। धनतेरस हमें संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना देता है। जिस धन का प्रवाह समाज तक नहीं पहुँचता, वह अंततः जड़ हो जाता है। दान, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान में धन का उपयोग उसकी सार्थकता बढ़ाता है। दीपक की तरह धन भी तभी प्रकाश देता है, जब वह स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में उजाला फैलाए।

इसलिए धनतेरस पर हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि इस वर्ष हमारी संपत्ति कितनी बढ़ी, बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि हमारा संतोष कितना बढ़ा, हमारा चरित्र कितना मजबूत हुआ, हमारी करुणा कितनी गहरी हुई और हमारे धन से कितने जीवनों में उजाला आया। हमारे पास कार न हो, कोठी न हो, ऊँची कुर्सी न हो-कोई बात नहीं, लेकिन हमारे पास ईमान, इंसानियत, आत्मसम्मान, संयम और चरित्र अवश्य होना चाहिए। यही वह संपदा है जिसे न बाजार खरीद सकता है, न समय छीन सकता है। धनतेरस का दीप तभी सच्चे अर्थों में जलेगा, जब हमारे भीतर धन के साथ धर्म, समृद्धि के साथ संवेदना, भोग के साथ संयम और अधिकार के साथ उत्तरदायित्व का प्रकाश भी जले। धन की समृद्धि जीवन को सुविधापूर्ण बना सकती है, लेकिन चरित्र की समृद्धि ही जीवन को महान बनाती है। यही धनतेरस का सनातन संदेश है और यही आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

अमेरिका में ट्रंप की करारी हार, अहंकारी नेताओं को सबक



सनत जैन

अमेरिका के 3 नवंबर 2026 के मध्यावधि चुनाव परिणामों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति को जबरदस्त झटका दिया है। अमेरिका और इजरायल के मतदाताओं ने अपने अहंकारी नेताओं का अहंकार अपने मताधिकार से ठिकाने लगा दिया है। अमेरिका में यह रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी पराजय नहीं, बल्कि ट्रंप की नीतियों, कार्यशैली और उनके अहंकारी नेतृत्व के खिलाफ अमेरिकी मतदाताओं का स्पष्ट संदेश है। इस चुनाव के जो परिणाम अभी तक प्राप्त हुए हैं, उसमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इसे ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। इस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को उन राज्यों में भी नुकसान उठाना पड़ा, जिसे रिपब्लिकन का मजबूत गढ़ माना जाता था। टेक्सास में रिपब्लिकन के गवर्नर ग्रेग एबॉट को डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जीना हिनोजोसा ने पराजित किया है। जॉर्जिया में कीशा लांस बॉटम्स, ओहायो में एमी एक्टन और आयोवा में रॉब सैंड ने रिपब्लिकन उम्मीदवारों को हराकर गवर्नर का पद हासिल किया। इसके अलावा नेवादा में भी डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों की जीत ने रिपब्लिकन पार्टी की चिंता बढ़ाई है। सीनेट में टेक्सास, आयोवा, कंसास, ओहायो, मेन, नॉर्थ कैरोलाइना और साउथ कैरोलाइना जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर डेमोक्रेटिक ने जीत दर्ज की है। प्रतिनिधि सभा में दो दर्जन से अधिक सीटें रिपब्लिकन पार्टी के हाथ से निकल गईं हैं। यह परिणाम बताता है, अमेरिकी मतदाता अब ट्रंप के राजनीतिक प्रभाव से प्रभावित होकर आंख मूंदकर मतदान करने के लिए तैयार नहीं हैं। अमेरिका की जनता ने कट्टरपंथी विचारधारा को नकार दिया है। ट्रंप की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण अमेरिकी नागरिकों की आर्थिक परेशानी रही। महंगाई, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें, खाद्य वस्तुओं की महंगाई और आयात शुल्क (टैरिफ) नीति ने आम अमेरिकी परिवारों का जीना मुहाल कर दिया था। दूसरे देशों के साथ व्यापारिक संबंधों में तनाव ने अमेरिकी कारोबार को भी प्रभावित किया। इसके साथ ही ईरान के साथ युद्ध ने ट्रंप की लोकप्रियता को भारी नुकसान पहुंचाया।

अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई के बाद मध्यपूर्व में अस्थिरता बढ़ी, जिससे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई। ऊर्जा की कीमतों का बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ा। मतदाताओं ने यह सवाल समय-समय पर उठाया था, जब अमेरिका में महंगाई और आर्थिक समस्याएं हैं। ईरान से कोई सीधा झगड़ा अमेरिका का नहीं था। नेतन्याहू के कहने पर डोनाल्ड ट्रंप ने इस युद्ध में अमेरिका को फंसा दिया। विदेशी युद्धों में इतना पैसा अमेरिका क्यों खर्च कर रहा है। इसका लगातार विरोध अमेरिका में हो रहा था। इस चुनाव का बड़ा असर इजराइल पर पड़ना तय है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इजराइल में हार गए हैं। ट्रंप प्रशासन के साथ नजदीकी रिश्तों को विदेश नीति की बड़ी ताकत माना था। अब अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी का नियंत्रण होने से इजराइल को मिलने वाली सैन्य सहायता, हथियारों की आपूर्ति और ईरान के खिलाफ अमेरिकी रणनीति पर भारी बदलाव हो सकते हैं। इजराइल की जनता ने चुनाव परिणाम को नेतन्याहू के नेतृत्व की विफलता से जोड़ना शुरू कर दिया है। इजरायल के नागरिकों को भी ईरान के साथ युद्ध की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। अमेरिका में इजराइल के प्रति समर्थन अब पहले जैसा निर्विवाद नहीं रहेगा। भविष्य में इजराइल को अमेरिकी समर्थन बनाए रखने के लिए दोनों देशों को अपने नए रिश्ते तैयार करने होंगे। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की पराजय के बाद ईरान के लिए यह परिणाम एक नई राजनीतिक संभावना लेकर आया है। डेमोक्रेटिक बहुमत वाली कांग्रेस ट्रंप प्रशासन से युद्ध के खर्च, सैन्य कार्रवाई और ईरान के साथ बातचीत और समझौते के लिए दबाव बना सकती है। सैन्य बजट और युद्ध संबंधी फैसलों पर भी अमेरिकी संसद की निगरानी बढ़ेगी, ट्रंप के फैसलों पर अब संसद का नियंत्रण होगा।

इससे ईरान के साथ युद्धविराम और कूटनीतिक समझौते की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। यह कहना जल्दबाजी होगी, ट्रंप अपनी ईरान नीति को तत्काल बदलने तैयार होंगे, क्योंकि अभी भी राष्ट्रपति के पास विदेश नीति और सैन्य कार्रवाई के व्यापक अधिकार बने रहेंगे। भारत के लिए अमेरिकी चुनाव परिणाम के दो पहलू हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति पर कांग्रेस का अंकुश बढ़ सकता है, जिससे भारतीय निर्यातकों को राहत मिलने की संभावना है। दूसरी तरफ रूस से भारत के तेल आयात, व्यापार समझौते, वीजा और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर अभी भी अमेरिकी दबाव बना रहेगा। इसके बाद भी जिस तरह से ट्रंप भारत को एक कमाई का जरिया मानकर चल रहे थे, उस पर अब अमेरिकी संसद का नियंत्रण होगा। ट्रंप भी भारत को लेकर अब सहज और सरल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप के व्यक्तिगत संबंधों के बावजूद भारत को अमेरिकी प्रशासन के साथ-साथ डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाली कांग्रेस से मजबूत संवाद स्थापित करना होगा। भारत की विदेश नीति के सामने रूस, अमेरिका, ईरान और इजराइल के साथ संतुलन बनाए रखने की बड़ी चुनौती रहेगी। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव का संदेश केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के मतदाताओं ने यह बता दिया है, विदेश नीति, युद्ध, व्यापारिक टकराव और आर्थिक राष्ट्रवाद की भी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अब ट्रंप के सामने अपने शेष कार्यकाल में कांग्रेस के विरोध, जांच और राजनीतिक जवाबदेही की चुनौती होगी। वहीं उन्हें पार्टी के विरोध का भी सामना करना पड़ेगा। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है, क्या ट्रंप अपनी नीतियों में बदलाव करेंगे या अपनी राजनीतिक प्रतिष्ठा बचाने के लिए और आक्रामक रुख अपनाएंगे? चुनाव के रुझान आने के पहले ही उन्होंने कह दिया था कि यदि वह चुनाव हार भी गए तो उनके पास वीटो होगा। यदि उन्होंने टकराव का रास्ता चुना तो अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ संबंध और भी जटिल हो सकते हैं। अमेरिका में उनके खिलाफ और भी बड़ा माहौल बन सकता है। यह चुनाव ट्रंप के लिए चेतावनी है। दुनिया पर दबदबा बनाने की ट्रंप की कोशिश में यदि उसका अपने ही देश में विरोध बढ़ेगा। वह अपने ही देश के नागरिकों की आर्थिक परेशानियों और अपेक्षाओं को नजरअंदाज करेंगे, ऐसी स्थिति में उन्हें अपना अगला कार्यकाल पूरा कर पाएंगे या नहीं इसकी भी चुनौती मिल सकती है। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। लोकतंत्र में अंततः जनता का फैसला ही सर्वोपरि होता है। आशा है अहंकारी ट्रंप अपनी जनता की भावनाओं को समझेंगे और बचा हुआ राष्ट्रपति का कार्यकाल जन भावनाओं के अनुरूप फैसला लेंगे।

गृह लक्ष्मियों के सशक्तीकरण पर भी ध्यान दें..



उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया।

दीपावली की आहट सुनाई देने लगी है। घर-दुकान से लेकर कार्यालय आदि की साफ-सफाई का दौर चल रहा है। धन की देवी की बाट ताकती दुनिया को पता है कि भले ही उनकी सवारी उल्लू है, लेकिन उनकी कृपा उसी जगह होती है। जहां स्वच्छता होती है। लेकिन यह स्वच्छता आती कैसे है? बिना उद्यम और परिश्रम के क्या सफाई संभव है। मतलब साफ है कि बिना उद्यम के लक्ष्मी का आना संभव नहीं। हमारी परंपरा में घर-परिवार की महिलाओं-कन्याओं को भी देवी का ही रूप माना जाता है। बिनु घरनी घर भूत का डेरा, हमारे यहां यह माना जाता रहा है। यानी घर में जब घरनी या महिला होती है, तो वह सिर्फ महिला, पत्नी, बेटी, बहन या मां ही नहीं रह जाती, बल्कि घर की लक्ष्मी हो जाती है। घर की लक्ष्मी जब समर्थ होती है तो परिवार खुशहाल होता है। इन्हीं संदर्भों में याद आती है भारत सरकार की लखपति दीदी योजना। मोदी सरकार की कोशिशों से अब देश में तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब भारत सरकार का लक्ष्य है कि इस संख्या को छह करोड़ तक पहुंचाया जाए। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब कई दीदियां करोड़पति बन चुकी हैं या फिर उनका स्वयंसहायता समूह करोड़पति हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया। इस योजना का नोडल केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय है। जिसके तहत चल रही दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, ताकि वे सालाना कम से कम ?1 लाख की स्थायी आय अर्जित कर सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली इस योजना के तहत उन्हें एलईडी बल्ब बनाने, प्लंबिंग, ड्रोन चलाने और रिपेयरिंग जैसे तकनीकी काम तो सिखाए ही जा रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर काम करने और दस्तकारी आदि को बढ़ावा देने की भी कोशिश की जा रही है। शुरू में इस योजना के जरिए दो करोड़ महिलाओं को %लखपति दीदी% बनाने का लक्ष्य रखा गयॉ था, जिसे फरवरी 2024 के अंतरिम बजट में बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया गया और यह लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत राज्य सरकारों की मदद से बैंकों से स्वयं सहायता समूहों को सस्ते दर पर कर्ज दिलाया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर दीदियां इस कर्ज से ना सिर्फ अपना काम बढ़ा रही हैं, बल्कि बैंकों को कर्ज की किश्तें भी नियमित रूप से चुका रही हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित दिल्ली के बाहर सरस मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस लक्ष्य को छह करोड़ करने का ऐलान किया और कहा कि अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। इस दस्तकारों और स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई। ग्यारह महिला सदस्यों की सहायता से शुरू उनके ग्रुप का टर्न ओवर अब पचास लाख सालाना से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि कभी मजदूरी करके जीने वाला उनका परिवार अब आत्मनिर्भर हो गया है और ना सिर्फ उनके परिवार में खुशहाली आई है, बल्कि उनके समूह में शामिल महिलाओं की भी स्थिति सुधरी है। साबुन बनाने से शुरू हुआ उनका काम अब 35 तरह के घरेलू उत्पाद बना रहा है और देशभर से उनके माल की मांग बढ़ रही है। कुछ ऐसी ही कहानी रही राजस्थान के बीकानेर से इस मेले में शामिल होने आई राजीविका मिशन से जुड़ी ममता की भी कहानी है। बीकानेर अपने नमकीन के लिए मशहूर पहले से ही है। ममता भी अपने घर में अपने खाने-पीने के लिए नमकीन बनाती रहीं। लेकिन लखपति दीदी योजना से जुड़ने के बाद उनके समूह की ग्यारह महिलाओं का जैसे भाग्य ही बदल गया। महज तीन साल में ही इस समूह का सालाना टर्नओवर बारह लाख से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि इस समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक मदद करने लगी हैं। अपने बच्चों के खर्च के लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। लखीमपुर से आई शमीमा की भी कुछ ऐसी ही कहानी रही। आज उनका समूह चमड़े के जूते-चप्पल बना रहा है। इस काम में उनके पति सहयोग करते हैं और उनके समूह का टर्नओवर साठ लाख को पार कर चुका है।



भारत में प्रबंधन की पढ़ाई के लिए मशहूर भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी आईआईएम, अहमदाबाद ने हाल ही में लखपति दीदी योजना को लेकर एक शोध किया है। संस्थान ने अपने अध्ययन में देश के सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 6531 महिलाओं के काम को शामिल किया है। इस अध्ययन के मुताबिक लखपति दीदियों के परिवारों की आय में 61 फीसद तक का इजाफा देखा गया है। इसकी वजह से परिवारों की मासिक बचत में करीब 61.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2026 में खत्म हुए अध्ययन के अनुसार, करीब 48 प्रतिशत लखपति दीदियों के कारोबार में पिछले एक साल में विस्तार हुआ है। इसका असर यह हुआ है कि अब लखपति दीदियों के काम करने का दायरा भी बढ़ा है। अब वे एक साथ करीब-करीब दो-दो काम कर रही हैं। इस अध्ययन के मुताबिक एक लखपति दीदी की कामयाबी से दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा मिली और उन्होंने भी समूह बनाकर इस योजना का फायदा उठाया और अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर की।

घर की लक्ष्मी भले ही महिला को माना जाता रहा हो, लेकिन पारंपरिक परिवारों के अहम फैसलों में महिलाओं की राय की भूमिका कम रही है। लेकिन लखपति दीदियों की राय को पारिवारिक फैसलों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईआईएम के अध्ययन के अनुसार 36 प्रतिशत से ज्यादा लखपति दीदियों का कहना है कि पारिवारिक मामलों में उनकी राय का वजन बढ़ा है, साथ ही करबी 30.5 प्रतिशत दीदियों का मानना है कि उन्हें इस योजना के जरिए आर्थिक स्वायत्तता मिली है। आईआईएम अहमदाबाद की अध्ययन रिपोर्ट बताती है कि इस योजना से ग्रामीण समाज में भी बदलाव दिख रहा है।

मराठी की एक कहावत है कि एक शिक्षित महिला के चलते सात पीढ़ियों तक शिक्षा का बदलाव दिखता है। कुछ इसी तर्ज पर कह सकते हैं कि लखपति दीदी योजना के चलते भारतीय समाज बदलाव के नए दौर में कदम रख चुका है। सोचिए अगर देश की छह करोड़ महिलाएं सालाना कम से कम एक लाख रूपए की आय वाली होंगी तो इसका क्या असर होगा। निश्चित तौर पर छह करोड़ परिवार गरीबी रेखा की सीमा को कुछ और फांद जाएंगे। लक्ष्मी पूजन के मौके पर लखपति दीदी योजना को इस रूप में भी देखा जाना चाहिए।



मस्तिष्क में प्रोटीन के गुच्छे बनने से घटती है याददाश्त

साइंस एडवांसेस में प्रकाशित जॉर्ज मिसल और उनके सहकर्मियों के शोध में अल्जाइमर रोगियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इस तरह से अनुसंधानकर्ता मस्तिष्क में अल्जाइमर बीमारी के बढ़ने को रोकने की प्रक्रिया के संबंध में बेहतर समझ बनाने में सक्षम हुए।

गुच्छों के दोगुना होने में पांच साल का समय लगा

अध्ययन से पता चला कि गुच्छों के दोगुना होने में करीब पांच साल का समय लगा। अध्ययन में बताया गया कि कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए देशों के बीच यात्रा रोकना बेहद प्रभावी कदम नहीं हो सकता है जब मूल देश में पहले से ही उल्लेखनीय रूप से संक्रमित लोगों की मौजूदगी पहले से ही हो। इसी तरह से मस्तिष्क क्षेत्रों के बीच गुच्छों के प्रसार को रोकना अल्जाइमर के एक बार शुरू हो जाने के बाद इसे धीमा करने में नाकाफी हो सकता है।

दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग अल्जाइमर और अन्य तरह की डिमेंशिया से प्रभावित हैं लेकिन दुनिया में इसका प्रभावी इलाज के संबंध में प्रगति धीमी है। वैज्ञानिकों ने बताया कि मरीज के मस्तिष्क में अल्जाइमर से संबंधित प्रोटीन गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं।

धीरे-धीरे बढ़ती जाती है गुच्छों की संख्या

अल्जाइमर की बीमारी और तंत्रिका तंत्र से संबंधित अन्य बीमारियों में प्रोटीन, वे सूक्ष्म गुच्छों में एकसाथ चिपकने लगते हैं। मरीज के मस्तिष्क में ये गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं। जैसे-जैसे इन गुच्छों की संख्या बढ़ती जाती है, बीमारी बढ़ती जाती है और हल्के लक्षण सामने आने के वर्षों बाद मौत तक हो जाती है। अब तक विस्तार से वैज्ञानिकों के हाथ यह जानकारी नहीं लग पाई है कि आखिर ये गुच्छे बन कैसे जाते हैं और इन्हें कैसे नियंत्रित किया जा सकता है।



सुपरफूड है अंडा
कई बीमारियों से बचाता है

अंडा एक ऐसा सुपरफूड है, जिसमें प्रोटीन, कैल्शियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड विटामिन ए और बी की भरपूर मात्रा होती है। इसका रोजाना सेवन शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। वहीं हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार रोजाना 1 अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कम होता है।

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम करता है अंडा

इस स्टडी की रिपोर्ट के सामने आने के बाद कई दूसरे वैज्ञानिक इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि डायबिटीज में अंडा खाने को लेकर शोधकर्ताओं की राय अलग-अलग है। जहां कुछ वैज्ञानिक इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं वहीं अन्य शोधकर्ताओं के हिसाब से डायबिटीज के मरीजों को अंडे का सेवन नहीं करना चाहिए।

हफ्ते में कितने अंडे खाना है सुरक्षित?

इस नई स्टडी के अनुसार, हफ्ते में 3 अंडे खाना बिल्कुल सुरक्षित है। अगर आपको डायबिटीज है तो अंडे को उबालकर ही खाएं।

फायदेमंद है अंडे का सेवन

जो पुरुष रोजाना अंडे का सेवन करते हैं उनके खून में लिपिड की मात्रा थोड़ी ही पाई जाती है, जिससे इस बीमारी का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। अंडा सेहत को कई तरीके से फायदा पहुंचाता है। फिलहाल अंडा खाने या ना खाना अभी तक शोधकर्ताओं के लिए पहेली ही बना हुआ है। हालांकि इस नई स्टडी के नतीजों में दावा किया है कि रोजाना एक अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कुछ हद तक कम हो जाता है।

कैसे और कब खाना चाहिए अंडा

रोजाना 2 उबले हुए अंडे खाने से शरीर कई बीमारियों से बचाया जा सकता है। अंडा को ब्रेकफास्ट के रूप में खाने से शरीर को सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। जिम जाने वाले लोगों को कच्चा अंडा दूध में मिलाकर खाना चाहिए। इसके अलावा कच्चे अंडे की जर्दी (एग योक) का सेवन भी आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाता है।

व्हाइट या ब्राउन कौन है बेस्ट?

व्हाइट और ब्राउन दोनों ही अंडों पर काफी बार शोध किया जा चुका है, जिसमें इन दोनों में कोई खास अंतर पता नहीं चला। दोनों के फायदे, क्वॉलिटी, आकार सभी कुछ एक जैसा है। यहां तक दोनों में पोषण भी एक जैसा ही होता है लेकिन ब्राउन अंडे में व्हाइट अंडे से थोड़ा ज्यादा ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है।

रोजाना अंडा खाने के अन्य फायदे



मजबूत इम्यून सिस्टम
रोजाना ब्रेकफास्ट में एक अंडा खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत है। इससे आप सर्दी-जुकाम जैसे वायरल इंफेक्शन से बचे रहते हैं।

वजन कंट्रोल
अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन जरूर करें। इससे दिनभर पेट भरा रहता है, जिससे आप ओवरइटिंग से बच जाते हैं और आपका वजन कंट्रोल में रहता है।

आंखों व दिमाग के लिए फायदेमंद
इसमें कॉलिन और कैरोटिनायड्स नाम का पोषक तत्व होता है, जो आंखे व दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद है।

स्वस्थ दिल
इसका सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और आप हार्ट अट्रैक जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं।

ब्रैस्ट कैंसर से बचाव
अंडे में पाया जाने वाला फॉलिक एसिड और विटामिन बी12 ब्रैस्ट कैंसर से बचाव करता है। अगर आप भी ब्रैस्ट कैंसर से बचना चाहते हैं तो रोज इसका सेवन करें।



सर्दियों में होंठ और हाथों की यूं करें देखभाल

सर्दियों में होंठ व हाथ रूखे हो जाते हैं। ऐसे में इन्हें खास देखभाल की जरूरत होती है। होंठ और हाथों की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं :

हाथों के लिए सुझाव

- हाथ धुलने के बाद मॉइश्चराइजर बरकरार रखने के लिए हमेशा अच्छा हैंड क्रीम लगाएं।
- रात में हाथों को अच्छे नरीशिंग क्रीम से मसाज करें और नाखूनों व नाखूनों के आसपास के हिस्से में भी मसाज करना नहीं भूलें।
- नहाने से पहले त्वचा पर तेल से मसाज करें। इससे आपके हाथ मुलायम बनेंगे।
- नहाने के तुरंत बाद लोशन या क्रीम लगाएं। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी।
- सर्दियों में शावर जेल या ग्लिसरीन युक्त साबुन का इस्तेमाल करें।
- एक बड़े चम्मच एवोकैडो ऑयल में एक बड़ा चम्मच शहद और एक बड़ा चम्मच दही मिला लें और इससे हाथों की मसाज करें। हाथों का रूखापन दूर करने के लिए 10 मिनट बाद धो लें।

होंठ की देखभाल

- होंठों को रूखेपन व फटने से बचाने के लिए आर्गन प्योर कोल्ड प्रेस्ड ऑयल की कुछ बूंदों में एक बड़ा चम्मच ब्राउन शुगर मिलाकर लगाएं।
- फटे होंठों के लिए शहद मॉइश्चराइजर का काम करता है। शहद को अपने होंठों पर लगा लें या फिर रात में सोने से पहले शहद और ग्लिसरीन के मिश्रण को लगा लें।
- आप चाहे तो ताजे दूध की क्रीम भी होंठों पर लगा सकते हैं और इसे 10 मिनट तक लगा रहने दें। फिर इसे गुनगुने पानी में भीगी रूई के फाहे से हल्के हाथों से साफ कर लें। कोमल व गुलाबी रंगत के होंठों के लिए ऐसा रोजाना करें।
- रात में सोने जाने से पहले होंठों को गुनगुने पानी से धोकर मुलायम कपड़े से पोंछे ले और फिर तुरंत लिप बाम लगा लें।
- होंठों की नमी बरकरार रखने के लिए पानी का सेवन खूब करें, इससे आपके होंठों की कोमलता बरकरार रखने में मदद मिलेगी।
- सर्दियों में होंठों को फटने से बचाने के लिए ऑर्गेनिक घी, बादाम तेल और नारियल तेल युक्त लिप बाम का इस्तेमाल करें।
- सर्दियों में लिपस्टिक आपके होंठों को सुरक्षा प्रदान करता है। पिंक या प्लम कलर के लिपस्टिक लगा सकती हैं, जो आपके होंठों की न सिर्फ खूबसरती बढ़ाएगा, बल्कि इसे कोमल भी रखेगा। ऑर्गेनिक घी, शहद, बादाम तेल, रोज ऑयल जैसे इंग्रेडिएंट्स सर्दियों में आपके होंठों को कोमल रखेंगे।
- रोजाना हैंडक्रीम लगाने से हाथ रूखे नहीं होंगे। कोकम बटर, ऑर्गेनिक हनी, एलो, हल्दी, सेसम ऑयल, एप्रिकोट ऑयल जैसे इंग्रेडिएट्स अल्ट्रा-मॉइश्चराइजिंग होते हैं, जो त्वचा को मुलायम रखते हैं।
- गर्मियों की तरह ही सर्दियों में भी त्वचा को हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाना जरूरी है। तेज धूप में त्वचा को टैनिंग से बचाने के लिए धूप में निकलने से पहले सन प्रोटेक्शन क्रीम का इस्तेमाल करें।

रोजाना लौंग चबाने से ये प्रॉब्लम्स हो जाएंगी दूर

मसाले खाने को स्वादिष्ट बनाने के ही नहीं बल्कि सेहत से जुड़ीं कई परेशानियों को भी ठीक करते हैं। जैसे, लौंग का इस्तेमाल खाने के साथ चाय को स्वादिष्ट बनाने में भी किया जाता है। लौंग के कई फायदे हैं।

दांत दर्द में राहत

लौंग खाने से दांत का दर्द ठीक होता है। लौंग में दर्द को शांत करने वाले गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आपके दांत में दर्द हो तो लौंग को अपने दांत के बीच में दबाकर रखें।

इंफेक्शन को दूर करता है

लौंग में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं। जिसका मतलब है कि यह बैक्टीरिया या अन्य सूक्ष्मजीवों से होने वाले संक्रमण से बचाव प्रदान कर सकता है। स्किन पर कहीं इंफेक्शन होने पर गुस जगह पर लौंग का पेस्ट लगाने की सलाह दी जाती है।

एसिडिटी में राहत

सुबह खाली पेट लौंग के सेवन करने से पाचन संबंधी समस्या दूर हो जाती है। लौंग पाचन एंजाइम के स्राव को बढ़ाते हैं, जो डाइजेशन प्रॉब्लम्स को रोकने या ठीक करने में कारगर है।

पिंपल्स को ठीक करने में कारगर

आपको अगर ऑयली स्किन की वजह से चेहरे पर पिंपल्स हो जाते हैं, तो आपको लौंग का पेस्ट एलोवेरा जेल में डालकर पिंपल्स पे लगाना चाहिए। इससे पिंपल्स ठीक हो जाते हैं।

मुंह की बदबू को दूर करें

आपके मुंह से अगर सुबह उठने पर बदबू आती है या मसूड़ों में दर्द रहता है, तो आप रोजाना एक लौंग को अपने मुंह में दबा लें, इससे धीरे-धीरे मुंह से बदबू आनी बन्द हो जाएगी।

पेट का अल्सर

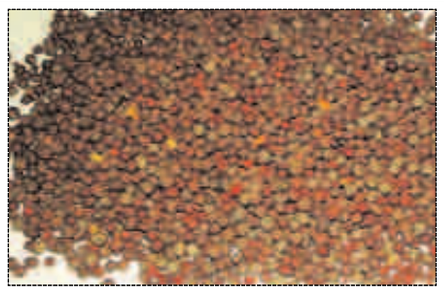
पेट के अल्सर के इलाज में लौंग काफी मदद कर सकता है। यह अल्सर आमतौर पर पेट की सेफ्टी लेयर के कम हो जाने के कारण हो जाते हैं, जिसमें लौंग खाने से फायदा होता है।





छोटी सी राई में कितनी खूबियां

- इसकी गिनती सरसों की जाति में होती है। इसका दाना छोटा व काला होता है। राई का प्रमुख गुण पाचक होता है।
- पेट के कीड़े इसका पानी पीने से मर जाते है।
- हैजे में राई को पीस कर पेट पर लेप करने से उदरशूल व मरोड़ में आराम मिलता है।
- इसकी पुल्टिस बना कर दर्द वाली जगह पर सेंक किया जाए तो तुरंत राहत मिलती है। राई के लेप से सूजन कम होती है।
- गर्म पानी में राई डालने से राई फूल जाती है। और उसके गुण पानी में पहुंच जाते हैं। इस पानी को गुनगुना सहने योग्य कर किसी टब में कमर तक भर कर बैठा जाए तो सभी प्रकार के यौन रोग प्रदर, प्रमेह आदि में बेहतर सुधार आता है।
- इसे पीस कर शहद में मिलाकर सूंघने से जुकाम में आराम मिलता है।



- मिर्गी-मूरच्छा में मात्र राई पीस कर सूंघाने से फायदा होता है।
- राई के तेल में बारीक नमक मिलाकर मंजन करने से पायरिया रोग का नाश होता है।
- राई के अधिक प्रयोग से उल्टी हो सकती है अत : राई का सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।



सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाएंगे गुड़ मेथी के लड्डू

सर्दियों में गुड़ मेथी के लड्डू खाने का मजा ही कुछ और है। गुड़ मेथी के लड्डू ना सिर्फ स्वाद में गजब होते हैं बल्कि इससे इम्यूनिटी बढ़ने के साथ सर्दी भी कम लगती है। जानते हैं, कैसे बनाएं गुड़ मेथी के लड्डू

लड्डू बनाने के लिए सामग्री

100 ग्राम मेथी दाना, 1/2 लीटर दूध
300 ग्राम गेहूं का आटा, 250 ग्राम घी
100 ग्राम गोंद, 30-35 बादाम
300 ग्राम गुड़ या चीनी
8-10 काली मिर्च, 2 छोटी चम्मच जीरा पाउडर, 2 चम्मच सोंठ पाउडर, 10 छोटी इलाइची, 4 टुकड़े दालचीनी, 2 जायफल

लड्डू बनाने की विधि

- सबसे पहले मेथी दाना को साफ कर लें। अब मेथी को मिक्सर से थोड़ी दरदरी पीस लें।
- एक पैन में दूध उबालने के लिए रख दें।
- अब पिसी हुई मेथी को 8-10 घंटे के लिए दूध में भिगो दें।
- बादाम को काट लें और काली मिर्च, दाल चीनी, इलाइची और जायफल को कूट लें।
- अब एक कड़ाही में आधा कप घी डालकर, भीगी हुई मेथी को भूनें. आपको मध्यम आंच पर इसे हल्का ब्राउन होने तक भूनना है।
- अब बचे हुए घी में गोंद को तल लें और किसी प्लेट में निकाल लें।
- इसी कड़ाही में बाकी घी डालकर आटे को हल्का ब्राउन होने तक भून लें।
- इसके बाद कड़ाही में 1चम्मच घी डाल कर, गुड़ को पिघला लें और चाशनी बना लें।
- गुड़ की चाशनी में, जीरा पाउडर, सोंठ पाउडर, कटे हुए बादाम, काली मिर्च, दालचीनी, जायफल और इलाइची डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- अब इसमें भुनी हुई मेथी, भुना आटा, भुना गोंद डासकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- इस मिश्रण से अपनी पसंद के आकार के लड्डू बनाकर रख लें. लड्डू को थोड़ी देर के लिए हवा में खुला रहने दें।
- बाद में किसी एअर टाइट डब्बे में सभी लड्डू को भरकर रख लें।आप इन्हें दूध से रोज सुबह शाम खाएं।
- आप चाहें तो लड्डू में गुड़ की जगह पर चीनी या बूरा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अपने पसंद के हिसाब से लड्डू में कोई मेवा कम या ज्यादा भी कर सकते हैं।
- मेथी के लड्डू खाने से आपको जोड़ों के दर्द, कमर दर्द और सर्दी में आराम मिलेगा।

भारत ने गुयाना के लिए 50 करोड़ डॉलर ऋण सुविधा बढ़ाने घोषणा की

सेंट जोन्स ।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एंटीगुआ एवं बारबुडा में गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली से मुलाकात के दौरान गुयाना में सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा बढ़ाने की घोषणा की। जयशंकर ने सेंट जोन्स में हाल ही में राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक से इतर राष्ट्रपति अली से मुलाकात की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली से मिलकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2024 की यात्रा के बाद हमारे द्विपक्षीय सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की।' उन्होंने सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा बढ़ाने की घोषणा की। दोनों देशों ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) की विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति और स्थापना से जुड़े समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा` कि एमएसई की विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति एवं स्थापना, त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं (क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स) के क्रियान्वयन के लिए अनुदान सहायता तथा डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और गुयाना में यूपीआई जैसी प्रणाली के संचालन में सहयोग से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

तमिलनाडु के पंजीकरण विभाग ने 1,950 करोड़ का राजस्व जुटाया

चेन्नई ।

तमिलनाडु के पंजीकरण विभाग ने अक्टूबर 2026 में 1,950 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया। यह अक्टूबर 2025 की तुलना में 147 करोड़ रुपये अधिक है। राज्य के मंत्री डी. लोकेश तमिलसेल्वन ने उत्तर चेन्नई जिला पंजीयक कार्यालय में अक्टूबर 2026 के कामकाज की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी। डिजिटल पहलों की सफलता का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि तीन नवंबर, 2026 तक कुल 2,46,260 दस्तावेजों का पंजीकरण किया जा चुका है। इससे पहले मंत्री ने पंजीकरण विभाग से जुड़े उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के मामलों की निगरानी के लिए तैयार कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित एक ऐप पेश किया।इस ऐप से अधिकारियों को जवाबी हलफनामे तैयार करने और विभाग की कानूनी कार्यवाही तेज करने में मदद मिलेगी।

रैम पर राय भारी, सैम ऑल्टमैन बने राम ऑल्टमैन

नई दिल्ली ।

ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन हाल ही में सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं। अपने एक विवादास्पद बयान के बाद उन्होंने अपना सोशल मीडिया डिस्प्ले नाम सैम ऑल्टमैन से बदलकर राम ऑल्टमैन कर लिया है। यह बदलाव कंप्यूटर की रैम के सीमित इस्तेमाल पर उनकी राय को लेकर हुए तीव्र विरोध के बाद आया है। एक पॉडकास्ट में ऑल्टमैन ने कहा था कि दुनिया में रैम की उपलब्धता सीमित है। उनके अनुसार, निजी कंप्यूटरों में लगी रैम का बहुत कम समय (लगभग 5 फीसदी) के लिए इस्तेमाल होना संसाधनों की बर्बादी है, जबकि इसका बेहतर उपयोग क्लाउड डेटा सेंटर में किया जा सकता है। इस बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कड़ी आपत्ति जताई। लोगों का तर्क था कि अपने पैसे से खरीदे गए कंप्यूटर में अपनी पसंद की रैम रखने का पूरा अधिकार है। कुछ ने आरोप लगाया कि बड़ी एआई कंपनियां रैम की जमाखोरी कर रही हैं, जिससे आम लोगों के लिए कंप्यूटर महंगे हो सकते हैं। विवाद बढ़ने और नाम बदलने के बाद ऑल्टमैन ने सफाई दी कि उनके बयान को गलत समझा गया।

बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 500 लाख करोड़ के पार

मुंबई ।

बाजार की तेजी में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप पहली बार 500 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया। शुरुआती सेशन में यह 501 लाख करोड़ रुपये के ऊपर तक गया। जबकि पिछले सेशन में क्लोजिंग के बाद यह आंकड़ा 494.4 लाख करोड़ रुपये था।

यानी बाजार की तेजी में करीब 7 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले सेशन में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 7,284 करोड़ रुपये की खरीदारी की। बाजार के जानकारो ने कहा कि विदेशी निवेशकों की ओर से दोबारा खरीदारी शुरू होना घरेलू बाजार के लिए राहत की बात है। अगर आने वाले दिनों में भी विदेशी निवेश जारी रहता है, तो इससे शेयर बाजार में मौजूदा रिकवरी को और मजबूती मिल सकती है।

शेयर बाजार बंपर तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 2,008, निफ्टी 576 अंक उछला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बंपर उछाल दुनिया भर से मिले बेहतर संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में कमी आने से भी बाजार को बल मिला है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,008.61 अंक बढ़कर 79,310.01 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 576 अंक उछलकर 24,536.60 पर बंद हुआ। बाजार में इस सप्ताह लगातार तेज रही है जिससे सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 28 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 501 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। जिससे निवेशकों को भारी लाभ हुआ। वहीं पिछले सप्ताह 28 अक्टूबर को बाजार पूंजीकरण 473 लाख करोड़ रुपए था। कारोबारी सत्र में बाजार में व्यापक आधार पर तेजी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 106.05 अंक की तेजी के साथ 19,132.45 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,115.40 अंक बढ़कर 60,620.90 पर आ गया था। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ में रहे । इसके अलावा, निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी आईटी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी सर्विसेज में सबसे ज्यादा बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी मीडिया , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी पीएसई गिरावट के साथ



बंद हुए।

सूचकांकों में बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, सन फार्मा, एलएंडटी, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, टाटा स्टील, एचयूएल और ट्रेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, आईटीसी, बीईएल और एनटीपीसी के शेयरों को नुकसान हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 1609 अंकों की मजबूती के साथ 78910 पर खुला जबकि निफ्टी भी करीब 380 अंकों की बढ़त के साथ 24400 के पास रहा।दूसरी ओर वहीं अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को बड़ी बढ़त के साथ बंद हुए थे।

रुपया बढ़त के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 15 पैसे की तेजी के साथ ही 94.46 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 94.61 पर बंद हुआ था। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के दबाव में रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को निचले स्तर पर थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.36 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ बंद हुआ था। यह 14 पैसे चढ़कर 94.61 प्रति डॉलर पर रहा था।

गोवा में खनन एवं कोयला क्षेत्र में सुधारों पर केंद्र और राज्य करेंगे चर्चा- मंत्री

महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी के नए चरण होंगे शुरू

पणजी ।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि गुरुवार से दक्षिण गोवा में शुरू होने वाला राष्ट्रीय खनन सम्मेलन केंद्र और राज्यों को खनन एवं कोयला क्षेत्रों में सुधारों, उभरती चुनौतियों और इन्हें मजबूत करने के उपायों पर गहन चर्चा का मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन देश के खनिज संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी बुधवार शाम गोवा पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि यह आयोजन केंद्र तथा राज्यों को सुधारों, चुनौतियों और इन क्षेत्रों को मजबूत करने के उपायों पर केंद्रित चर्चा के लिए एक साथ लाएगा।

सम्मेलन के एजेंडे में महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी के नए चरणों की शुरुआत, खनिज प्रशासन को मजबूत करने के लिए डिजिटल पहल और सुधारों को आगे बढ़ाने पर राज्यों के साथ विस्तृत चर्चा शामिल है।

मंत्री ने सार्थक संवाद और सहयोगात्मक प्रयासों की उम्मीद जताई। आयोजकों के अनुसार, इस दौरान महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी का नौवां चरण और अन्वेषण लाइसेंस (ईएल) ब्लॉक का तीसरा चरण भी शुरू किया जाएगा। इन चरणों में अन्वेषण व खनन के लिए खनिज ब्लॉक कंपनियों को आवंटित किए जाएंगे।

अमेरिकी मिड टर्म रिजल्ट के बाद रॉकेट बने सेंसेक्स और निफ्टी.धनतेरस से पहले सेंसेक्स 2009,निफ्टी 576 अंक उछला,साल की दूसरी सबसे बड़ी बढ़त

निवेशकों की बल्ले-बल्ले, 5 ट्रिलियन का हुआ बाजार

मुंबई।

धनतेरस से एक दिन पहले गुरूवार को सेंसेक्स 2008 अंक या 2.60 प्रतिशत चढक़र 79,310 पर बंद हुआ। इसे तेजी से निवेशकों की दौलत 8 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई। निफ्टी में भी 576 अंक या 2.40 प्रतिशत की तेजी रही, ये 24,537 के स्तर पर बंद हुआ है। निफ्टी ने 4 सितंबर के बाद पहली बार 24 हजार का आंकड़ा पार किया। ये इस साल की सेंसेक्स की दूसरी बड़ी बढ़त है। 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था। यानी करीब सेंसेक्स में 7 महीने बाद इतनी बड़ी तेजी आई है। शेयर बाजार में लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी के बीच बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार गुरुवार को यह बढक़र 501.14 लाख करोड़ रूपए के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 493.44 लाख करोड़ रूपए था। यानी एक ही दिन में निवेशकों की संपत्ति में करीब 7.7 लाख करोड़ रूपए का इजाफा हुआ।

शेयर बाजार के चलते सेंसेक्स-निफ्टी में लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों ने तगड़ी कमाई की है। दरअसल, बीते कारोबारी दिन बाजार बंद होने पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 4,94,42,140.62 करोड़ रुपये था, जो कि गुरुवार को मार्केट क्लोजिंग पर उछलकर 5,01,61,673.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस हिसाब से निवेशकों ने एक झटके में 7.7 लाख करोड़ रुपये के आसपास कमाई कर डाली। लंबे समय तक गिरावट झेलने के बाद शेयर बाजार में ये लगातार छठा सत्र था, जब सेंसेक्स-निफ्टी का गदर देखने को मिला है। इन छह कारोबारी दिनों में शेयर मार्केट इन्वेस्टर्स ने करीब 25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा छाप लिए हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि शेयर बाजार में गुरुवार को आई रैली के चलते भारतीय शेयर बाजार अब 5 ट्रिलियन रुपये का मार्केट बन गया है।

लगातार छठे कारोबारी सेशन में तेजी

गुरुवार को बाजार में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स 1,561 अंक की जोरदार बढ़त के साथ 78,862 अंक पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 457 अंक चढक़र 24,419 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख इंडेक्स में लगातार छठे कारोबारी सेशन में तेजी दर्ज की गई। पिछले 6 कारोबारी सेशन के दौरान सेंसेक्स में कुल 5,754 अंकों की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, निफ्टी इस अवधि में 1,881 अंक चढ़ चुका है। लगातार तेजी से बाजार में निवेशकों की संपत्ति में भी बड़ा इजाफा हुआ है।

कच्चे तेल में गिरावट और विदेशी निवेश से चढ़ा बाजार

बाजार में आई इस तेजी के पीछे कई प्रमुख वजहें रहीं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से बाजार में मजबूत निवेश देखने को मिला। अमेरिकी मिड टर्म चुनाव के नतीजों के बाद ग्लोबल मार्केट में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स का शेयर 12 फीसदी से अधिक चढ़कर सूचीबद्ध

एनएसई पर शेयर 10.97 प्रतिशत चढ़कर 91 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ

नई दिल्ली ।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड का शेयर अपने 82 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 12 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 12.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 92.02 रुपये पर कारोबार शुरू किया। वहीं एनएसई पर यह 10.97 प्रतिशत चढ़कर 91 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।कंपनी का बाजार मूल्यांकन 600.85 करोड़ रुपये रहा। बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 60.77 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 183 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए प्रति शेयर 78 से 82 रुपये का मूल्य दायरा तय किया गया था। आईपीओ पूरी तरह नए शेयर का निर्गम था। इससे प्राप्त राशि में से 125 करोड़ रुपये कुछ



कर्जों का समय से पहले भुगतान करने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

वहीं15.7 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ मौजूदा पट्टा व्यवस्था के तहत पूंजीगत उपकरणों के अधिग्रहण की लागत चुकाने के लिए किया जाएगा।

शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान के लिए तीन अरब डॉलर की वित्तपोषण सुविधा बढ़ाई

वित्त मंत्री ने रणनीतिक संबंधों पर जोर दिया; विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति मजबूत होने का दावा

इस्लामाबाद ।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान को मिली तीन अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) की महत्वपूर्ण वित्तपोषण सुविधा को उचित अवधि के लिए बढ़ा दिया है। पो किस्तान के एक स्थानीय समाचार की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त मंत्री औरंगजेब ने 31 अक्टूबर को समाप्त होने वाली इस सुविधा की अवधि बढ़ने की पुष्टि की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, आपको यह चिंता करने की जरूरत नहीं है कि यह कितने समय के लिए है, क्योंकि हमारे बीच इस तरह के रणनीतिक संबंध हैं। सऊदी अरब ने यह सुविधा इस साल अप्रैल में तब दी थी, जब पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.5 अरब डॉलर लौटाए थे। औरंगजेब ने यह भी बताया कि सऊदी की पांच अरब डॉलर की एक अन्य सहायता पहले ही 2028 तक बढ़ाई जा चुकी है। उन्होंने अतिरिक्त सहायता की किसी भी मांग को खारिज करते हुए कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन महीने से अधिक के आयात के लिए पर्याप्त है और इसे साल के अंत तक चार महीने के आयात के बराबर करने का लक्ष्य है।

महानदी कोलफील्ड्स का मेगा आईपीओ को सेबी की मंजूरी

कोल इंडिया की सब्सिडियरी 1 अरब डॉलर जुटाने को तैयार

नई दिल्ली।

सरकारी कोयला कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडियरी महानदी कोलफील्ड्स (एमसीएल) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। यह इस साल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक होगा, जो नवंबर में लॉन्च के लिए तैयार है और इससे करीब 9,000 करोड़ रुपये जुटाए जा सकते हैं।

कोल इंडिया एमसीएल में अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी (66.18 करोड़ तक शेयर) ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेचेगी। सूत्रों के मुताबिक, आईपीओ से लगभग 1 अरब डॉलर (करीब 9,000 करोड़) जुटाए जा सकते हैं, जिससे एमसीएल की वैल्यूएशन 10 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। हालांकि, प्राइस बैंड और लॉन्च की सटीक तारीख अभी घोषित नहीं हुई है। महानदी कोलफील्ड्स भारत की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी है।

म्यूचुअल फंड निवेशकों को एएमएफआई के तीन मंत्र

दीर्घकालिक लक्ष्य, अनुशासन और एसआईपी जारी रखने पर जोर



नई दिल्ली ।

नए संवत की शुरुआत पर, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के सीईओ वेंकट एन. चलसानी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए तीन महत्वपूर्ण मूल मंत्र साझा किए हैं। उन्होंने निवेशकों से अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करने, निवेश को स्पष्ट उद्देश्य से जोड़ने, तथा अनुशासन व जिम्मेदारी से आगे बढ़ने का आह्वान किया।

चलसानी ने बाजार के अल्पकालिक उतार-चढ़ाव की बजाय लंबी अवधि के नजरिए पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बाजार में गिरावट के दौरान भी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जारी रखना चाहिए। यह ऑनलाइन सेल की तरह है, जहां समान रकम में ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं, जिससे खरीद की औसत लागत संतुलित होती है। हालांकि, एसआईपी से रिटर्न की गारंटी नहीं होती। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को कम से कम पांच साल का नजरिया रखना चाहिए, क्योंकि दो-तीन साल में उतार-चढ़ाव सामान्य है। चलसानी ने भारत की मजबूत आर्थिक विकास संभावनाओं पर जोर दिया, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में नए अवसर शामिल हैं। उन्होंने युवा आबादी, नियंत्रित महंगाई व बढ़ती खपत जैसे कारकों को देश के लिए लाभकारी बताया।

आरबीआई ने बैंकों में डाले 2.5 लाख करोड़



नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में एक ऐसी आर्थिक रणनीति अपनाई है जो पहली नजर में विरोधाभासी लग सकती है। केंद्रीय बैंक ने 7 अक्टूबर 2026 को रेपो रेट में 0.25 फीसदी (25 बेसिस पॉइंट) की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर दिया। जानकारों के अनुसार, यह फरवरी 2023 के बाद पहली बढ़ोतरी है। वहीं दूसरी ओर, आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये की बड़ी नकदी भी डाली है।

ये कदम उन लोगों के लिए खास महत्व रखते हैं जो होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन लेने की सोच रहे हैं। आरबीआई के इन दो फैसलों के पीछे अलग-अलग, पर महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। रेपो रेट बढ़ाने का मुख्य मकसद कर्ज पर नियंत्रण कर महंगाई को काबू में लाना है, क्योंकि इससे बैंकों के लिए आरबीआई से उधार लेना महंगा हो जाता है, जिसका बोझ अंततः ग्राहकों पर पड़ सकता है।

इसके विपरीत, बैंकिंग सिस्टम में नकदी डालने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बैंकों के पास ग्राहकों को कर्ज देने और रोजमर्रा के कामकाज के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध हो, ताकि बाजार में तरलता की कमी न हो। आरबीआई का यह संतुलन फ्लोटिंग रेट वाले लोन पर असर डाल सकता है। यदि आपका होम लोन या कार लोन रेपो रेट से जुड़ा है, तो अगली रीसेट तारीख पर आपकी मासिक किस्त (ईएमआई) बढ़ सकती है। हालांकि, फिक्स्ड रेट वाले लोन पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

म्यूचुअल फंड निवेश अक्टूबर में धीमा, फिर भी बाजार का मजबूत आधार

43,024 करोड़ पर आया निवेश, साल के अंत तक 5 लाख करोड़ का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

अक्टूबर 2026 में म्यूचुअल फंड (एमएफ) का भारतीय शेयर बाजार में निवेश घटकर तीन महीने के निचले स्तर 43,024 करोड़ रुपये पर आ गया। महीने के अंत में बाजार में आई तेजी के चलते फंड हाउसों ने निवेश की रफ्तार धीमी कर दी। हालांकि, इसके बावजूद चालू वर्ष के पहले दस महीनों में एमएफ का कुल निवेश 4.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। यदि अगले दो महीनों तक यह गति बनी रहती है, तो कुल निवेश 5 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर सकता है, जो कैलेंडर वर्ष 2025 के उच्चतम स्तर के बराबर होगा। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये खुदरा निवेशकों की लगातार भागीदारी ने म्यूचुअल फंड्स को शेयर बाजार का महत्वपूर्ण सहारा बनाया है। यह तब और भी अहम हो जाता है जब विदेशी निवेशक बाजार से लगातार पूंजी निकाल रहे हैं, जिससे घरेलू संस्थागत निवेशकों की बढ़ती ताकत और बाजार को स्थिरता प्रदान करने की क्षमता प्रदर्शित होती है। म्यूचुअल फंड्स की निवेश गतिविधियां मुख्यतः इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में शुद्ध निवेश पर निर्भर करती हैं। विशेष रूप से हाइब्रिड योजनाओं में शेयरों के लिए तय निवेश अनुपात में बदलाव से कुल खरीद पर बड़ा असर पड़ता है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि घरेलू बचत का वित्तीयकरण भारतीय शेयर बाजार के लिए एक मजबूत और टिकाऊ आधार बन गया हैं।

विराट कोहली ने बताई अपनी सबसे पसंदीदा वनडे इनिंग



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने 38वें जन्मदिन पर अपनी पसंदीदा वनडे पारी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने अपनी कई यादगार शतकीय पारियों को पीछे छोड़ते हुए महज 43 रन की पारी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चुना। यह पारी उन्होंने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी।

2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल की पारी को चुना: स्टार स्पोर्ट्स की ओर से जारी एक वीडियो में कोहली को अपनी कुछ बेहतरीन वनडे पारियों में से पसंदीदा पारी चुनने का टास्क दिया गया था। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेली गई 43 रन की पारी को सबसे ऊपर रखा। भारत ने इस बारिश से प्रभावित मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की थी।

2011 विश्व कप फाइनल की पारी भी थी पसंद: कोहली ने शुरुआत में 2011 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 35 रन को चुना। उस मुकाबले में भारतीय टीम ने 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल समय में कोहली ने गौतम गंभीर के साथ अहम साझेदारी कर टीम को संभालने में मदद की थी।

183 रन की ऐतिहासिक पारी को भी छोड़ा पीछे: कोहली ने अपनी पसंदीदा पारी चुनते समय पाकिस्तान के खिलाफ 2012 एशिया कप में बनाए गए 183 रन को भी पीछे छोड़ दिया।

इस मुकाबले में उन्होंने 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शतक लगाया था। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 160 रन और 2015 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 107 रन की पारी भी उनकी पसंदीदा सूची में जगह नहीं बना सकी।

43 रन की पारी के पीछे थी खास वजह: 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत ने बारिश के कारण 20 ओवर में 129 रन का लक्ष्य रखा था। टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 66 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल हालात में कोहली ने 43 रन बनाकर रवींद्र जडेजा के साथ 47 रन की अहम साझेदारी की। भारत ने यह मुकाबला पांच रन से जीतकर खिताब अपने नाम किया था।

कोहली के नाम दर्ज हैं कई बड़े रिकॉर्ड

विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 15,183 रन बना चुके हैं, जिसमें 55 शतक और 80 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 9,230 रन और 30 शतक दर्ज हैं, जबकि टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 4,188 रन बनाए हैं। तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कोहली के नाम 28,601 अंतरराष्ट्रीय रन और 86 शतक हैं।

'एक साल तक कप्तानी न करें हार्दिक', पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने पांड्या को दी बड़ी सलाह



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या के भविष्य और ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने हार्दिक की अगली आईपीएल टीम को लेकर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि हार्दिक के लिए चेन्नई सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, लेकिन उन्हें फिलहाल किसी भी टीम की कप्तानी नहीं करनी चाहिए।

केकेआर में हार्दिक को कप्तानी देने के पक्ष में नहीं रायुडू

अंबाती रायुडू ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक पांड्या के लिए सही विकल्प नहीं माना है। उनका कहना है कि केकेआर को इस समय नए कप्तान की जरूरत है और टीम की जिम्मेदारी संभालना आसान नहीं होगा। रायुडू ने ष्टह्वद्धष्ठह्व55 पर चर्चा के दौरान कहा, 'मेरे हिसाब से पंजाब या चेन्नई, ये दोनों टीमें हैं जहां हार्दिक जा सकते हैं। लेकिन उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए।'

सीएसके और पीबीकेएस को बताया हार्दिक के लिए बेहतर विकल्प: रायुडू का मानना है कि चेन्नई और पंजाब में हार्दिक को अपने क्रिकेट पर ध्यान देने का अच्छा मौका मिल सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'वहां उन्हें अपने क्रिकेट के लिहाज से एक अच्छा माहौल मिलेगा। लेकिन चक्रक्रमें उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां होंगी, क्योंकि टीम को कप्तान की जरूरत है। इस समय उस टीम की कप्तानी करना आसान नहीं है।' हालांकि, फिलहाल हार्दिक के ट्रेड को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मुंबई इंडियंस में हार्दिक को महसूस हुआ दबाव?

रायुडू ने आईपीएल के पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की स्थिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि हार्दिक खुद को टीम के भीतर घिरा हुआ महसूस कर रहे थे। रायुडू ने कहा, 'मुंबई में मुझे ऐसा लगा कि हार्दिक को महसूस हो रहा था कि उन्हें एक कोने में धकेल दिया गया है। जब आपको ऐसा महसूस होता है, तो आप हमेशा अपने कंधे के ऊपर से देखते रहते हैं।'

कप्तानी के कारण बिगड़ सकता है ड्रेसिंग रूम का माहौल

रायुडू ने आगे बताया कि जब कोई खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में खुद को असहज महसूस करता है, तो उसका असर उसके व्यवहार और प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'जब ड्रेसिंग रूम में ऐसा होता है, तो आप कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं, जैसा आप खुद भी नहीं करना चाहते। हार्दिक के लिए कई चीजें सही नहीं रहीं। इसमें उनकी गलती भी हो सकती है और कुछ दूसरी वजहें भी हो सकती हैं। रायुडू का मानना है कि अगर हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह मुंबई इंडियंस में रहना चाहते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि उन्हें कप्तान होना चाहिए। उन्हें सिर्फ अपना खेल खेलना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए मैच विनर बनना चाहिए।' रायुडू ने साफ किया कि दूसरी टीम में जाने पर भी हार्दिक को कम से कम एक सीजन कप्तानी नहीं करनी चाहिए। आईपीएल 2026 के बाद से मैदान से दूर हैं हार्दिक

हार्दिक पांड्या ने आईपीएल 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की वनडे टीम में भी चुना गया था, लेकिन समय पर फिटनेस हासिल नहीं कर पाने के कारण वह वापसी नहीं कर सके। फिलहाल उनकी वापसी की आधिकारिक तारीख सामने नहीं आई है।

15 साल की तन्वी का डकार में बजा डंका

यूथ ओलंपिक खेलों में रचा इतिहास; महिला बैडमिंटन फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारत की युवा स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने सेनेगल के डकार में जारी यूथ ओलंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता की महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं।

ओडिशा की 15 वर्षीय तन्वी ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त युजुनो वतनबे को कड़े मुकाबले में 21-14, 11-21, 21-19 से शिकस्त दी। 54 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक के लिए होने वाले खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली। तन्वी ने इससे पहले थाइलैंड की कुंगकाएव कनानिक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। अब उनके पास स्वर्ण पदक जीतकर अपने यादगार अभियान को ऐतिहासिक बनाने का



सुनहरा मौका है। फाइनल में उनका सामना चीन की यी शिन झांग से होगा, जो मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन हैं। तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-11 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में तन्वी ने गजब का संयम दिखाया।

उन्होंने 21-19 से तीसरा गेम जीतकर यादगार जीत दर्ज की। तन्वी की यह उपलब्धि यूथ ओलंपिक में भारतीय बैडमिंटन की बढ़ती पहचान का एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे पहले 2010 में सिंगापुर में आयोजित पहले यूथ ओलंपिक में एचएस प्रणय ने रजत पदक जीता था। 2018 में ब्यूनस आयर्स युवा ओलंपिक में लक्ष्य सेन उपविजेता रहे थे। आदित्य जोशी ने 2014 में पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

फाइनल में होगी तन्वी की कठिन परीक्षा

तन्वी और झांग के बीच अब तक केवल एक बार भिड़ंत हुई है। इस साल एशिया जूनियर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दोनों आमने-सामने आई थीं, जहां तन्वी को कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। कुल मिलाकर तन्वी के सामने फाइनल में कठिन परीक्षा होने वाली है। युजुनो के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला तन्वी के धैर्य और मानसिक मजबूती की कड़ी परीक्षा साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और किसी ने भी आसानी से हार नहीं मानी।

पिछले सीजन के मुकाबले इस बार मुंबई इंडियंस की टीम में बेहतर संतुलन है: अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद का मानना है कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने पिछले सीजन में टीम संयोजन से जुड़ी अपनी कमजोरियों को काफी हद तक दूर कर लिया है। उनके अनुसार, इसमें नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स की बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि वह कई खिलाड़ियों को पहले से अच्छी तरह जानते थे। मुकुंद ने कहा कि इसी वजह से दो बार की चैंपियन टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के लिए एक ज्यादा संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने में सफल रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ पहले काम कर चुके विलियम्स एमआई टीम की चयन प्रक्रिया में एक नया नजरिया लेकर आए हैं। मुकुंद ने बताया कि खिलाड़ियों के साथ विलियम्स के पुराने जुड़ाव का असर फ्रेंचाइजी के नीलामी और ट्रेडिंग फैसलों पर पड़ा है। मुकुंद ने 'जियोस्टार' से कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले सीजन के मुकाबले इस बार एमआई की टीम में कहीं बेहतर संतुलन है। मुझे यह बात भी अच्छी लगी कि उनके नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स ने ऐसी खिलाड़ियों को चुना है जो टीम को मजबूती देंगी और उसमें वैल्यू जोड़ेंगी।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'उन्होंने दिशा कसाट को लिया है, जिन्होंने आरसीबी में उनके साथ काफी करीब से काम किया था। इसके अलावा, तारा नॉरिस को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल करना भी काफी शानदार फैसला है।

मैनचेस्टर सिटी ने आरबी लीपजिंग को हराया

चैंपियंस लीग में आर्सेनल का अजेय सफर जारी



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। चैंपियंस लीग के लीग चरण के अपने चौथे मैच में आर्सेनल फुटबॉल क्लब ने चेक गणराज्य के फॉर्च्यूना एरिना में स्लाविया प्राग को 2-1 से हराकर अपना अजेय सफर जारी रखा है। वहीं, मैनचेस्टर सिटी आरबी लीपजिग को 3-2 से हराकर जीत की पटरी पर लौट आई है। आर्सेनल के लिए नोनी माडुके और विक्टर ग्योकेरेस ने गोल किए, जबकि मेजबान टीम के लिए एकमात्र गोल 90वें मिनट में विक्टर नोवाक ने किया। मिकेल आर्टेटा की टीम आर्सेनल अपने मानकों से काफी दूर थी, लेकिन लीग चरण में अजेय बने रहने के लिए उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। आर्टेटा ने लिवरपूल को हराने वाली टीम में छह बदलाव किए। काई हैवर्ट्ज की जगह ग्योकेरेस को शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया। इस स्वीडिश स्ट्राइकर ने जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मैच के शुरुआती 10 मिनटों के भीतर माडुके को असिस्ट दिया, जिससे माडुके ने 9वें मिनट में गोल कर दिया। इसके बाद, 38वें मिनट में ग्योकेरेस ने खुद भी एक गोल किया। उन्होंने मिकेल मेरिनो के साथ पास का आदान-प्रदान किया और गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में अच्छा खेल दिखाया और आर्सेनल के डिफेंस पर दबाव बनाया। 90वें मिनट में नोवाक ने करीब से एक गोल किया। जीत के बाद मैनेजर आर्टेटा ने माना कि टीम अपने तय मानकों से काफी दूर थी। मैच के बाद आर्टेटा ने कहा, 'इस टीम में जबरदस्त जज्बा और अटूट विश्वास है। अगर आप इन्हें कोई मौका देते हैं, तो ये उसका पूरा फायदा उठाते हैं। हम अपने तय मानकों से बहुत दूर थे।

खेल के दौरान खासकर दूसरे हाफ में हम अपनी बुनियादी बातों, हर कॉन्सेप्ट और उन चीजों के मामले में काफी पीछे रहे जिनसे हमें बचने के लिए कहा गया था। हम एक-दूसरे से जो उम्मीदें रखते हैं, हम उन मानकों से बहुत दूर थे, लेकिन फिर भी हमने किसी तरह मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और जीत हासिल की।'

इस बीच, एर्लिंग हालैंड ने मैच के आखिर में गोल करके मैनचेस्टर सिटी को आरबी लीपजिग के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। इससे पहले, मैनचेस्टर सिटी को लगातार दो प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि काराबाओ कप में उन्होंने ब्राइटन को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि, यूरोपियन टूर्नामेंट में उन्होंने जीत की राह पर लौटने के लिए जरूरी प्रदर्शन किया। 37वें मिनट में आरबी लीपजिग के डिफेंडर कैस्टेलो लुकेबा ने निको ओ'रेली के शॉट को रोकने की कोशिश में गेंद को अपने ही गोलपोस्ट में डाल दिया, जिससे मैनचेस्टर सिटी को 1-0 की बढ़त मिल गई।

इसके बाद आरबी लीपजिग के रिडले बाकू ने गोल करके स्कोर बराबर करने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही एंजो फर्नांडेज ने हेडर से गोल करके मैनचेस्टर सिटी को फिर से बढ़त दिला दी। 61वें मिनट में एंटोनियो नुसा ने गोल करके आरबी लीपजिग को वापस मैच में ला खड़ा किया, लेकिन 78वें मिनट में हालैंड ने निर्णायक गोल करके अपनी टीम को जीत दिला दी।

वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में

बुल्गारिया के कार्लोस नासर का जलवा

निंगबो ,(एजेंसी)। बुल्गारिया के कार्लोस नासर ने वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बुधवार को पुरुषों की 95 किलोग्राम कैटेगरी में तीनों वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपना चौथा विश्व खिताब जीता। चीन के निंगबो में आयोजित प्रतियोगिता में 21 वर्षीय नासर ने स्नैच में 185 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 230 किलोग्राम का वजन उठाया।

इस तरह उनका कुल वजन 415 किलोग्राम रहा, जो कजाकिस्तान के नुरगिसा अडिलेतुली से 16 किलोग्राम



अधिक था। 2024 ओलंपिक चैंपियन नासर अब 89 किलोग्राम कैटेगरी से ऊपर आ गए हैं। प्रतियोगिता में अडिलेतुली ने 399 किलोग्राम के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि 2024 एशियन गेम्स के चैंपियन, ईरान के अली अलीपोर ने 396 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। चीन के कियान फेइक्सियांग 385 किलोग्राम के साथ चौथे स्थान पर रहे। नासर ने अपने सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। उन्होंने 'स्नैच' में 175 किलोग्राम, 180 किलोग्राम और 185 किलोग्राम वजन उठाया, जिसके बाद 'क्लीन एंड जर्क' में 213 किलोग्राम, 220 किलोग्राम और 230 किलोग्राम का वजन सफलतापूर्वक उठाया।

उनका आखिरी क्लीन एंड जर्क प्रयास 220 किलोग्राम के पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड से बेहतर था, जबकि उनका कुल वजन (415 किलोग्राम) अलीपोर द्वारा सितंबर में बनाए गए 398 किलोग्राम के पिछले विश्व रिकॉर्ड से कहीं अधिक था।

इस जीत के साथ नासर ने अपना चौथा विश्व खिताब हासिल किया और वेटलिफ्टिंग के शीर्ष एथलीट्स में अपनी जगह और मजबूत कर ली। निंगबो में आयोजित यह चैंपियनशिप 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत है।

यूईएफए चैंपियंस लीग, कोमो की रिकॉर्ड जीत, लेंस को 9-1 से हराया

लेंस ,(एजेंसी)। कोमो ने यूईएफए चैंपियंस लीग में लेंस को 9-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में किसी इटैलियन क्लब की अब तक की यह सबसे बड़ी जीत है। मेहमान टीम ने शुरुआत में ही मैच पर नियंत्रण बना लिया था। डौविकास ने सातवें मिनट में स्कोरिंग शुरू की और फिर 32वें मिनट में अपने स्कोर को दोगुना कर दिया। निको पाज ने हाफ टाइम से आठ मिनट पहले बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी कोमो ने लेंस को आराम से नहीं रहने दिया। लुकास दा कुन्हा ने 47वें मिनट में स्कोर 4-0 कर दिया, इसके छह मिनट बाद मार्क-ओलिवर केम्पफ ने गोल किया। सब्स्टीट्यूट माटिया लिबेराली ने 62वें मिनट में एक और गोल किया। रूबेन एगुइलर ने 65वें मिनट में गोल करके घरेलू समर्थकों को थोड़ी देर के लिए जश्न मनाने का मौका दिया, लेकिन मार्टिन बटुरिना ने चार मिनट बाद कोमो की छह गोल की बढ़त वापस दिला दी। डेब्यू कर रहे माटेओ पापासिओली ने स्टॉपेज टाइम में शानदार स्कोरलाइन पूरी की। पाज की भूमिका अहम रही। उन्होंने एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए, जबकि लिबेराली ने भी एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए।

पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास

पैरालंपिक में देश को दिलाया पहला पदक

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भाविना पटेल का नाम देश की शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शुमार है। भाविना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम दुनियाभर में प्रतिष्ठित किया है। भाविना पटेल का जन्म 6 नवंबर 1986 को मेहसाणा, गुजरात में हुआ था।

वह सिर्फ 12 साल की उम्र में पोलियो का शिकार हो गई, जिससे उनका दायां पैर प्रभावित हो गया। भाविना के माता-पिता ने उनकी शारीरिक अक्षमता को कभी उनकी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया। पटेल 2007 में ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन कंप्यूटर कोर्स करने पहुंची थीं। वहीं पर उन्होंने कुछ बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा। यहीं से उनके मन में टेबल टेनिस के प्रति रुचि बढ़ी। इसके बाद उन्होंने ललन दोशी के मार्गदर्शन में इस खेल का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। व्हीलचेयर पर बैठकर खेलना आसान नहीं था, लेकिन भाविना ने अपनी हिम्मत और मेहनत से इसे आसान बनाया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे पहले भाविना ने 2009 में जॉर्डन में हिस्सा लिया। इसके बाद 2011 में थाईलैंड ओपन में चीनी खिलाड़ी को



हराकर उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 2013 में बीजिंग में एशियन पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने देश को पहला सिल्वर मेडल दिलाया।

टोक्यो पैरालंपिक 2020 की सफलता ने भाविना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और पहचान दिलायी। क्लास 4 कैटेगरी के फाइनल में उन्होंने जगह बनाई। फाइनल में उन्हें चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह मेडल ऐतिहासिक था। भारत को पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पैरालंपिक मेडल मिला। 39 साल की भाविना ने 2022 कॉमनेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता था। उनके नाम 2018 पैरा एशियन गेम्स में सिल्वर और 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में कांस्य पदक है।

भाविना ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीता था। 2021 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था। शारीरिक अक्षमता के बावजूद भाविना पटेल की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो मुश्किलों के बावजूद अपनी जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

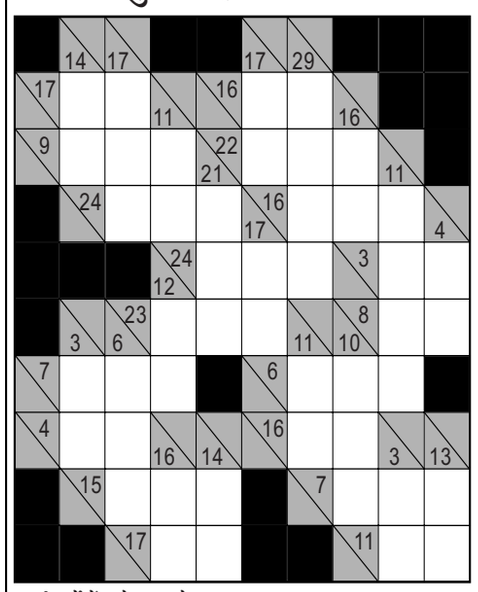
कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ द दो चा ची

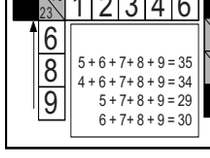
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 4061

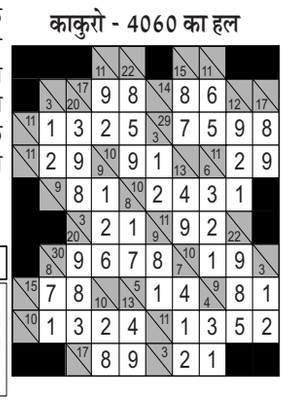


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4060 का हल



लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

□ □ □

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

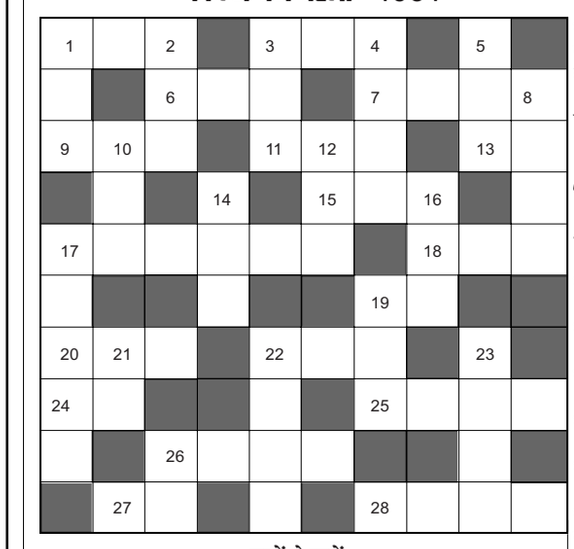
□ □ □

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4061



बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिनी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, खवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4060

प	र	दे	स		ज्ञा	ली	मा	र	
हे		व	र	दा	न		सु		ही
ली	ड	र		न		ओ	म	का	श
	र		शि	व	श	म		पों	
जु		दा	वा		ज		फ	रे	ब
बै	श	ग		चा	ह	त		ट	
दा			शि		ठ		दा		अ
	स	त्य	का	म		श	मा		न
दौ	ड़		र	जा	मु	श	द		क
	क	र्ज		ल		बी		जू	ही

सूडोकु -4061

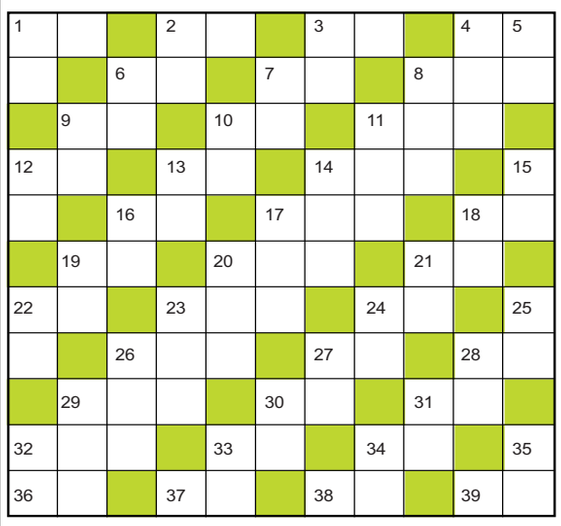
3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4060 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली -4061



बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -4060 का हल

ल	ब	■	ब	स	■	■	धा	गा	■	ह	रा	■	■	■
व	ह	म	■	ब	म	■	ना	ला	■	ह	■	■	■	■
■	न	म	न	■	जा	न	■	र	मा	■	■	■	■	■
ना	■	ता	क	त	■	शा	न	■	ता	त	■	■	■	■
क	भी	■	ल	ल	ना	■	म	न	■	न	■	■	■	■
■	न	ख	■	वा	च	क	■	ल	क्ष	■	■	■	■	■
स	■	र	वा	■	ना	म	क	■	मा	दा	■	■	■	■
खा	द	■	■	त	र	■	ह	न	■	म	■	■	■	■
■	म	स्त	■	मा	न	■	वा	ह	क	■	■	■	■	■
दा	■	र	स	■	था	र	■	र	घ	ना	■	■	■	■
स	दा	■	■	च	क्षु	■	न	भ	■	रा	ल	■	■	■



चना साग

सामग्री

■ चने का साग- 250 ग्राम ■ पालक- 250 ग्राम ■ मेथी के पत्ते- 100 ग्राम ■ मूंग की दाल- 250 ग्राम (बिना छिलके वाली) ■ लहसुन- 5-6 कलियां ■ अदरक- आधा इंच टुकड़ा (कद्दूकस किया) ■ हरी मिर्च- 2 (कटी हुई) ■ हींग- चुटकीभर ■ मक्के का आटा- 2 टेबलस्पून ■ हरी धनिया- बारीक कटी हुई ■ बटर- 1 टीस्पून ■ साबूत लाल मिर्च- 2 ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- 2 टेबलस्पून

विधि

चने के पत्तों को अच्छे से धोने के बाद काट लें। एक बाउल में मक्के का आटा और पानी मिलाकर अच्छे से मिक्स कर पेस्ट बना लें। फिर एक बाउल में मूंग की दाल को पानी में भिगोकर आधा घंटा रख दें। आधे घंटे बाद पानी से छानकर अच्छे से सूखा लें। इसके बाद प्रेशर कुकर में चने का साग, पालक, मेथी के पत्ते, 2 कप पानी, अदरक, हरा धनिया, नमक और मक्के के आटे का पेस्ट डालकर तीन सीटी आने तक पका लें। अब इसे थोड़ा ठंडा होने दें। फिर मेशर की मदद से मैश कर लें। कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल जब गर्म हो जाए, तब इसमें जीरा, लहसुन और हरी मिर्च डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें हींग, लाल मिर्च, मूंग की दाल और मैश किया हुआ साग डालकर लगातार चलाते हुए दो मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर इसका पानी सुखने तक लगातार चलाते हुए पका लें। फिर इसमें ऊपर से हरा धनिया डालकर मिक्स कर लें और दो मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बटर डालकर गरमा गरम रोटी के साथ सर्व करें।



मटर कोफ्ते

सामग्री

■ 1 कप मटर के दाने ■ 2 उबले आलू ■ 1 टीस्पून अरारोट या बेसन ■ 1 टुकड़ा कसा हुआ अदरक ■ 1-2 हरी मिर्च ■ नमक स्वादानुसार। ■ 3 मध्यम आकार के टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक ■ 2 टीस्पून तेल या घी ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 2 टीस्पून मलाई ■ लाल मिर्च ■ 1/2 टीस्पून गर्म मसाला ■ बारीक कटा हरा धनिया।

विधि

मटर को उबाल कर दरदरा पीस लें। आलू मैश करें। कोफ्ते की सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ी सामग्री अलग करें और बाकी सामग्री से नींबू के आकार के गोले बनाकर तैयार कर लें। कोफ्तों को ब्राउन होने तक तलकर अलग रखें।

ग्रेवी के लिए: टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट बना लें। फ्राइंगपैन में तेल डालकर जीरा, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। अब मसाले का पेस्ट डालें और उसे तेल छोड़ने तक भूनें। मसाले में मलाई डालकर 2 मिनट भूनें। नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला डालें। ग्रेवी को जितना गाढ़ा करना चाहती हैं, उतना ही पानी डालें। उबाल आने के बाद 2 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी में कोफ्ते डालकर 2 मिनट ढककर रख दें। बारीक कटे हुए धनिये से गार्निश करें। चावल या रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों का अपना महत्व है

हॉलीवुड की मशहूर गेम फ्रेंचाइज 'स्ट्रीट फाइटर' पर बनी फिल्म में विद्युत जामवाल धलसिम के किरदार में दिखेंगे। खास बात यह है कि उन्होंने किरदार मिलने से पहले कभी यह गेम नहीं खेला था। एक बातचीत में उन्होंने इसे लेकर खास चर्चा की और टाइगर श्रॉफ के साथ भी एक फिल्म पर बात की...

कभी 'स्ट्रीम फाइटर' गेम खेला था या ये किरदार मिलने के बाद इससे जुड़े?

यह गेम पहले कभी नहीं खेला था। धलसिम के लिए चुने जाने के बाद इसे खेलना शुरू किया। मैं अलग-अलग पार्टनर्स के साथ रोज गेम खेलता था, ताकि हर किरदार को समझ सकूं। कुछ समय के लिए मुझे इसकी आदत-सी हो गई थी। मेरे लिए धलसिम खास है, क्योंकि वह भारतीय योगी है, जो अपनी सांस को भी ताकत की तरह इस्तेमाल करता है। योग और मार्शल आर्ट्स की दुनिया से मेरा जुड़ाव रहा है, इसलिए इस किरदार से जुड़ना स्वाभाविक था।

फिल्म में फाइट्स रियलिटी से ज्यादा बड़ी हैं। आपकी ट्रेनिंग इसमें कैसे काम आई?

इस फिल्म की दुनिया बहुत अलग है। यहां हर चीज बड़ी है और उसी में इसका मजा है। यह ऐसी फिल्म नहीं है, जिसमें हर एक्शन को बिल्कुल रियल दिखाने की कोशिश की गई हो। इसके किरदारों और उनकी ताकतों में कल्पना का बड़ा हिस्सा है। गेम खेलने वाले दर्शक इसे समझेंगे और एंजॉय करेंगे। जिन्होंने गेम नहीं खेला, उनके लिए भी इसमें मनोरंजन है।

टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी नई फिल्म को लेकर कुछ बताएं?

टाइगर और मैं एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। उसे जानने के बाद मुझे लगा कि हम दोनों में जो क्षमता है, वह बहुत ज्यादा है। जब यह फिल्म आएगी, तो सच में कमाल हो सकता है। आज तक हमें ऐसा डायरेक्टर नहीं मिला, जो हम दोनों को हमारी काबिलियत से भी आगे ले जा सके। मैं चाहता हूं कि हमारी क्षमताओं को समझकर कोई हमें उस स्तर तक लेकर जाए, जहां दर्शकों को कुछ नया देखने को मिले।

हॉलीवुड और बॉलीवुड में काम की प्रोसेस का कितना अंतर महसूस हुआ?

मेरे लिए दोनों की तुलना करना ऐसा है, जैसे कोई पूछे कि दायां हाथ पसंद है या बायां हाथ। दोनों आपके हैं। दोनों का अपना महत्व है और दोनों का मजा लेना चाहिए। शूटिंग के दौरान भी यही सोचता था कि मार्शल आर्ट्स की वजह से यहां तक पहुंचा हूं। अब इम्तिहान का वक्त है और मुझे अपना बेस्ट करना है।

टाइगर के साथ वाली फिल्म से क्या उम्मीदें लेकर चल रहे हैं?

मेरे लिए जरूरी है कि हम अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल करें। सिर्फ दो एक्शन स्टार्स का साथ आना काफी नहीं है। फिल्म में ऐसा कुछ होना चाहिए, जो हम दोनों को आगे ले जाए। सही सोच और सही डायरेक्शन मिला तो हम बहुत कुछ कर सकते हैं।





'पेड्डी' में अपने किरदार को 'ऑब्जेक्टिफाई' किए जाने को लेकर जाह्नवी ने की बात

फिल्म 'पेड्डी' में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर काफी चर्चा हुई। हाल ही में वरुण धवन के साथ 'कॉफी विद करण' में शामिल होने के दौरान, उन्होंने इस स्पोर्ट्स ड्रामा में अपने किरदार को 'ऑब्जेक्टिफाई' किए जाने को लेकर हुई आलोचना पर खुलकर बात की। आलोचना को खारिज करने या चर्चा से बचने के बजाय, जाह्नवी ने इस मामले को एक अलग नजरिए से देखने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनके किरदार को लेकर हुई चर्चा से शायद अब उन अभिनेत्रियों के प्रति अधिक संवेदनशीलता आएगी, जो अपने चित्रण के कुछ पहलुओं को लेकर असहज महसूस करती हैं। जाह्नवी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि 'पेड्डी' में मेरे चित्रण को लेकर इतना बड़ा मुद्दा बना। शायद अगली बार जब कोई अभिनेत्री कहेगी कि वह असहज है, तो लोग उसे किसी एलियन की तरह नहीं देखेंगे। इस विषय पर बात करते हुए, जाह्नवी ने बताया कि वह इस मुद्दे पर बोलने में थोड़ी हिचकिचा रही थीं, क्योंकि इस प्रोजेक्ट पर कई लोगों ने कड़ी मेहनत की थी। 'धड़क' फेम अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे सच में समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूं या कुछ कहना भी चाहिए या नहीं, लेकिन यह जरूरी था कि जो कुछ भी हुआ, उसमें अपनी जिम्मेदारी मैं खुद लूं। मेरे मन पर इस बात का भारी बोझ था कि इस तरह की चीजों का हमारे समाज पर, खासकर महिलाओं पर, कितना नकारात्मक असर पड़ सकता है। जाह्नवी ने माना कि समाज पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर वह शर्मिंदगी महसूस कर रही थीं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि वह थोड़ी और सतर्क रह सकती थीं। उन्होंने कहा, 'क्या मैं कुछ और कर सकती थी? क्या मैं और ज्यादा सतर्क रह सकती थी? क्या मैं इस पर कड़ा विरोध जता सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह समस्याजनक था? क्या यह हद से ज्यादा अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कई बार खुद से यह सवाल पूछा कि क्या उन्हें शूटिंग के दौरान और अधिक मजबूती से विरोध करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'मैं यह कहना नहीं चाहती, क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपना दोष दूसरों पर डाल रही हूं, लेकिन आप जानते हैं कि चीजें कैसे काम करती हैं। हां, डायरेक्टर जो कहते हैं, आपको प्रोफेशनल बने रहना होता है और उनकी बात माननी पड़ती है।' इसलिए, जैसे-जैसे मुझे चीजें पता चलती गईं, मैं अपनी समझ के हिसाब से यही कोशिश कर रही थी कि चीजों को कम से कम समस्याजनक बनाया जा सके।



वामिका गब्बी ने 'प्रहार- द अनटोल्ड.... में प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।'

वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।



सैफ स्टारर अगली फिल्म से अलग हुई प्रियंका चोपड़ा



प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। वह सैफ अली खान के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली थीं। इस फिल्म का निर्देशन रितेश बत्रा करने वाले हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है और इसे पुराने समय की कहानी पर आधारित बताया जा रहा है। हालांकि, अब प्रियंका इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'पहले से तय काम और शूटिंग की डेट्स में तालमेल नहीं बैठ पाने के कारण उन्हें इस फिल्म से अलग होना पड़ा है। प्रियंका के इस फिल्म से अलग होने की खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब 21 अक्टूबर को मुंबई में इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि फिल्म बनाने वाली टीम ने डेट्स में बदलाव करने की कोशिश भी की। कोशिश थी कि किसी तरह प्रियंका की व्यस्तताओं और फिल्म की शूटिंग के बीच तालमेल बैठाया जा सके लेकिन दोनों पक्षों की कोशिशों के बाद भी कोई रास्ता नहीं निकल पाया। इसके बाद प्रियंका को फिल्म से अलग होना पड़ा।

इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है। अपने अनुभव को शेयर करते हुए सैयामी खेर ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल अलग और नया अनुभव था। पूरी तरह से विदेशी क्रू के साथ काम करना मजेदार अनुभवों में से एक था। हमने रूस में शूटिंग की और यह पहली बार था जब मैं वहां गई थी।' अभिनेत्री ने मॉस्को की तारीफ करते हुए बताया कि वहां पर काम करने का अनुभव भारत के मुकाबले अलग था। उन्होंने कहा, 'फिल्म का पूरा अनुभव शानदार रहा। वहां काम करने का माहौल मेरे अब तक के अनुभव से काफी अलग था और मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत मजा आया। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में ऐसे कई और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनूंगी।' उन्होंने कहा, 'भाषा और सीमाओं से परे जाकर काम करना बहुत मजेदार होता है। अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है और आपको उन लोगों से सीखने का मौका मिलता है जो अपने-अपने अनोखे अंदाज में सिनेमा को देखते हैं। यह एक शानदार अवसर था जिसका हिस्सा बनकर मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। हालांकि अभी फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी देना जल्दबाजी होगी लेकिन यह एक ड्रामा फिल्म है जिसके केंद्र में एक मजबूत महिला किरदार है।' कार्तिना एंटरटेनमेंट, व्हाइट नाइट फिल्म्स और विश मीडिया द्वारा निर्मित यह फिल्म एक क्रॉस-कल्चरल सहयोग है, जो एक दमदार ड्रामा के जरिए सिनेमा की सार्वभौमिक भाषा को दर्शाती है। फिल्म का निर्देशन निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं।

बच्चों की नजर से दुनिया को देखना बेहद खूबसूरत है

एक्ट्रेस रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म 'लिटिल थॉमस' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में फिल्मों के बदलते अंदाज पर बात की और कहा कि आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स के लिए कई रास्ते खोल दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी सरल कहानियों की अपनी खास अहमियत है। रसिका ने कहा, ''आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स को कई तरह की रास्ते दिए हैं। ऐसे में फिल्मों में बड़े स्तर और भव्यता पर जोर देना स्वाभाविक है। लेकिन कभी-कभी इस सबके बीच हम ऐसी कहानी की खूबसूरती भूल जाते हैं, जो सरल हो, लेकिन सतही न हो।'' उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर कौशल ओझा के फिल्म बनाने के अंदाज की तारीफ करते हुए कहा कि उनका शांत और सहज तरीका उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। उनकी कहानी कहने के अंदाज में एक अलग तरह का भरोसा नजर आता है। उनकी फिल्मों को दर्शकों से जुड़ने के लिए किसी भव्य सेट या उलझी हुई कहानी की जरूरत नहीं होती। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ''कहानी कहने के उनके अंदाज में यह भरोसा है कि किसी फिल्म को दर्शकों से जुड़ने के लिए हमेशा भव्य माहौल या पेचीदा कहानी की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी सबसे साधारण विचार ही सबसे दिलचस्प कहानियां बन जाते हैं, क्योंकि वे जिंदगी के हमारे अपने अनुभवों और नजरिए को दिखाते हैं।'' रसिका ने कहा, ''फिल्म 'लिटिल थॉमस' में एक बच्चे की जिज्ञासा और भाई-बहन की चाहत के जरिए परिवार, बचपन, शादीशुदा जिंदगी के उतार-चढ़ाव और लिबरलाइजेशन के बाद के भारत की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में थॉमस नाम का एक बच्चा यह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं। साथ ही, वह अपने लिए एक भाई या बहन भी चाहता है। उसकी यही जिज्ञासा कहानी को आगे बढ़ाती है।'' रसिका ने कहा, ''मुझे लगता है कि इन सभी बातों को एक बच्चे की नजर से देखना बेहद खूबसूरत है। यह हमें याद दिलाता है कि हमें बच्चों की जिज्ञासा को कम नहीं आंकना चाहिए और न ही उनके सवालों को नजरअंदाज करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि हम ऐसी फिल्में बनाते रहेंगे, जो अपने विचारों की ताकत पर भरोसा करती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी साधारण कहानियों को भी अपनी जगह देती हैं।'' कौशल ओझा के निर्देशन में बनी 'लिटिल थॉमस' को अनुराग कश्यप का समर्थन मिला है। फिल्म में रसिका दुग्गल के साथ गुलशन देवैया और हृदांश पारेख भी अहम भूमिकाओं में हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप 'राजनीतिक पंडित' बन हार-जीत पर देंगे राय, 'वीटो कैप' की पोस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिडटर्म इलेक्शन के शुरुआती नतीजे सामने आने के साथ ही नई जिम्मेदारी निभाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि अब हार जीत पर अपनी राय देंगे। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर लाल रंग की टोपी पोस्ट की जिस पर 'वीटो' लिखा हुआ है। ट्रुथ सोशल पर उन्होंने लिखा, 'अब मैं राजनीतिक 'पंडित' बनूंगा और उम्मीदवारों अच्छा और बुरा, दोनों तरह का राजनीतिक विश्लेषण कर बताऊंगा कि किन वजहों से उम्मीदवार जीते या हारे।' इसके बाद उन्होंने लाल रंग की वीटो कैप भी पोस्ट की। ट्रंप ने मध्यावधि चुनाव से पहले कहा था कि अगर डेमोक्रेट्स को बहुमत मिलेगी तो वो उनके लाए हर कानून पर वीटो लगाकर अपने अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा था कि हो सकता है कि लोग उन्हें 'मिस्टर वीटो' का खिताब दे दें। इससे पहले की पोस्ट में उन्होंने दावा किया कि क्योंकि वो चुनावी दौड़ में सीधे-सीधे शामिल नहीं थे इसलिए नतीजे रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में आते नहीं दिख रहे। लिखा, 'चुनाव में मैं उम्मीदवार नहीं था। अगर मैं उम्मीदवार होता, तो हम बहुत बड़े अंतर से जीतते!' हालांकि रिपब्लिकन उम्मीदवारों का चुनाव प्रचार करते हुए ट्रंप ने लोगों से अपील की थी कि वोट डालते समय ये ध्यान में रखें कि उम्मीदवार वो खुद (ट्रंप) हैं।



अमेरिका में 3 बच्चे पैदा करने का चलन बढ़ा :ज्यादा बच्चे अमीरों के लिए रुतबे की निशानी, परवरिश पर करोड़ों खर्च कर रहे



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के सबसे अमीर 1% परिवारों में से करीब आधे परिवारों के 3 या उससे ज्यादा बच्चे हैं। वहीं, कम कमाई समूह में तीन बच्चे वाले परिवार करीब 40 से 43% हैं। अमेरिका में एक परिवार एक बच्चे की परवरिश पर 18 साल तक करोड़ों रुपए खर्च करता है। मिडिल क्लास फैमिली के लिए इतनी रकम चुका पाना महंगाई के इस दौर में लगभग नामुमकिन है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के सबसे अमीर परिवारों में ज्यादा बच्चे का चलन 1990 के दशक से चला आ रहा है। लेकिन कम कमाई वाले परिवारों में यह चलन घट रहा है। यानी बच्चों को पालने का खर्च बढ़ने के बावजूद अमीर परिवार पहले की तरह बड़े परिवार रख रहे हैं। अर्थशास्त्री माइक कॉन्जल का कहना है कि अमीर परिवारों के लिए तीसरा बच्चा स्टेटस सिंबल यानी रुतबे की निशानी बन गया है। उनके मुताबिक, महंगाई और बच्चों की परवरिश का बढ़ता खर्च आम परिवारों को कम बच्चे पैदा करने के लिए मजबूर कर रहा है, लेकिन इसका असर सबसे अमीर 1% परिवारों पर उतना नहीं पड़ता।

अफगानियों के निर्वासन पर अमेरिकी न्यायाधीश ने लगाई अस्थायी रोक

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क में एक संघीय न्यायाधीश ने मंगलवार को (स्थानीय समय) राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की अमेरिका में हिरासत में लिए गए अफगानियों को अफगानिस्तान या पाकिस्तान निर्वासित करने की योजना पर अस्थायी रोक लगा दी। न्यायाधीश वी कैपोर्नी का यह आदेश शनिवार को समाप्त होगा, तब तक कोई निर्वासन नहीं होगा। कैलिफोर्निया के प्रतिनिधि स्कॉट पीटर्स और कई अन्य सांसदों ने एक पत्र में कमजोर लोगों को भेजने से उत्पीड़न, यातना या मृत्यु के जोखिम पर चिंता जताई थी। आप्रवासी अधिकार संगठनों ने भी तालिबान से प्रतिशोध की चेतावनी दी है। अमेरिकी सेना की मदद के बाद हजारों अफगानी उत्पीड़न से भाग गए थे। सरकार के वकील ने अदालत को बताया कि देश के आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग के अधिकारी क्रिस्टोफर जॉर्ज ने भी फिलहाल नागरिकों को न निकाले जाने की पुष्टि की।

जयपुर की बेटी पिया दांडिया ने जीती फ्लोरिडा सीट, संसद पहुंचने वाली दूसरी भारतीय-अमेरिकी महिला

वाशिंगटन, एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर से ताल्लुक रखने वाले अप्रवासी भारतीय माता-पिता की बेटी पिया दांडिया ने मंगलवार को हुए फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से जीत हासिल कर ली है। डेमोक्रेटिक पार्टी की पिया अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचित होने वाली दूसरी भारतीय-अमेरिकी महिला बन गई हैं। उनसे पहले प्रमिला जयपाल यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। दांडिया ने रिपब्लिकन पार्टी के कारोबारी उम्मीदवार केसी असकर को पराजित किया। डिसीजन डेस्क मुख्यालय और सीबीएस न्यूज के अनुमानों के मुताबिक, उन्होंने यह मुकाबला अपने नाम किया।

एनबीसी न्यूज ने भी उन्हें इस सीट का संभावित विजेता घोषित किया। करीब 99 प्रतिशत मतों की गिनती पूरी होने के बाद दांडिया लगभग 52 प्रतिशत वोट के साथ आगे थीं, जबकि असकर को करीब 48 प्रतिशत मत मिले। एनबीसी न्यूज के अनुसार, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में इस सीट पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में करीब 14 प्रतिशत का रुझान बदला। पाम बीच काउंटी में जन्मीं और पली-बढ़ीं दांडिया का बचपन जुपिटर में बीता। उनके माता-पिता 1980 के दशक में राजस्थान के जयपुर से अमेरिका पहुंचे थे और यहीं बस गए। अमेरिका आने के बाद उनके पिता डॉ. रोहित दांडिया ने बतौर डॉक्टर सेवाएं जारी रखीं, जबकि उनकी मां ने 40 वर्ष की उम्र में जुपिटर में एक मोंटेसरी स्कूल की स्थापना की। इस स्कूल की शुरुआत भी मुख्य रूप से पिया की शिक्षा को ध्यान में रखकर की गई थी। दांडिया का पालन-पोषण भारतीय संस्कृति और पारिवारिक परंपराओं से जुड़े माहौल में हुआ।



उनके माता-पिता बचपन में उन्हें भारत भेजते थे, ताकि वह अपने चचेरे-ममेरे भाई-बहनों के साथ समय बिता सकें और अपनी जड़ों को समझ सकें। अगस्त 2025 में न्यू इंडिया अब्रॉड को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया था, 'मेरे माता-पिता बहुत छोटी उम्र से ही मुझे अकेले भारत भेजते थे, ताकि मैं अपने भाई-बहनों के साथ समय बिता सकूं। ये यात्राएं मेरे जीवन को बदलने वाली साबित हुईं और मेरी पहचान को आकार देने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इनसे मुझे समझने का मौका मिला कि अलग-अलग लोकतंत्र किस तरह काम करते हैं और दुनिया में असमानता किस तरह मौजूद है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पहले वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने गर्मी की छुट्टी दिल्ली की झुग्गी-बस्तियों में बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाने में बिताई। वह आशा कोऑपरेटिव सोसायटी के साथ जुड़ी थीं और सात से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों को पढ़ाती थीं। इस अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा था, 'वंचित बच्चों को पढ़ाते हुए मैंने सीखा कि लोगों के बीच वास्तव में अंतर उनकी क्षमताओं का नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों का होता है जिनमें उन्हें जीवन बिताना पड़ता है। 2025 में इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड की ओर से समर्थन मिलने पर दांडिया ने अपने राजनीतिक सफर और पारिवारिक पृष्ठभूमि का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, 'मेरा जन्म और पालन-पोषण इसी क्षेत्र में हुआ। मेरे माता-पिता अमेरिकी सपने को पूरा करने की उम्मीद लेकर इस देश आए थे। मैंने अपना करियर यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित किया है कि यह सपना अधिक से अधिक परिवारों की पहुंच में हो। ' दांडिया ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से गवर्नमेंट विषय की पढ़ाई की और बोस्टन विश्वविद्यालय से शिक्षा में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। उन्होंने बोस्टन में 'टीच फॉर अमेरिका' कार्यक्रम के तहत अध्यापन किया। इसके बाद महज 28 वर्ष की उम्र में वह न्यूयॉर्क के हार्लेम में डेमोक्रेसी प्रेप एंड्योरेंस हाई स्कूल की संस्थापक प्रिंसिपल बनीं। उनके चुनाव अभियान के अनुसार, इस स्कूल के करीब 86 प्रतिशत विद्यार्थी कम आय वाले परिवारों से आते थे। इसके बावजूद स्कूल के सभी स्नातक विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश मिला। उन्होंने न्यू इंडिया अब्रॉड से कहा था, 'मेरे स्कूल के करीब 86 प्रतिशत विद्यार्थी गरीबी में जीवन बिता रहे थे। लेकिन हमने उन्हें बेहतर भविष्य का भरोसा दिया था। हमने वादा किया था कि यदि वे हमारे स्कूल में पढ़ेंगे तो उनमें से 100 प्रतिशत को कॉलेज में दाखिला मिलेगा। वर्ष 2020 में दांडिया को व्हाइट हाउस फेलो चुना गया था। इस दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस की घरेलू नीति परिषद और अमेरिकी शिक्षा विभाग में काम किया। बाद में उन्होंने एप्पल में सार्वजनिक क्षेत्र से जुड़ी पहलों का नेतृत्व किया। इलिनॉय के गवर्नर जेबी प्रित्जकर ने उन्हें राज्य की पी-20 परिषद में भी नियुक्त किया था।

अमेरिका मध्यावधि चुनाव: डेमोक्रेट कीशा लांस बॉटम्स ने रचा इतिहास, देश की पहली अश्वेत महिला गवर्नर चुनी गईं

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनाव के नतीजों में कई बड़े उलटफेर और ऐतिहासिक जीत देखने को मिली हैं। जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कीशा लांस बॉटम्स ने गवर्नर पद का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। वह अमेरिका के किसी भी राज्य की पहली अश्वेत महिला गवर्नर बन गई हैं। अटलांटा की पूर्व मेयर बॉटम्स ने रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार और अरबपति रिक जैक्सन को चुनाव में हराया। रिक जैक्सन ने लोकप्रिय रिपब्लिकन गवर्नर ब्रायन केम्प की जगह लेने के लिए 20 करोड़ डॉलर से अधिक खर्च किए थे। केम्प का कार्यकाल आठ साल पूरा होने के बाद जनवरी में समाप्त हो रहा है। कार्यकाल की समय सीमा के कारण वह दोबारा इस पद पर नहीं रह सकते। बॉटम्स पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की सलाहकार रह चुकी हैं। इन चुनावों में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) और सीनेट पर नियंत्रण को लेकर भी मुकाबला जारी है। डेमोक्रेट्स ने सीनेट और प्रतिनिधि सभा में अपनी स्थिति मजबूत की है।

जॉर्जिया में पहली अश्वेत महिला गवर्नर चुनी गई बॉटम्स : डेमोक्रेटिक पार्टी की कीशा लांस बॉटम्स ने जॉर्जिया के गवर्नर चुनाव में जीत हासिल की। उनकी जीत को अमेरिकी राजनीति में ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। वह देश के किसी भी राज्य में गवर्नर चुनी जाने वाली पहली अश्वेत महिला हैं। उनकी जीत के बाद समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। चुनावी कार्यक्रम में मौजूद 54 वर्षीय कॉन्कुला मिलनर ने कहा कि वह इस जीत से बेहद खुश और भावुक हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि बॉटम्स पूर्व सैनिकों के लिए बेहतर काम करेंगी। वहीं, 69 वर्षीय सेवानिवृत्त स्कूल काउंसलर पाउला सैंडर्स ने कहा कि वह बॉटम्स की योजनाओं का समर्थन करती हैं। उनके मुताबिक, बॉटम्स की योजना जॉर्जिया के लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने पर केंद्रित है।

फ्लोरिडा में बायरन डोनाल्ड्स बने पहले अश्वेत गवर्नर : फ्लोरिडा में रिपब्लिकन उम्मीदवार बायरन डोनाल्ड्स ने जीत दर्ज कर इतिहास बनाया। वह राज्य के पहले अश्वेत गवर्नर बने हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार डेविड जॉली को हराया। डोनाल्ड्स ने जीत के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि फ्लोरिडा अब भी रिपब्लिकन पार्टी के साथ है। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही निवर्तमान गवर्नर रॉन डेसेंटिस के काम को आगे बढ़ाने का वादा किया। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी ने अब तक तीन सीटें रिपब्लिकन पार्टी से छीन ली हैं। अगर डेमोक्रेट्स अपनी मौजूदा सभी सीटें बरकरार रखते हैं तो वे सदन में बहुमत हासिल कर सकते हैं।

स्पेन: एक साल में दो बड़े रेल हादसे, 69 लोगों की मौत के बाद परिवहन मंत्री ने छोड़ा पद, सरकार पर बढ़ा दबाव

मेड्रिड, एजेंसी। स्पेन में हुए भीषण हाईस्पीड ट्रेन हादसे के छह दिन बाद परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस हादसे में 69 लोगों की जान चली गई थी। मंगलवार को सांसदों के सामने हादसे को लेकर कई घंटे तक चली सुनवाई के बाद उन्होंने इस्तीफे का ऐलान किया। पुएंते ने कहा कि एक साल से भी कम समय में दो बड़े रेल हादसे होने के बाद उनका पद पर बने रहना सही नहीं है।

यह पीड़ितों के प्रति सम्मान और राजनीतिक जिम्मेदारी का मामला है। परिवहन मंत्री ने संसद में कहा कि स्पेन जैसे देश में एक साल के भीतर दो बड़े रेल हादसे होना बेहद गंभीर बात है। ऐसे हालात में परिवहन मंत्री का पद पर बने रहना राजनीतिक गरिमा और नैतिक जिम्मेदारी के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना दिखाना जरूरी है। इसी वजह से उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। 28 अक्टूबर को मैड्रिड के दक्षिण में दो हाईस्पीड ट्रेनें आपस में टकरा गई थीं। इनमें से एक ट्रेन पहले से ही रेलवे ट्रैक पर खड़ी थी, तभी दूसरी तेज रफ्तार ट्रेन उससे जा भिड़ी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मैड्रिड-सेविल रेल लाइन पर सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा अहम संचार सिस्टम बंद हो गया था। इसके बाद मैड्रिड स्थित कंट्रोल रूम के अधिकारियों ने संचालन की जिम्मेदारी संभाली और एक ट्रेन को आगे बढ़ने की अनुमति दे दी। जबकि उसके आगे दूसरी ट्रेन पहले से खड़ी थी। इसी चूक ने बड़े हादसे का रूप ले लिया। स्पेन में इस साल यह दूसरा बड़ा रेल हादसा है। इससे पहले जनवरी में मैड्रिड-सेविल रूट पर एक ट्रेन पटरी से उतर गई थी और सामने से आ रही दूसरी ट्रेन से टकरा गई थी। इस दुर्घटना में 46 लोगों की मौत हुई थी। उस हादसे की जांच अभी जारी है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने देश की हाईस्पीड रेल व्यवस्था की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा हादसा ऐसे समय हुआ है, जब स्पेन में राष्ट्रीय चुनाव होने में करीब चार हफ्ते बाकी हैं। देश का हाईस्पीड रेल नेटवर्क उसकी बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है। चीन के बाद यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हाईस्पीड रेल नेटवर्क है।

ओहियो से हारे विवेक रामास्वामी, एमी ने 20 साल बाद डेमोक्रेटिक पार्टी को दिलाई जीत

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल के रिपब्लिकन विवेक रामास्वामी ने ओहियो के गवर्नर चुनाव में डेमोक्रेट एमी एक्टन के सामने हार स्वीकार कर ली है। इसके साथ ही उनका वह हाई-प्रोफाइल चुनाव अभियान समाप्त हो गया, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस का जोरदार समर्थन प्राप्त था। यह हार रिपब्लिकन पार्टी के लिए एक बड़ा चुनावी झटका है, खासकर उस राज्य के लिए जहां 2024 में ट्रंप ने आसानी से जीत हासिल की थी। 60 वर्षीय डॉक्टर और ओहियो की पूर्व स्वास्थ्य निदेशक, एक्टन मंगलवार रात (स्थानीय समयानुसार), ओहियो की पहली महिला गवर्नर चुनी गईं। वह 2006 के बाद से इस पद पर जीतने वाली पहली डेमोक्रेट बन गई हैं। चुनाव की रात आए नतीजों के अनुसार, एक्टन को लगभग 51 प्रतिशत वोट मिले, जबकि रामास्वामी को 46 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। वहीं, लिबर्टेरियन उम्मीदवार डॉन किसिक को लगभग तीन प्रतिशत वोट मिले। यह परिणाम डेमोक्रेट्स की ओर लगभग 16 प्रतिशत अंकों के झुकाव को दर्शाता है। इसकी तुलना में, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप ने ओहियो में 11 प्रतिशत अंकों के अंतर से जीत हासिल की थी। ओहियो में चुनाव की रात अपने समर्थकों के बीच रामास्वामी ने अपनी हार स्वीकार की और बताया कि उन्होंने एक्टन को बधाई देने के लिए उनसे संपर्क किया है। अपने संबोधन में, रामास्वामी ने समर्थकों का धन्यवाद किया और कहा कि वह सार्वजनिक जीवन से बाहर रहकर भी ओहियो की सेवा करना जारी रखेंगे। उन्होंने अपने माता-पिता, पत्नी अपूर्वा, अपने तीन बच्चों और अपने साथी उम्मीदवार (रनिंग मेट), ओहियो सीनेट के अध्यक्ष रॉब मैकोली का भी आभार व्यक्त किया। 41 वर्षीय रामास्वामी, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के अपने असफल अभियान के दौरान एक प्रमुख राष्ट्रीय रिपब्लिकन चेहरे के रूप में उभरे थे। वह ओहियो के पहले भारतीय-अमेरिकी गवर्नर बनने की कोशिश कर रहे थे। उनकी हार का असर ओहियो तक ही सीमित नहीं है, क्योंकि ट्रंप और वेंस ने उनकी उम्मीदवारी में पूरी ताकत झोंक दी थी। 28 अक्टूबर को चिलिकोथे में एक रिपब्लिकन रैली को संबोधित करते हुए, ट्रंप ने कहा था: 'अब से छह दिन बाद, ओहियो की जनता विवेक रामास्वामी को अपना गवर्नर चुनेगी। इसके बाद, 31 अक्टूबर को ट्रंप ने टेलीफोन के जरिए एक और चुनावी कार्यक्रम किया, जिसमें उन्होंने रिपब्लिकन मतदाताओं से रामास्वामी और पार्टी के अन्य उम्मीदवारों के समर्थन में वोट करने की अपील की। ओहियो के पूर्व सीनेटर वेंस, चुनाव से ठीक पहले 2 नवंबर को स्वैंटन में आयोजित एक रैली के लिए अपने गृह राज्य लौटे। वेंस ने समर्थकों से कहा, 'मुझे पता है कि हम विवेक रामास्वामी और जॉन हस्टेड को चुनने जा रहे हैं।' लेकिन नतीजे इन दोनों भविष्यवाणियों के विपरीत रहे। डेमोक्रेट शेरोड ब्राउन ने रिपब्लिकन सीनेटर जॉन हस्टेड को भी हरा दिया, जिससे ओहियो में रिपब्लिकन पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा।



किंग चार्ल्स ने गुलामी के इतिहास को शर्मनाक बताया:बोले- याद करके डर लगता है, दुख होता है; कैरिबियाई देश माफी-मुआवजा मांग रहे

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय ने अपने देश के गुलामी के इतिहास पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि गुलामों के व्यापार में ब्रिटेन की रोल इतिहास का शर्मनाक हिस्सा है। इसे याद कर उनका दिल दहलता है और उन्हें गहरा दुख होता है। चार्ल्स ने मंगलवार को एंटीगुआ और बारबुडा में कॉमनवेल्थ देशों के नेताओं की बैठक की शुरुआत करते हुए यह बात कही। उनका बयान ऐसे समय आया है, जब कैरिबियाई देश ब्रिटेन से गुलामी के लिए माफी और मुआवजा मांग रहे हैं।

चार्ल्स बोले- इतिहास को बदल नहीं सकते, उससे सीख सकते हैं

किंग चार्ल्स ने कहा कि गुलामी का इतिहास आज भी कैरिबियाई देशों और कॉमनवेल्थ के दूसरे सदस्यों को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इतिहास में हमारे पूर्वजों के अच्छे काम भी हैं और गलतियां भी। हम उनके किए कामों को बदल नहीं सकते, लेकिन उनसे सीख जरूर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ हिम्मत और मजबूत इरादों से लड़ाई लड़ी जा सकती है। चार्ल्स ने गुलामों के व्यापार को खत्म करने में ब्रिटिश रॉयल नेवी की भूमिका का भी जिक्र किया।



कैरिबियाई देश ब्रिटेन से माफी और मुआवजा मांग रहे : कैरिबियाई देशों का कहना है कि गुलामी के दौरान उनके लोगों और अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ था। इसलिए ब्रिटेन को अपनी भूमिका के लिए माफी मांगनी चाहिए और मुआवजा देना चाहिए। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने भी कहा है कि सरकार कॉमनवेल्थ देशों से औपचारिक माफी मांगने के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। हालांकि, बकिंघम पैलेस ने साफ किया है कि मुआवजा देने का फैसला राजा नहीं कर सकते। यह ब्रिटिश सरकार का मामला है। 1500 से 1800 के बीच ब्रिटेन ने अफ्रीका से लोगों को गुलाम बनाकर अपने उपनिवेशों में भेजा। ब्रिटिश संसद ने भी इस कारोबार को बढ़ावा देने के लिए कई कानून बनाए।

ब्रिटेन ने 32 लाख अफ्रीकी लोगों को गुलाम बनाया : ट्रांसअटलांटिक स्लेव ट्रेड डेटाबेस के मुताबिक, ब्रिटेन ने करीब 32 लाख अफ्रीकी लोगों को अटलांटिक महासागर पार ले जाकर गुलाम बनाया था। यूरोपीय देशों ने मिलकर 1.25 करोड़ से ज्यादा अफ्रीकी लोगों को पकड़कर गुलामी के लिए बेचा था। ब्रिटेन ने 1807 में गुलामों की खरीद-बिक्री पर रोक लगाई। 1833 में गुलामी खत्म करने का कानून बनाया गया, जो 1834 से लागू हुआ। गुलामों को पूरी आजादी मिलने में 1838 तक का समय लगा।

इंडोनेशिया: राष्ट्रपति सुबियांतो के फोन की हो रही थी जासूसी, पुलिस के तीन जनरल गिरफ्तार; सिस्टम से मिटाए सबूत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में एक बड़े जासूसी मामले ने पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है। यहां राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और देश की कई बड़ी हस्तियों के फोन कथित तौर पर गैरकानूनी तरीके से टैप किए गए। इस मामले में पुलिस ने अपने ही विभाग के तीन वरिष्ठ जनरलों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि तीनों पर बिना अनुमति फोन कॉल और इलेक्ट्रॉनिक बातचीत की निगरानी करने का आरोप है।

हिरासत में लिए गए तीनों वरिष्ठ अधिकारी : नेशनल पुलिस की क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के प्रमुख असेप सफरुद्दीन ने मंगलवार को मामले की जानकारी दी। हिरासत में लिए गए अधिकारियों में राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल लिस्ट्यो सिगित प्रबोवो, नेशनल पुलिस के लीगल डिवीजन के प्रमुख इंस्पेक्टर जनरल अहरी सोंटा नसुतियोन और पुलिस एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ प्रशिक्षक इंस्पेक्टर जनरल एको हादी सैंटोसो शामिल हैं। तीनों अधिकारियों को पुलिस मुख्यालय के हिरासत केंद्र में रखा गया है। अब तक न तो राष्ट्रपति प्रबोवो और न ही इन तीनों अधिकारियों ने आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया दी है।

नेताओं से लेकर पत्रकारों और कारोबारियों तक पर नजर : पुलिस के मुताबिक, जिन लोगों के फोन नंबरों को कथित तौर पर निशाना बनाया गया, उनमें राष्ट्रपति, सरकारी अधिकारी, राजनीतिक दलों के नेता, मीडिया से जुड़े लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, गैर-सरकारी संगठनों के सदस्य और कारोबारी शामिल हैं। सफरुद्दीन ने बताया कि इस मामले में अब तक 10 गवाहों और तीन विशेषज्ञों से पूछताछ की जा चुकी है। जांच के दौरान 11 मोबाइल फोन, एक आईपैड और चार पेन ड्राइव भी जब्त की गई हैं।



सरकारी निगरानी सिस्टम से भी की गई छेड़छाड़ : जांचकर्ताओं का आरोप है कि फोन टैपिंग का यह सिलसिला 2025 से 2026 के बीच चला। इसके लिए जरूरी सरकारी नियमों का पालन नहीं किया गया। पुलिस के मुताबिक, कई फोन नंबरों को बिना सही जांच और मंजूरी के लॉफुल इंटरसेप्शन मैनेजमेंट सिस्टम में डाल दिया गया था।

इसी सिस्टम के जरिए कानूनी प्रक्रिया के तहत फोन और इलेक्ट्रॉनिक बातचीत की निगरानी की जाती है। मामले में एक और गंभीर बात सामने आई है। आरोप है कि तीनों अधिकारियों ने हाल ही में खूफिया के कंप्यूटर सिस्टम से फोन टैपिंग से जुड़ी फाइलें हटाने के आदेश दिए थे। पुलिस को शक है कि ऐसा सबूत मिटाने और पूरी कार्रवाई के निशान छिपाने के लिए किया गया। इंडोनेशिया के कानून, मानवाधिकार, आव्रजन और सुधार मंत्री युसरिल इहजा महेंद्र ने कहा है कि जांच में फिलहाल देशद्रोह से जुड़ा कोई सबूत नहीं मिला है।

डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत; पिछले 21 में से 19 चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी हारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को हार मिली है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट में 51 सीटें और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 218 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर लिया है। पिछले 21 मिडटर्म चुनावों में से 19 बार राष्ट्रपति की पार्टी हारी है। केवल 1998 बिल क्लिंटन और 2002 में जॉर्ज बुश की पार्टियों ने जीत दर्ज की थी।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स : हाउस में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। शुरुआती रुझानों में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी 219 सीटों पर आगे चल रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी 125 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 29 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 19 और रिपब्लिकन पार्टी ने 10 सीटें जीती हैं। बाकी 6 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 53 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 41 सीटें हैं। कुल 36 सीटों में से 26 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। 17 डेमोक्रेट्स और 9 रिपब्लिकन ने सीटें जीती हैं। 10 राज्यों में वोटों की गिनती जारी है।

प्रमिला जयपाल को मिली लगातार छठी जीत : भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक नेता प्रमिला जयपाल ने वॉशिंगटन के 7वें संसदीय क्षेत्र से लगातार छठी जीत हासिल की है। प्रमिला जयपाल अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पहुंचने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी महिला हैं। उनका जन्म चेन्नई में हुआ था। वह 2016 में पहली बार सांसद चुनी गई थीं। प्रमिला जयपाल संसद में प्रवासियों के अधिकार, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाती रही हैं



ट्रम्प की कट्टर विरोधी इल्हान उमर पांचवीं बार जीतीं : डोनाल्ड ट्रम्प के विरोध के बावजूद डेमोक्रेटिक पार्टी की इल्हान उमर ने मिनेसोटा से पांचवीं बार जीत हासिल की। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन नेगल को हराया। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने उमर पर लगातार निशाना साधा था। उनकी शादी और अमेरिकी नागरिकता को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। फिलहाल अमेरिकी एजेंसियां उनके पुराने आव्रजन दस्तावेजों और नागरिकता से जुड़े मामलों की जांच कर रही हैं।

ट्रम्प को राजनीतिक तौर पर 2 बड़े खतरे हैं...

1. **'लेम-डक' प्रेसिडेंट बनने का खतराः** ट्रम्प का यह दूसरा कार्यकाल है। कानूनन वे तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते। उनके 'लेम-डक' प्रेसिडेंट बनने और पार्टी पर पकड़ कमजोर होने का खतरा है। डेम डक का मतलब है लंगड़ी बतख। अगले राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार बनने के लिए कुछ रिपब्लिकन नेता ट्रम्प की बात मानना और उनका बचाव करना बंद कर सकते हैं। वे अपनी अलग राजनीतिक पहचान बना सकते हैं।
2. **तीसरी बार महाभियोगः** ट्रम्प पहले 2 बार महाभियोग झेल चुके हैं- 2019 और 2021 में। दोनों बार वे सीनेट से बच गए। डेमोक्रेट्स तीसरी बार भी महाभियोग ला सकते हैं। ट्रम्प भी कह चुके हैं कि अगर रिपब्लिकन नहीं जीते तो वे (डेमोक्रेट्स) महाभियोग में फंसाने की कोई वजह ढूंढ लेंगे। अमेरिकी अखबार पोलिटिको के एक सर्वे में आधे अमेरिकी महाभियोग के पक्ष में हैं। हालांकि अगर महाभियोग शुरू भी हुआ, तो सीनेट से मंजूर होना मुश्किल है। ट्रम्प बोले- डेमोक्रेटिक पार्टी ने अच्छी कोशिश की ट्रम्प ने कहा कि डेमोक्रेट्स कई सालों से दोनों सदनों में जीत हासिल करने की कोशिश कर रहे थे और आखिरकार उन्हें इसमें सफलता मिली। उन्होंने डेमोक्रेट्स को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अच्छी कोशिश की है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)